2 फरीदाबाद
नहरों और नालों में सीवरेज डाल भूजल को कर रहे प्रदूषित

6 अभिमत
कोविड के कारण रोजगार क्षेत्र में अस्थिरता

9 देश/विदेश
आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया गया : मोदी

12 स्पोर्ट्स
भारतीय महिला टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप पर

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 5 अंक 140
फरीदाबाद, सोमवार, 27 जून, 2022
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

बागवानी कम जगह में भी की जा सकती है
पेज - 11

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 36.00°C
न्यूनतम 26.00°C

क्विक न्यूज

मूसेवाला का गाना बैन किया, यू-ट्यूब से भी हटाया

चंडीगढ़। केंद्र सरकार ने दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के दो दिन पहले रिलीज हुए एसवाईएल गाने को बैन कर दिया है। गाने को मूसेवाला के ऑफिशियल यू-ट्यूब चैनल से भी हटा दिया गया है। गाने में पंजाब और हरियाणा के बीच एसवाईएल (सतलज-यमुना लिंक) नहर के पानी को लेकर और बंदी सिखों के मुद दे पर लगातार विवाद हो रहा था। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने गाने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के इस गाने को महज 2 दिन में 2.7 करोड़ व्यूज मिल गए थे। गाना नंबर एक पर ट्रेंडिंग में था। गाने पर 3.3 करोड़ कमेंट भी आ चुके थे। सिद्धू की हत्या के 26 दिन बाद ट्रिब्यूट के तौर पर यह गाना रिलीज किया गया था।

हरियाणा में एनएचएम कर्मियों की हड़ताल आज से

चंडीगढ़। हरियाणा में वित्त विभाग द्वारा जारी पत्र के विरोध में एनएचएम कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया है। भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर अंबाला समेत कई जिलों में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कल से तीन दिन की सांकेतिक हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। रोहतक में हुई बैठक में 72 घंटे पहले सोमवार सुबह 11 बजे सभी जिलों के एसडीएम को ज्ञापन सौंप हड़ताल का अल्टीमेटम देने का निर्णय लिया है। इतना ही नहीं, कर्मचारियों ने मांग पूरी न होने तक आपातकालीन समेत सभी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से बंद रखने का ऐलान किया है।

अग्निपथ योजना के तहत 56,960 आवेदन प्राप्त हुए

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना को अग्निपथ भर्ती योजना के तहत रविवार तक 56960 आवेदन प्राप्त हुए। इस योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया इसके खिलाफ कई राज्यों में हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक हफ्ते बाद शुक्रवार को शुरू हुई थी। पंजीकरण पांच जुलाई को बंद हो जाएगा। चौदह जून को अग्निपथ योजना पेश करते हुए, सरकार ने कहा था कि साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को चार साल के कार्यकाल के लिए भर्ती किया जाएगा, जिनमें से 25 प्रतिशत को नियमित किया जाना है।

सत्ता की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट पहुंची, डिप्टी स्पीकर के नोटिस को चुनौती

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र का सियासी घमासान अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। 16 बागी विधायकों ने डिप्टी स्पीकर के नोटिस को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। विधायकों ने इस मामले में सोमवार को तत्काल सुनवाई की मांग की है। शनिवार को डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल ने 16 विधायकों को सदस्यता रद्द करने का नोटिस भेजा था। इस बीच, महाराष्ट्र का सियासी संकट दो बयानों के चलते और बढ़ गया है। पहला बयान संजय राउत का है, जिन्होंने कहा कि गुवाहाटी से सीधे 40 विधायकों के शव मुंबई आएंगे, जिन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए विधानसभा भेजेंगे। दूसरा बयान आदित्य ठाकरे का है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को लेकर खुलासा किया। बोले कि एकनाथ शिंदे को 20 मई को ही मुख्यमंत्री बनने का ऑफर उद्धव जी की ओर से दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसके बाद भी बगावत की। उधर, एकनाथ शिंदे ने एक वीडियो ट्वीट किया है। इसमें बागी विधायक भरतशेट गोगावले कह रहे हैं कि सीएम उद्धव ठाकरे ने 2.5 साल में शिवसेना के उन विधायकों के साथ कोई बैठक नहीं की जो 2019 का चुनाव हार गए थे। इसके उलट उप मुख्यमंत्री ने उन एनसीपी उम्मीदवारों को फंड दिया जो 2019 में विधानसभा चुनाव हार गए थे।

शिवसेना में उठे विद्रोह को रोकने के लिए उद्धव की पत्नी रश्मि ठाकरे ने भी मोर्चा थाम लिया है। सूत्रों के मुताबिक रश्मि ने बागी विधायकों की पत्नियों को मैसेज भेजा है और कहा है कि अपने अपने पति को मनाएं। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने महाराष्ट्र के डीजीपी और मुंबई पुलिस कमिश्नर को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में कहा है कि विधायकों को उचित सुरक्षा मुहैया कराई जाए। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को भी चिट्ठी लिखकर शिंदे गुट के विधायकों की सुरक्षा करने को कहा है। साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर और केंद्रीय सुरक्षा बल मुहैया कराया जाए।

एकनाथ शिंदे के पोस्टर से 10 दिन के भीतर बाल ठाकरे गायब हो गए हैं। 16 जून को सोशल मीडिया पर शिंदे ने एक पोस्टर शेयर किया था, जिसमें बाल ठाकरे, उद्धव और आदित्य नजर आ रहे हैं। वहीं रविवार को शिंदे ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें उद्धव और आदित्य के साथ बाल ठाकरे भी गायब हैं।

वायुसेना प्रमुख ने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में दी चौतरफा हमले की चेतावनी

'चीन-पाकिस्तान दो तरफा मोर्चा खोल सकते हैं, हम इमरजेंसी के लिए तैयार'

एजेंसी। नई दिल्ली

एक तरफ से पाकिस्तान और दूसरी तरफ से चीन, भारत की भौगोलिक स्थिति कुछ ऐसी है कि दोनों दुश्मन देश भारत के लिए खतरा बने हुए हैं। अब इस बात की तसदीक एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने भी कर दी है। उन्होंने चीन और पाकिस्तान की तरफ से एक-साथ हमले की आशंका जताते हुए कहा है कि भारत को पश्चिमी और उत्तरी बॉर्डर पर फैली अशांति और अस्थिरता को टू फ्रंट कंटिंजेंसी यानी दो-तरफा हमले की स्थिति के तौर पर देखना चाहिए और इसी के मुताबिक अपनी तैयारियां पूरी रखनी चाहिए।

एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि भारत पर चारों तरफ से हमला किया जा सकता है। मिलिट्री स्टैंड-ऑफ से लेकर खुफिया जानकारी के गलत इस्तेमाल और पावर सोर्सेज के हैक किए जाने तक कुछ भी हो सकता है। ऐसे में भारत के सुरक्षा सिस्टम और क्षमताओं को इन चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे ने भी उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर चीन और पाक की तरफ से एक-साथ हमले की चिंता जाहिर की थी, लेकिन यह पहली बार है जब किसी मौजूदा सेनाप्रमुख ने दो-तरफा युद्ध की आशंका जताते हुए डिटेल प्लान बनाने की बात कही है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से पूछा गया कि क्या यूक्रेन में रूसी हमले को देखकर चीन एलएसी के पास अपनी गतिविधियों में तेजी लाने के लिए प्रेरित हो सकता है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि सभी वैश्विक और जियोपॉलिटिकल इवेंट्स का भारत और चीन के संबंधों पर क्या असर पड़ सकता है, इसका सभी स्तरों पर सभी डोमेन में लगातार आकलन किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि एक देश के रूप में हमें अपने निकटतम और भविष्य के सभी खतरों का सटीक आकलन करने की जरूरत है, ताकि उनसे लड़ने के लिए जरूरी क्षमताओं को तैयार किया जा सके। दोनों देशों के बीच बॉर्डर को लेकर चल रहे विवाद के बावजूद चीन ने उत्तरी लद्दाख में बॉर्डर के पास अपने फायटर जेट्स तैनात कर रखे हैं, इस बारे में पूछने पर एयर चीफ मार्शल ने कहा कि भारतीय वायु सेना जब चाहे बहुत ही कम समय के अंदर विरोधी को मुंहतोड़ जवाब दे सकती है।

जियोपॉलिटल बदलावों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले किसी भी संघर्ष के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी एलिमेंट्स को एक होना पड़ेगा। हमें इसे ऑल ऑफ नेशन अप्रोच के तौर पर देखना होगा। उन्होंने कहा कि देश की सेना के ऑपरेशनल प्लान, उनकी क्षमताओं में इजाफा और ट्रेनिंग ऐसी होनी चाहिए, जिसमें किसी भी तरफ से आने वाले बड़े से बड़े खतरे से निपटने की तैयारी हो।

वाम दलों ने तीस्ता सीतलवाड़ की गिरफ्तारी का विरोध किया

एजेंसी। नई दिल्ली

वाम दलों ने गुजरात पुलिस द्वारा मुंबई में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की गिरफ्तारी का कड़ा विरोध किया और माकपा ने आरोप लगाया कि यह नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर घृणित कार्रवाई है। सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ को जालसाजी, आपराधिक साजिश और उनके साथ मारपीट किए जाने का झूठा आरोप लगाकर कानूनी कार्यवाही में बाधा डालने के एक नए मामले में मुंबई में हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते ने रविवार तड़के उन्हें अहमदाबाद अपराध शाखा को सौंप दिया।

सीतलवाड़ पर यह कारवाई उच्चतम न्यायालय द्वारा गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य को 2002 के गोधरा दंगा कांड में (एसआईटी) द्वारा दी गई क्लीन चिट को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करने के एक दिन बाद हुई है।

भ्रष्टाचार में पकड़े गए आईएएस पोपली का आरोप

विजिलेंस ने मेरे सामने बेटे को गोली मारी, मेरा भी कत्ल करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

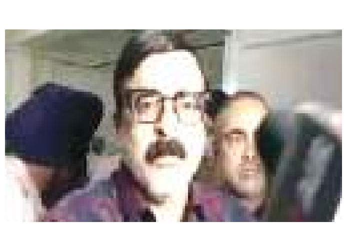

भ्रष्टाचार केस में फंसे पंजाब के सीनियर आईएएस अफसर संजय पोपली ने कहा कि उनके बेटे कार्तिक का मर्डर हुआ है। विजिलेंस ने उनके सामने ही बेटे को खड़ा कर गोली मारी। मैं इसका चश्मदीद हूं। अब यह मुझे भी कत्ल करने के लिए ले जा रहे हैं। पोपली को शनिवार देर रात अस्पताल ले जाया गया था, जहां मीडिया के सामने उन्होंने यह बात कही।

पोपली ने अपने बेटे की मौत के लिए विजिलेंस के अधिकारी अजय कुमार को जिम्मेदार ठहराया। इससे पहले उनकी पत्नी ने भी विजिलेंस पर हत्या का आरोप लगाया था। हालांकि, विजिलेंस ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा है कि उनकी टीम के पोपली के घर के लौटने के बाद बेटे की मौत हुई।

कार्तिक की मां पोपली ने भी शनिवार को बेटे की मौत के लिए विजिलेंस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को विजिलेंस घर की ऊपरी मंजिल पर ले गई थी। वहां उसे गोली मारी गई है। उन्होंने कहा कि जब तक उनके बेटे की मौत के जिम्मेदार पुलिस वालों की वर्दी नहीं उतरवा देती, तब तक खून लगे हाथ नहीं धोऊंगी।

विजिलेंस अधिकारी अजय कुमार ने कहा कि उनकी टीम ने रेड जरुर की थी, लेकिन कार्तिक पोपली की मौत से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वे तो घर के भीतर भी नहीं गए। संजय पोपली के कबूलनामे पर उनके घर से साढ़े 12 किलो सोना बरामद किया था। पोपली को विजिलेंस ने हरियाणा के करनाल के ठेकेदार से 7.30 करोड़ के सीवरेज प्रोजेक्ट में एक फीसद कमीशन लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

लोस-विस उपचुनाव : देश भर में मिलेजुले नतीजे आए सामने

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा की तीन और विधानसभा की 7 सीटों पर उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। यूपी के आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। आजमगढ़ में भोजपुरी सुपरस्टार और भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत हासिल की। उन्होंने सपा उम्मीदवार धर्मेंद्र यादव को 8679 वोटों से हराया। दूसरी तरफ रामपुर में भाजपा के घनश्याम लोधी ने सपा प्रत्याशी आसिम राजा को 42 हजार से भी अधिक वोटों से हरा दिया।

पंजाब के संगरूर में शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरनजीत सिंह मान ने 5822 वोटों से जीत दर्ज की है। आम आदमी पार्टी के गुरमेल सिंह दूसरे नंबर पर रहे, जबकि कांग्रेस के दलवीर गोल्डी तीसरे नंबर पर रहे। यहां पर अकाली दल और भाजपा के उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई है।

विधानसभा की भी सातों सीटों के नतीजे आ चुके हैं। इन सीटों पर 23 जून को वोटिंग हुई थी। इसमें दिल्ली की राजेंद्र नगर सीट पर आप ने जीत हासिल की है। वहीं, त्रिपुरा की 4 में से 3 सीटों पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। आंध्र प्रदेश की आत्मकुर सीट पर वाईएसआर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। झारखंड की मांडर सीट पर कांग्रेस जीती है।

भगवंत मान के मुख्यमंत्री बनने के बाद खाली हुई संगरूर लोकसभा सीट पर आप ने गुरमेल सिंह को, कांग्रेस ने दलवीर सिंह गोल्डी और भाजपा ने केवल ढिल्लो को मैदान में उतारा था। वहीं, अकाली दल (अमृतसर) ने सिमरनजीत सिंह मान को प्रत्याशी बनाया था, जिन्होंने जीत दर्ज की है।

दिल्ली की राजेंद्र नगर सीट आप के राघव चड्ढा के राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई इस सीट पर आप ने दुर्गेश पाठक, भाजपा ने पूर्व पार्षद राजेश भाटिया और कांग्रेस ने प्रेम लता को मैदान में उतारा था। इस सीट पर आप के दुर्गेश पाठक 11468 वोटों से जीते हैं।

त्रिपुरा में चार सीटों पर चुनाव : त्रिपुरा में अगरतला, बोरदोवाली टाउन और सूरमा से भाजपा विधायकों ने इस्तीफा दे दिया था, जबकि जुबाराजगर से माकपा विधायक का निधन हो गया था। बोरदोवाली टाउन सीट पर सीएम माणिक साहा ने कांग्रेस के आशीष कुमार साहा के खिलाफ जीत हासिल की है। माणिक ने 6104 वोटों से जीत दर्ज की है।

अगरतला सीट पर पूर्व विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की है। जुबाराजगर सीट पर भाजपा के मलिना देबनाथ ने जीत हासिल की है। वहीं, सूरमा सीट पर भाजपा के स्वप्न दास ने जीत हासिल की है।

रांची जिले की मांडर विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी शिल्पी नेहा तिर्की ने जीत हासिल कर ली है। वहीं भाजपा की गंगोत्री कुजूर दूसरे नंबर पर रहीं। आंध्र प्रदेश के आत्मकुर में कांग्रेस के विधायक मेकापति गौतम रेड्डी की मृत्यु के बाद खाली हुई सीट पर वाईएसआर कांग्रेस ने उनके भाई विक्रम रेड्डी को मैदान में उतारा है। इस सीट पर वाईएसआर कांग्रेस ने 82,888 वोटों से जीत हासिल की है। वहीं, भाजपा के जी भरत कुमार यादव दूसरे नंबर पर रहे।

आईटी एक्ट की विसंगति के कारण नहीं सुलझ रहे साइबर अपराध

महीने में हजार से ज्यादा शिकायतें, तीन इंस्पेक्टर कैसे सुलझाएं इतने केस

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़/फरीदाबाद/नई दिल्ली

पायनियर एक्सक्लूसिव

सावधान रहिए! साइबर ठग अब आपको कॉल करके यह कह सकते हैं, 'मैं इलेक्ट्रिसिटी ऑफिसर बोल रहा हूं, केवाईसी के अभाव में आपका कनेक्शन आज रात बंद हो जाएगा। इसीलिए आप इसे अपडेट कर लीजिए।' कॉल करने वाले के झांसे में आकर जैसे ही आप उसके दिशानिर्देशों का पालन करेंगे, वैसे ही आपके बैंक खातों से रकम उड़ना शुरू हो जाएगी और आप आंसू बहाते रह जाएंगे। हम आपको बताने जा रहे हैं कि दिल्ली एनसीआर में साइबर ठगी का तरीका किस तरह बदला है, इनका कारोबार कितना बड़ा है। पुलिस इनके आगे क्यों पंगु है। आप साइबर अपराध से खुद को कैसे बचा सकते हैं। दिल्ली एनसीआर में पश्चिम बंगाल, झारखंड, राजस्थान, मेवात के ऐसे दर्जनों गिरोह हैं, जो साइबर अटैक के जरिये रोजाना हजारों लोगों को उल्लू बना रहे हैं। इनका मकसद किसी भी तरह व्यक्ति के बैंक खातों की जानकारी लेना और उसमें मौजूद रकम को अलग-अलग गेटवे के जरिये अपने खाते तक लेकर जाना होता है। इस गिरोह ने हिंदुस्तान के सभी आर्थिक नगरों (महानगर) में अपने अड्डे बना रखे हैं लेकिन सबसे बड़े अड्डे दिल्ली और मुंबई है। दिल्ली वाले अड्डों से कई साइबर ठग गिरोह दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा में रह रहे लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। अकेले दिल्ली एनसीआर में इस गिरोह की ठगी का सालाना कारोबार 500 करोड़ रुपये के आसपास है। इन ठगों के गिरफ्तार होने का औसत पांच फीसद से भी कम है।

दिल्ली-एनसीआर में साइबर ठगों का सालाना कारोबार करीब 500 करोड़ रुपये

अकेले फरीदाबाद में हर महीने 1000 से ज्यादा शिकायतें

औद्योगिक नगरी फरीदाबाद अब मेडिकल और इंस्टीट्यूशनल हब भी है। साइबर सेल रिकॉर्ड के अनुसार फरीदाबाद में हर महीने एक हजार से अधिक शिकायतें आ रही है। इनकी किस्में अलग हैं। ब्लैकमेलिंग, लोन ऐप, कंज्यूमर कस्टमरकेयर, मेटरीमोनियल साइट्स और फ्रेंडशिप क्लब के जरिए लोग ठगे जा रहे हैं। साइबर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि साइबर टीम इनमें से महज पांच फीसद शिकायत सुलझा पाती है, बाकि अनट्रेस रह जाती है। इसके पीछे कई कारण है, जिनमें सबसे बड़ा कारण आईटी कानून की विसंगति है। दिल्ली एनसीआर में हर महीने करीब 5000 से ज्यादा शिकायतें पुलिस तक पहुंच रही हैं।

सबसे ज्यादा ठगी लोन एप के जरिये

लगभग हर दूसरे व्यक्ति को लोन की रिक्वायरमेंट रहती है। ऐसे में सबसे ज्यादा ठगी के मामले लोन एप के जरिये हो रहे हैं। गूगल प्ले स्टोर पर कई लोन एप ऐसे हैं, जिन्हें डाउनलोड करने के बाद उपभोक्ता को साइबर ठग अपने चंगुल में फंसाते हैं। साइबर एक्सपर्ट ने बताया कि लोन एप पर एप्लीकेशन शेयर करने वाले का लोन स्वीकृत करके उसके खाते में पहले तीन से पांच हजार रुपये डालते हैं। इसके बाद उसके अच्छे सिबिल स्कोर का हवाला देकर बड़ा लोन देने का ऑफर दिया जाता है। इस दौरान ठग झांसे में आए व्यक्ति से प्रोसेसिंग फीस के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लेते हैं।

एजेंसी दिलाने के नाम पर ठगी

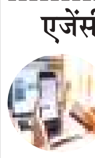

साइबर एक्सपर्ट ने बताया कि इन दिनों कई वेबसाइट ऐसी हैं, जिन पर विभिन्न कंपनियों की एजेंसी दिलाने के विज्ञापन चल रहे होते हैं। इनमें प्रमुख रूप से सीमेंट एजेंसी, हैफेड एजेंसी दिलाने का झांसा दिया जाता है। इसका प्रोसेस कराते समय ठग उपभोक्ता का फोन अपने कंट्रोल में करते हैं, फिर उसके खाते से रकम निकाल लेते हैं। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अपने खातों में रकम जमा करवाते हैं।

वीडियो कॉल के जरिए ब्लैकमेलिंग

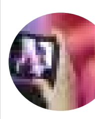

एक लिमिटेड कंपनी के एकाउंट अधिकारी के पास दो दिन पहले वीडियो कॉल पहुंचा, जिसमें सामने वाले फोन की स्क्रीन पर एक नग्न युवती थी। अधिकारी ने उससे करीब एक मिनट बात की, कुछ देर बाद उसके व्हाट्सएप पर पूरी रिकॉर्डिंग भेज दी गई और उससे एक लाख रुपये मांगे। जब अधिकारी ने मना किया तो वही रिकॉर्डिंग अधिकारी के सभी दोस्तों, परिवार के नंबरों पर भेज दी गई। इस तरह ठगी का शिकार लोग शर्म की वजह से पुलिस तक नहीं पहुंचते, किसी को बताते भी नहीं।

फोन का एक्सेस लेकर करते हैं ठगी

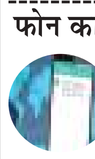

दरअसल, ठग आपको विभिन्न तरह की ऑनलाइन सेवाएं देने का लालच देकर एनी डेस्क, टीम व्यूवर, क्यूक रिस्पांस जैसे एप डाउनलोड कराते हैं। ये लोग बैंक कस्टमर केयर अधिकारी बन जाते हैं, इलेक्ट्रिसिटी अधिकारी बन जाते हैं, एजेंसी और लोन दिलाने वाले साइट डवलपर हैं। ये विभिन्न ऐप्स के जरिये आपके फोन का कंट्रोल अपने हाथ में लेते हैं। इसके बाद वे जो चाहते है, वही करते हैं। आपके कांटेक्ट्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, बैंक एकाउंट, ट्वीटर एकाउंट का इस्तेमाल ठग शुरू कर देता है। इसीलिए ऑनलाइन सेवाओं के लालच में न आएं और जागरुक रहें।

आईटी कानून की विसंगति

आईटी एक्ट में जांच अधिकारी की शक्तियों को लेकर एक संशोधन हुआ था, जो कि वर्ष 2012 में किया गया। 2012 से पहले आईटी एक्ट में जांच अधिकारी की रैंक डीएसपी लिखी थी। 2012 में जो संशोधन हुआ, उसके तहत आईटी एक्ट में दर्ज मामले की जांच इंस्पेक्टर रैंक तक के अधिकारी को सौंप दी गई। अब समस्या आड़े आ रही है कि इतने सारे इंस्पेक्टर कहां से लाए जाएं, जो साइबर अपराधों को दर्ज करें, फिर उसका अनुसंधान करें। साइबर अपराध की जांच बड़ी लंबी होती है, कई जगहों से डाटा लेना, उनका अवलोकन करना, फिर अपराधी तक पहुंचना, यह जांच प्रक्रिया की बड़ी चेन बन जाती है। ऐसे में कोई भी इंस्पेक्टर अपने पास एक या दो शिकायत ही जांच के लिए रखता है, बाकियों को दर्ज करने से इंकार कर रहा है। साइबर अपराधों के दर्ज होने का औसत इसीलिए न के बराबर है। साइबर ठग इसका फायदा उठा रहे हैं। पुलिस के बड़े अधिकारियों का मानना है कि आईटी एक्ट में संशोधन होना चाहिए और इसकी जांच की शक्ति एएसआई रैंक तक होनी चाहिए, ताकि अपराध को दर्ज करने और उसके निस्तारण में तेजी आ सके।

फरीदाबाद में साइबर थानों के तीन जोन बने

साइबर अपराध की संख्या बढ़ते देख डीजीपी पीके अग्रवाल के आदेश पर फरीदाबाद में एनआईटी, बल्लभगढ़ और एनआईटी जोन में तीन थाने स्थापित कर दिए हैं। एनआईटी जोन का थाना ओल्ड फरीदाबाद बाराही तालाब वाला है। बल्लभगढ़ जोन का साइबर थाना सेक्टर-सात थाने में बना है। सेंट्रल जोन का साइबर थाना सेक्टर-17 थाने में बना है। आईटी एक्ट के तहत इन थानों पर इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी नियुक्त किया है, लेकिन दिक्कत यही कि इंस्पेक्टर आखिर कितनी शिकायतों को दर्ज करके उनकी जांच करेगा। निचले स्तर के कर्मचारी सिर्फ जांच में सपोर्ट कर सकते हैं, बाकि सभी औपचारिकताएं, जैसे एफआईआर दर्ज करना, उसकी जांच करना, अपराधियों की गिरफ्तारी डालना, गवाहों की सूची बनाना, चार्जशीट दाखिल करना, गवाही देना, सब काम इंस्पेक्टर को ही करने हैं, इसीलिए इंस्पेक्टर साइबर थानों में ही नहीं लगना चाहते।

साइबर ठगों से बचने के लिए बरतें ये सावधानियां

- अंजान वीडियो कॉल को न उठाएं, ऐसा करने पर आप ब्लैकमेलिंग का शिकार हो सकते हैं।
- मेटरिमोनियल साइट पर संदिग्ध प्रोफाइल की जांच करें, ये नाइजीरियन गिरोह का ट्रैप हो सकता है।
- अपना पासवर्ड, यूनिक आईडी नंबर और ओटीपी को किसी के साथ शेयर न करें।
- किसी भी वेबसाइट पर परोसी रही जानकारी पर बिना जांच परख के भरोसा न करें।
- लोन ऐप, कस्टमरकेयर अधिकारी, इलेक्ट्रिसिटी ऑफिसर के झांसे में न आएं।
- बैंक से संबंधित काम के लिए बैंक की अधिकृत एप्लीकेशन यूज करें, अन्यथा सीधे बैंक जाएं।

"**यह** बात सच है कि साइबर अपराध बढ़ा है। पुलिस बेहतर काम करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने तरीका निकाला है कि हम लोगों को जागरूक करें। थाना स्तर पर अधिक से अधिक इवेंट कराकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वे खुद साइबर अटैक से कैसे बच सकते हैं। हमने आईटी एक्ट में संशोधन की मांग की है, ताकि इसकी जांच का विस्तार हो सके। मैं दोहराऊंगा कि लोगों को ठगों के चंगुल से बचने के लिए पूरी तरह जागरुक होना पड़ेगा। एनजीओ, सामाजिक, धार्मिक, श्रमिक संगठनों को जागरूकता कैंप लगाकर साइबर ठगी से बचने के लिए सभी को जागरूक करना चाहिए। जागरूकता कैंप में महत्वपूर्ण जानकारियां देने के लिए हमारे थानों की टीम हमेशा तैयार रहती है।"

– पीके अग्रवाल, डीजीपी हरियाणा

शहर का तापमान
- अधिकतम 35.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 27.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज
- सेक्टर-12 लघु सचिवालय में अग्निपथ योजना एवं व्यापक बेरोजगारी के खिलाफ सत्याग्रह : सुबह 10 बजे।
- एनएचएम कर्मचारियों को दिये गये सेवा नियम को वापिस लेने के विरोध में हड़ताल: सुबह 11 बजे ।
- बीके अस्पताल की ओपीड़ी शुरू: सुबह 8 बजे।
- सघन दंत मुख माह के तहत विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों में जांच : सुबह 9 बजे।
- शहर में जगह-जगह वैक्सीनेशन: सुबह 9 बजे।

नहरों और नालों में सीवरेज डाल भूजल को कर रहे प्रदूषित

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आदेशों के बावजूद माफिया नहरों में खाली कर रहे टैंकर

राजेश दास। फरीदाबाद

जिले में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण खासकर जल प्रदूषण को लेकर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काफी गंभीर है। पिछले दिनों बोर्ड के चेयरमैन पी राघवेंद्र राव ने सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक में जल प्रदूषण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने के आदेश दिये हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन इस तरफ ठोस कदम उठाने को तैयार नहीं है। नगर निगम की लापरवाही से कई बार प्रदूषण के मामले में नंबर एक का खिताब शहर को मिल चुका है। शहर की आबोहवा तो पहले ही खराब है। रही सही कसर शहर में कूड़े के ढेर पूरी कर रहे हैं। भूजल के मामले में जिला पहले ही डार्क जोन में शामिल हो चुका है।

अब निगम की गलतियों की वजह से लगातार भूजल भी जहरीला होता जा रहा है। शहर के ज्यादातर एसटीपी प्लांट बंद होने की वजह से सीवर का गंदा पानी आगरा और गुरूग्राम नहर में बिना साफ किये रोज बहाया जा रहा है। वहीं शहर के अंदरूनी हिस्सों में गुजरने वाली गौंछी ड्रेन में सीवर के गंदे पानी के टैंकरों को रोज खाली किया जा रहा है। साथ नालियों के गंदे पानी को भी बिना साफ किए इसमें डाला जा रहा है। यदि यहीं स्थिति रही तो एक दिन जिले की हालत बंधवाड़ी और उसके आसपास के गांवों की तरह हो जाएगी।

गौंछी ड्रेन में सीवर का टैंकर खाली करता ट्रैक्टर चालक।

ग्रेटर फरीदाबाद में सीवर के पानी का बना एक तालाब।

खराब है ज्यादातर एसटीपी

शहर में प्रदूषण फैलाने और भूजल को जहरीला बनाने में सबसे ज्यादा नगर निगम अहम भूमिका निभा रहा है। नगर निगम द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए ज्यादातर एसटीपी प्लांट बंद पड़े हुए हैं। गांव बादशाहपुर स्थित एसटीपी का ठेका पूरा होने के बाद ठेकेदार उसे बंद हालत में छोड़कर चला गया था। जबकि नियमों के मुताबिक ठेका खत्म होने पर ठेकेदार द्वारा चालू हालत में निगम के हैंडओवर किया जाता है। वैसे भी इस ठेकेदार द्वारा गंदे पानी को ट्रिट किए बिना ही निगम से करोड़ों रुपये का भुगतान लिया जा रहा था। जिसके कारण ठेकेदार पर 90 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। शहर के अन्य एसटीपी रख रखाव के अभाव में कंडम हालत में पड़े हुए हैं। ऐसे में फिलहाल नगर निगम के पास सीवर और नालियों के गंदे पानी को साफ करने की कोई व्यवस्था मौजूद नहीं हैं। जिसके कारण गंदे पानी को सीधा नहरों और गौंछी ड्रेन में डाला जा रहा है। ऐसे में नहरों में गंदा और बदबूदार पानी बह रहा है। यह गंदा पानी लगातार भूजल को भी जहरीला बना रहा है।

केंद्र सरकार की योजना को पलीता

सेक्टर 56 में गड्ढों में भरा सीवर का गंदा पानी।

केंद्र सरकार नदी, नहरों और नालों को साफ करने की योजनाएं बना रही है। वहीं निगम अधिकारी योजनाओं को पलीता लगा रहे हैं। बल्कि धन का दुरुपयोग भी कर रहे हैं। सरकार ने जेएनएनआरयूएम परियोजना के तहत गंदे पानी को साफ कर नहर और नालों में डालने के लिए एसटीपी प्लांट लगाए थे। इन प्लांटों का संचालन निगम ने ठेकेदारों को सौंप था। लेकिन रखरखाव के अभाव में निगम के ज्यादातर एसटीपी प्लांट कंडम हो चुके हैं। अब शहर में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत गंदा पानी साफ करने के लिए करोड़ों रुपये से एसटीपी प्लांट लगाने की योजना बनाई गई है। शहर में कार्यरत एसटीपी से कई बार पानी के सैम्पल लिए गए हैं। जो जांच में हर बार फेल साबित होते रहे हैं। इस लापरवाही को देखते हुए एनजीटी कई बार सख्त रवैया भी अपना चुका है। लेकिन नगर निगम की तरफ से फिर भी इस ओर ध्यान ही नहीं दिया जाता। अब एसटीपी बंद होने से शहर के सीवर लाइनों की सफाई करने वाले ठेकेदार भी अपने टैंकरों को पहाड़, नहर और गौंछी ड्रेन में खाली कर रहे हैं।

सरेआम पर्यावरण से छेड़छाड़

ग्रेटर फरीदाबाद की सोसायटियों से बंद पड़े बादशाहपुर एसटीपी तक जाने वाली पाइप लाइनों को साजिश के तहत ब्लॉक करवा दिया जाता है। ऐसे में पानी सोसायटी से बाहर नहीं निकल पाता। जिसका पूरा फायदा ग्रेटर फरीदाबाद में सक्रिय सेफ्टी टैंकर माफियाओं को मिल रहा है। हर सोसायटी से हर रोज दर्जनों की संख्या में सीवर के पानी से भरे टैंकर निकलते हैं। इसके बदले में सोसायटी वासियों को हर महीने करीब डेढ़ करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ रहा है। लेकिन यह टैंकर माफिया इसे किसी एसटीपी प्लांट में नहीं पहुंचाते। यह लोग लंबे समय से ग्रेटर फरीदाबाद में बने करीब दर्जनभर बड़े बड़े गड्ढों को सीवर के पानी का तालाब बना चुके हैं। वहीं काफी संख्या में टैंकर चालक सीवर के गंदे पानी को आगरा और गुरूग्राम नहर में सरेआम बहा रहे हैं। जिससे पर्यावरण को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। वहीं सोसायटी वासियों द्वारा समस्याओं को लेकर अधिकारियों से लगातार शिकायत की जा रही है।

पर्यावरण को हो रहा नुकसान

भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय तिवारी का कहना है कि एसटीपी प्लांट बंद होने से शहर में सीवर ओवरफ्लो की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। शहर की सड़कों पर सीवर का गंदा पानी लगातार बहने से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है। इसी वजह से शहर में विभिन्न तरह का प्रदूषण बढ़ता जा रहा है और स्थिति भी लगातार बिगड़ती जा रही है।

निवेश गुरु

हर परिवार को बेटी के विवाह के साथ उसकी शिक्षा की भी चिंता होती है। ऐसे में सही समय और सही जगह निवेश कर भविष्य में होने वाले खर्च की राशि आसानी से जुटाई जा सकती है। ऐसे में आपको ऐसे स्थान पर निवेश करना चाहिए जो सुरक्षित तो हो ही, ब्याज भी ज्यादा मिले। साथ ही आयकर की छूट भी मिल जाए। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट्स में आप निवेश कर सकते हैं। 5 वर्ष के निवेश पर ब्याज दर 6.7 फीसद है।

यूटीलिटी न्यूज

एमएसएमई विवाद का ऑनलाइन समाधान

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने बताया कि एमएसएमई योजना के तहत अपने विवादों का समाधान करवाना आसान हो गया है। समाधान के लिए अब उद्यमी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में इसके लिए एमएसएमई पोर्टल की शुरुआत की गई है। डीसी ने इस योजना के बारे में बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से एमएसएमई योजना के तहत भुगतान संबंधित मुद्दों के विवाद का शीघ्र निवारण करने के लिए नई पहल की गई है। योजना में हरियाणा सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद द्वारा मध्यस्थता की जाती है। उद्यमी एमएसएमई पोर्टल पर दावा दर्ज करवाकर भुगतान संबंधित मुद्दों के विवाद का शीघ्र व समयबद्ध समाधान करवा सकते हैं। आवेदन https://samadhaan.msme.gov.in/ पोर्टल पर करें।

क्विक न्यूज

बेस्ट युवा पुरस्कार के लिए करें आवेदन : डीसी

फरीदाबाद। डीसी जितेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले युवाओं तथा युवा संगठनों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये आवेदन आगामी पांच अगस्त तक जिला खेल अधिकारी के कार्यालय में जमा करवाए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि सामाजिक, खेल, पर्यावरण, सांस्कृतिक गतिविधियां, विज्ञान सहित किसी रचनात्मक क्षेत्र में काम कर रहे युवा व युवा संगठन इन पुरस्कारों के लिए अपना आवेदन दे सकते हैं। जिला खेल युवा कार्यक्रम अधिकारी अनिता भाटिया ने बताया कि युवा पुरस्कार जिला स्तर और प्रदेश स्तर पर दिए जाएंगे। इतना ही नहीं एक युवा के लिए व्यक्तिगत उपलब्धियां पिछले एक साल की और संगठनात्मक श्रेणी में युवा संगठन की विगत तीन साल की गतिविधियों को आधार माना जाएगा।

नशा निषेध दिवस पर निकाली साइकिल जागरुकता रैली

एकॉर्ड अस्पताल और पुलिस के सहयोग से ग्रेटर फरीदाबाद में साइकिल रैली का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विश्व नशा निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित जागरुक रैली को झंडी दिखा कर रवाना करते डीसीपी बल्लभगढ़ कुशल सिंह और डा. प्रबल राय।

ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड अस्पताल और पुलिस प्रशासन की तरफ से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ युवाओं और बच्चों को जागरूक करने के लिए क्षेत्र में जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। डीसीपी बल्लभगढ़ कुशल सिंह, अस्पताल चेयरमैन डॉ. प्रबल रॉय ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली का शुभारंभ किया। जिसमें बच्चे बड़े सभी ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

डॉ. प्रबल रॉय ने बताया कि 26 जून को नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। इसी मद्देनजर एकॉर्ड सुपरस्पेशलिटी अस्पताल एवं फरीदाबाद पुलिस की तरफ से नशीली दवाओं के सेवन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अस्पताल न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट चेयरमैन डॉ. रोहित गुप्ता ने कहा कि शराब और सिगरेट के अत्यधिक सेवन से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए नशे से दूर रहे। नियमित व्यायाम करें। ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट के चेयरमैन डॉ. युवराज कुमार ने खिलाड़ियों को नशे से बचने के टिप्स दिये।

डीसीपी बल्लभगढ़ कुशल सिंह ने कहा कि इसी उद्देश्य से रविवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर साइकिल रैली निकाली गई। इस साइकिल रैली में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चे भी भारी संख्या में इसमें शामिल हुए। इसके साथ ही स्थानीय लोगों ने भी हिस्सा लिया, जो शहर के मुख्य चौक-चोराहों से होते हुए अस्पताल परिसर में सम्पन्न हुई। रैली में लोगों को जागरूक करते हुए एसीपी बल्लभगढ़ एवं ड्रग फ्री फरीदाबाद कैंपिंग के नोडल अधिकारी मुनीश सहगल ने कहा कि रैली का मकसद लोगों को नशा और नशीली दवाओं के कारोबार के प्रति जागरूक करना है।

विजय यादव अकादमी ने तीन विकेट से जीता मैच

मैच विजय क्रिकेट अकादमी और दिल्ली हब के बीच हुआ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आल इंडिया रविन्द्र फागना क्रिकेट अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट में मैन आफ द मैच का पुरस्कार लोकेश बेनीवाल को दिया।

छठें ऑल इंडिया रविंद्र फागना क्रिकेट अंडर-17 क्रिकेट टूर्नामेंट का मैच रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ग्राउंड मैं खेला गया। यह मैच विजय यादव क्रिकेट अकादमी और दिल्ली क्रिकेट हब के बीच खेला गया। इस मैच में विजय यादव क्रिकेट अकादमी ने दिल्ली क्रिकेट हब को 3 विकेट से हराया।

इस मौके पर बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया की यह मैच 40-40 ओवर का था और दिल्ली क्रिकेट हब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। दिल्ली क्रिकेट हब टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 40 ओवर में 8 विकेट पर 295 रन बनाए टीम की और बल्लेबाजी करते हुए कार्तिये राणा ने 179 रन, हिमांशु ने 49 रन, आर्याव ने 32 रन बनाए। विजय यादव क्रिकेट अकादमी की और से गेंदबाजी करते हुए यश वैष्णव ने 5 विकेट, पीयूष ने 2 विकेट, तारीफ ने एक विकेट ली।

इस लक्ष्य का पीछा करते हुए विजय यादव क्रिकेट अकादमी ने 39.2 ओवर में 7 विकेट पर 301 रन बनाकर जीत हासिल की। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए लोकेश बैनीवाल ने 109 रन, शिवांश ने 101 रन, राजवीर ने 28 रन, आर्यन ने 21 रन बनाए।

दिल्ली क्रिकेट हब टीम की ओर से गेंदबाजी करते हुए कार्तिकेय ने 4 विकेट, स्वारीन और सैशंस ने 1-1 ने विकेट ली। इस मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार लोकेश बैनीवाल को दिया गया।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

आयोजित शिविर में 38 रक्त दाताओं ने रक्त दान किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नीलम बाटा रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र में आयोजित शिविर में रक्तदान करते समाज सेवी।

रविवार प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हरियाणा, फाउंडेशन अगेंस्ट थैलासीमिया, उजाला मित्रा ग्रुप और ब्रह्माकुमारीज एनआईटी फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में नीलम बाटा रोड रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर आयोजित किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 38 रक्तदाताओं ने रक्त दान किया।

इस जांच शिविर में 105 लोगों ने आंखों की जांच कराई और 55 लोगों ने कानों की जांच कराई। इसके साथ 110 लोगों ने बीपी, शुगर, सीबीसी की जांच कराई। कार्यक्रम में डॉक्टर विनय गुप्ता ,चीफ मेडिकल ऑफिसर, बीके हॉस्पिटल, फरीदाबाद ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उसके साथ ही आईएमए के हरियाणा प्रेजिडेंट डा पुनिजा हसीजा, आईएम्ए हरियाणा की ट्रेसरर डा भारती शर्मा, आईएमए हरियाणा के पैट्रन डॉ सुरेश अरोड़ा, डा राजीव गुम्बर, डा आशीष गुम्बर, समाज सेवी अजय नाथ, पूर्व मेयर सुमन बाला, रोटेरियन मनुज मदान सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में रवि नागपाल (प्रधान), राजेश भाटिया (प्रधान 3 सी), लोचन भाटिया, दर्शन भाटिया (रेडक्रॉस), प्रमोद भाटिया, दीपक मनोचा, दिलीप भाटिया, जेके भाटिया, ज्योति आदि मौजूद थे।

हवन के साथ हुआ योग शिविर का समापन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

योग शिविर के समापन पर हवन करते बीजेपी नेता टिपरचंद, योग शिक्षक और साधक।

सेक्टर 22-23 दीनदयाल उपाध्याय पार्क में पतंजलि योग समिति फरीदाबाद के तत्वावधान में आयोजित नौ दिवसीय योग शिविर का समापन टीपर चंद शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारा ज्योत प्रज्वलित करने के साथ किया गया। इस शिविर को सफल बनाने में सतीश वधवा जिला प्रभारी, त्रिलोक गुलियानी तहसील प्रभारी, हरि दर्शन सह जिला प्रभारी एव उमा नागपाल, नीलू शुक्ला योग शिक्षक पतंजलि योग समिति फरीदाबाद की विशेष भूमिका रही।

वहीं वंदना गुप्ता द्वारा यज्ञ का आयोजन करवाया गया। शिविर का आयोजन ज्ञानेंद्र भारद्वाज जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा किया गया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर 22 व 23 स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में नौ दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिपर चंद शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। बता दें कि 'करें योग-रहें निरोग नारे' को सफल बनाने के लिए यह शिविर ज्ञानेंद्र भारद्वाज और उनकी पत्नी संगीता भारद्वाज द्वारा आयोजित किया गया। इस योग शिविर में योग शिक्षकों ने सेक्टर वासियों को योग कराया। रविवार को समापन अवसर पर यज्ञ हवन के साथ योग शिविर का समापन किया गया। इस अवसर पर सतीश वधवा, त्रिलोक गुलियानी, हरि दर्शन, वंदना, दिनेश गुप्ता, अनुराग गर्ग, ज्ञानेंद्र भारद्वाज, संगीता भारद्वाज सहित सेक्टर 22 और 23 के सैंकड़ों लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिए। सुबह जितना भी समय मिले, उसमें योग करना चाहिए।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट बल्लभगढ़ 9811477204
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

बहुत कुछ पास है खलने लगी है कुछ कमी लेकिन
कहाँ महसूस करता है कोई भी आदमी लेकिन
किसे फुरसत कि अपनों से मिले सिमटा है अपनों तक
बढ़ा है क्रेज़ सेल्फी का हुई गुम ज़िंदगी लेकिन

यूपीएससी चयनितों समारोहपूर्वक सम्मातिन किया

लोगों ने चारों बच्चों को स्मृति चिन्ह, बुके व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

यूपीएससी में चयनित प्रत्याशी महक जैन, तरुण गोयल,अर्चिता मित्तल व आशिमा गोयल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते अग्रवाल वैश्य समाज के सदस्य।

अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद द्वारा यूपीएससी में चयनित प्रत्याशी महक जैन, तरुण गोयल, अर्चिता मित्तल व आशिमा गोयल का सम्मान समारोह आज वाईएमसीए मेट्रो स्टेशन के समीप होटल ग्रॉड हाईवे में किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक नरेन्द्र गुप्ता व पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने अग्रवाल समाज के चारों बच्चों को स्मृति चिन्ह, बुक्के व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने की। जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रदेश संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल ने किया। उपस्थित अग्रवाल वैश्य समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने समाज के सर्व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें।

अग्रवाल समाज व्यापार में हमेशा सर्वोपरि रहा है, लेकिन इस बार यूपीएससी जैसी परीक्षा में भी फरीदाबाद जिले में समाज के चार बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके लिए पूरा समाज बधाई का पात्र है और अग्रवाल वैश्य समाज ने जो सम्मान समारोह किया है।

इससे आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। प्रदेश के पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल का कहना है कि फरीदाबाद के चार बच्चों ने न सिर्फ अग्रवाल समाज बल्कि छत्तीस बिरादरी के मान-सम्मान को बढ़ाया है। अग्रवाल वैश्य समाज ने भी खुले मन से सभी बच्चों को सम्मानित करके उनका हौंसला अफजाई किया है। आने वाले समय में अपनी जिम्मेदारियों का कुछ इस तरह से निर्वहन करें की पूरा राष्ट्र आप पर गर्व करें।

इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, प्रदेश संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल, लोकसभा अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, पलवल जिलाध्यक्ष यशपाल गोयल, नरेन्द्र जैन, बिशनचंद बंसल, कैलाश गर्ग, सुनील गोयल, रमेश कृष्ण जिन्दल, योगेश सिंगला, योगेश गुप्ता, सुनील मंगला, धीरज गोयल, कपिल सिंगला, राजेन्द्र अग्रवाल, सुनीता बंसल, अर्चना गोयल, रीना अग्रवाल, अनम, गुलशन बंसल, अतुल सिंगला, जे.पी. अग्रवाल, अमरचंद मंगला, प्रदीप गुप्ता, विनोद अग्रवाल सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

रजत पदक विजेता सतपाल फौजी सम्मानित

जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड़ ने दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रजत पदक विजेता सतपाल फौजी के साथ कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड़।

जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि भवाना गांव के सतपाल फौजी ने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के द्वारा आयोजित की गई।

पहली नेशनल ओपन मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 16 जून से 19 जून तक वडोदरा (गुजरात) में 45 प्लस आयुवर्ग में 5000 मीटर दौड में रजत पदक विजेता बनकर जिले व राज्य का नाम रौशन किया। सत्यवीर धनखड ने बताया कि भवाना निवासी सतपाल फौजी ने अपने युवा जीवन में खेल को महत्व दिया और खेल प्रदर्शन से ही भारतीय सेना में नियुक्ति पाई। 2015 में सेना से सेवानिवृत्ति मिलने पर गाँव और आस पास के गाँव के युवाओं को एथलेटिक्स खेल में जागरुक कर प्रशिक्षण देकर राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेल खिलाने का कार्य कर रहे हैं। सत्यवीर धनखड ने रजत पदक विजेता सतपाल फौजी के निवास स्थान पर जाकर पदक जीतने की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की।

पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 27 जून, 2022

नरकीय की जिंदगी जी रहे फ्रेंड्स कालोनी के निवासी

कविता। फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद स्थित फ्रेंडस कालोनी के निवासी नगर निगम की लापरवाही के कारण नरकीय जिंदगी जीने को मजबूर हो रहे हैं। कालोनी के घरों में पेयजल की जगह पिछले एक हफ्ते से सीवरेज का पानी आ रहा है।

वहां के निवासियों ने बताया कि वे इलाके पार्षद, विधायक और संबंधित अधिकारियों से इस बारे में शिकायत कर चुके हैं। लेकिन कोई उनकी परेशानी का समाधान करने को तैयार नहीं है। जिसके कारण वह टैंकर से दो सौ रुपये अधिक देकर पानी खरीदने को मजबूर हो रहे हैं।

वहीं घरों में होने वाली पेयजल सप्लाई में सीवरेज युक्त पानी आ रहा है। साथ कालोनी की गलियों में सीवरेज ओवर फ्लो हो रहा है। मैनहॉल पर ढक्कन न होने के कारण यहां हमेशा हादसों का खतरा बना रहता है। सीवरेज के खुले मैनहॉल और जाम सीवरेज लाइनों के कारण किसी भी दिन यहां कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

जानकारी के मुताबिक फ्रेंड्स कालोनी में रहने वाले लोगों को पिछले करीब दस दिनों से नगर निगम की लापरवाही का खामियाजा

घरों में पेयजल की जगह पिछले एक हफ्ते से आ रहा है सीवरेज का पानी

भुगतना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि पेयजल सप्लाई की जगह सीवरेजयुक्त पानी घरों में आ है। शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने बताया कि यह पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी ऐसा कई बार हो चुका है। वहीं उनका कहना है पानी सप्लाई का कोई समय नहीं है। लोग दिन-रात मोटर चालू-बंद करते रहते है। लेकिन पानी न तो दिन में आ रहा है और न ही रात को। यदि आता भी है तो वह भी गंदा और बदबूदार होता है। जिसे किसी भी काम में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

800 रुपये का पानी का टैंकर : कालोनी वासियों ने बताया एक टैंकर की कीमत 600 रुपये है। लेकिन बढ़ती गर्मी के कारण यह 600 रुपये वाला पानी का टैंकर 800 रुपये में खरीदना पड़ रहा है। वहीं पानी के टैंकर मंगवाने के लिए भी उन्हें ऑर्डर देने के बाद 6 से आठ घंटे का लम्बा इंतजार करना पड़ता है।

फ्रेंड्स कालोनी में सीवरेज ओवरफ्लो, खुले मैनहॉल के ढक्कन और सप्लाई का गंदा पानी।

कालोनीवासियों ने बताया कि गलियों में नालियां और सीवरेज बुरी तरह से जाम है। जिसके कारण गंदा पानी पेयजल सप्लाई की लाइनों के जरिये लोगों के घरों तक पहुंच रहा है।

स्वास्थ्य कर्मियों की आज से शुरू होगी तीन दिवसीय हड़ताल

एनएचएम कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से स्वास्थ्य सेवाएं हो सकती हैं प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ ने सरकार द्वारा 2018 में एनएचएम कर्मचारियों को दिये सेवा नियम को वापस लेने के विरोध में एवं सातवां वेतन सहित अन्य लंबित पडी माँगों को पूरा करवाने के लिये 27 जून 2022 से तीन दिवसीय हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है।

भारतीय मजदूर संघ महामंत्री मान हवा सिंह मेहला स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कार्यकारिणी की। बैठक के मुख्य अतिथि रहे एवं बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष विपिन शर्मा ने की। राज्य कोषाध्यक्ष मान पंकज आत्रेय एवं जिलाध्यक्ष डॉ सुमित शर्मा ने बताया कि एक दिन पहले राज्य कमेटी के द्वारा ऑनलाइन बैठक कर प्रदेश के समस्त जिलाध्यक्ष, जिला मंत्री एवं सक्रिय सदस्यों से सलाह मशविरे के उपरान्त 25 जून को कुरुक्षेत्र में एक बैठक करने का निर्णय लिया गया। सरकार द्वारा एन एच एम कर्मचारियों की मांगें न माने जाने के कारण इस कड़े कदम को उठाने का निर्णय लिया गया है। कोरोना के तीन चरणों में प्रदेश भर के ज्यादातर कर्मचारी कोरोना से पीड़ित ही नहीं हुए बल्कि कुछ कर्मचारियों ने अपनी शहादत भी दी है, लेकिन फिर भी प्रदेश सरकार लगातार कर्मचारियों की अनदेखी कर रहीं है। मुख्यमंत्री द्वारा 6 माह पहले की गयी 7वां वेतन देने की घोषणा की तो विभागीय अधिकारी अनदेखी कर ही रहे हैं, इसके अलावा सेवा नियमों को भी खत्म करने की मंशा पाल रखी है जिस वजह से 27 जून को प्रदेश भर के एनएचएम कर्मचारी तीन दिन की हड़ताल पर जाने को मजबूर हुए हैं। डाक्टर सुमित ने कहा कि उनकी मुख्य मांगें 7वां वेतन आयोग का लाभ देने की घोषणा को पूरा करना, सर्विस नियम 2018 को बहाल रखना एवं उनमें संशोधन करना, नियमित कर्मचारियों की तरह अन्य सभी लाभ एवं 58 साल तक सेवा सुरक्षा देना आदि को सरकार जल्द से जल्द पूरा करे अन्यथा कर्मचारियों को तीन दिन की हड़ताल के बाद मजबूरन कडे कदम उठाते हुए आंदोलन को लंबा खींचना पड़ेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी सरकार एवं विभाग की होगी। इससे पहले भी काली पट्टी बांधकर, विधायकों सांसदों को ज्ञापन देकर एवं 9 जून को एक दिवसीय हड़ताल कर के विरोध जताया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कुमार, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र वत्स, संगठन मंत्री विजय कम्बोज, उपाध्यक्ष बबीता, इंद्रावती, संगीता, तरनदीप, दिनेश, हरेन्द्र, हरदीप, कुलदीप आर्य, राजेश, दौलत राम, सुखदेव, जिला मंत्री वैभव कौशिक, विकास, सुरेश शर्मा, आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

मिड टर्म लाइव लेजर ऑपरेटिव वर्कशॉप आयोजित

सेक्टर-8 स्थित सर्वोदय अस्पताल के सभागार में नार्थ जोन यूरोलाजिकल सोसाइटी आफ इंडिया द्वारा आयोजित सेमिनार का दीप जलाकर शुभारंभ करते अतिथि।

फरीदाबाद। जिले के इतिहास में नार्थ जोन यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं हरियाणा यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ने सर्वोदय अस्पताल के सहयोग से पहली बार यूरोलॉजी में विशेषतया 'यूरोलॉजी में लेजर का भविष्य' पर उत्तर भारत की मिड टर्म कांफ्रेंस का आयोजन 25 और 26 जून को सर्वोदय हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में किया गया।

कांफ्रेंस में बतौर विशिष्ट अतिथि सर्वोदय हेल्थ केयर के चेयरमैन डॉ. राकेश गुप्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कांफ्रेंस में हरियाणा, दिल्ली राजस्थान, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं हिमाचल एवं देश-विदेशों के बड़े मेडिकल संस्थानों के लगभग 400 डॉक्टर्स ने शिरकत की। इस विशाल सम्मेलन के आयोजन का मुख्य ध्येय यूरोलॉजी में लेजर का उपयोग, उसके फायदे एवं इस क्षेत्र में हुए नई खोज और इलाज के आधुनिक तरीकों पर चर्चा करना था।

साथ ही ट्रेनिंग प्रोग्राम के द्वारा यूरोलॉजी विज्ञान से जुड़ी जानकारियों को साझा करना था। इस कांफ्रेंस में लगभग 22 से अधिक लाइव सर्जरी को ऑपरेशन थियेटर से ऑडिटोरियम में सीधा प्रसारण करके दिखाया गया। जिससे देश के विभिन्न हिस्सों में काम कर रहें डॉक्टर्स अपना ज्ञानवर्धन कर सकें।

वाहनों की चेसिस बदलकर नंबर गोदने वाले गिरोह का पर्दाफाश

हाइवा ट्रक के चेसिस नंबर बदलते समय ही दो आरोपियों को कर लिया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादयान के द्वारा शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 प्रभारी सब इंस्पेक्टर राकेश सिंह की टीम ने गाड़ियों की चेसिस नंबर बदलने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अजहरुद्दीन फरीदाबाद के बड़खल की जमाई कॉलोनी का, आरोपी धौलाराम महेंद्रगढ़ जिले के गांव नांगल दरोगा व आरोपी प्रदीप सिंह उर्फ हीरा फरीदाबाद के

चेचिस पर नम्बर बदलने के आरोप में गिरफ्तार अजहरूदीन, धौला राम और प्रदीप सिंह।

सेक्टर-48 के एसजीएम नगर का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपियों को बड़खल पाली रोड स्थित महेंद्र भड़ाना की मार्केट से काबू किया। आरोपी अजहरुद्दीन की गाड़ी रिपेयर की दुकान है। जिस पर आरोपी धौलाराम नारनौल से गाड़ी के इंजन सीज होने पर बदलवाने के लिए आया था। आरोपी प्रदीप सिंह गाड़ियों की चेचिस पर नंबर गोदने का काम करता है। क्राइम ब्रांच टीम ने मौके से आरोपी अजहरुद्दीन और धौलाराम को गिरफ्तार किया है।

पुलिस की कराई बैठक में सैंकड़ों लोगों ने ली नशा न करने की शपथ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर डीसीपी मुख्यालय नितिश अग्रवाल के अध्यक्षता में पुलिस आयुक्त कार्यालय में मीटिंग का आयोजन हुआ। सभी डीसीपी, एसीपी ,थाना प्रबंधक, क्राइम ब्रांच प्रभारी एवं फरीदाबाद के मौजिज व्यक्तियों ने इस नशा निषेध दिवस पर हिस्सा लिया।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि नागरिकों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय में फरीदाबाद के सभी स्थानों के करीब 600 गणमान्य लोगों के साथ मिलकर निशा निषेध की शपथ ली है। कुछ लालची लोगों द्वारा नशे को बेचा जा रहा है जिसकी वजह से युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर की पहल पर फरीदाबाद के विभिन्न स्थानों पर पुलिस द्वारा फिल्म के माध्यम से

विश्व नशा निषेध दिवस पर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लेते गणमान्य लोग और पुलिस अधिकारी।

लोगों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताया जा रहा है। फरीदाबाद पुलिस का अभियान है कि फरीदाबाद नशा मुक्त हो। नशा समाज, युवाओं और देश को खोखला कर रहा है। फरीदाबाद पुलिस ने पिछले 10 महीने मे नशे के कारोबार से जुड़े 153 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें से 68 को सजा दिलवाई गई है और नशे से अर्जित अवैध कमाई से बनाई गई करीब 4 करोड की प्रॉपर्टी भी अटैच की गई है। नशा मुक्त फरीदाबाद हो,, के इस अभियान में शहर के लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं जिसमें आज फरीदाबाद के मौजिज लोगों ने नशा निषेध दिवस पर पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित मीटिंग में हिस्सा लिया और उन्होंने शपथ ली। आधुनिक समय में नशा का प्रचलन बहुत बढ़ गया है।

डीएवी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ समापन

फरीदाबाद। शिक्षण और शोध दोनों एक दूसरे के पूरक है। एक शिक्षक शोध के माध्यम से अपनी शिक्षण तकनीकी में परिवर्तन कर विद्यार्थियों को व्यवहारिकता के साथ शिक्षा प्रदान कर सकता है। शोध की विधिवत जानकारी उन्हें एक अच्छा शोध पत्र लिखने और प्रकाशित करने में सहायक होती है। इस उद्देश्य से डीएवी शताब्दी महाविद्यालय के आइक्यूएसी सैल के सौजन्य से शोध विधि विषय पर सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इस प्रोग्राम के प्रथम और द्वितीय सैशन में जेसी बोस यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी वाईएमसीए फरीदाबाद से सोशल वर्क में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर के एम ताबिश ने शिक्षकों को क्वालिटेटिव रिसर्च पेपर लिखने के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया और एडिटेड बुक में चैप्टर लिखने के लिए बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की।

दूरदर्शिता के अभाव को कहते हैं नेत्रहीनता : जेटली

हेलन केलर की स्मृति में आयोजित हुआ शाम-ए-गजल कार्यक्रम

मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री मूलचंद शर्मा मौजूद रहे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नैशनल ब्लाइंड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में हेलन केलर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते बीजेपी के प्रवक्ता राजीव जेटली।

शाम-ए-गजल कार्यक्रम का आयोजन नेशनल ब्लाइंड स्कूल फरीदाबाद में किया गया। जिसमें नेत्रबाधित कलाकारों ने हेलन केलर की स्मृति में समा बांधा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा एवं विशिष्ट अतिथियों मे विधायक नरेंद्र गुप्ता, सीमा त्रिखा व राजेश नगर व भाजपा प्रवक्ता राजीव जेटली रहे।

इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता राजीव जेटली ने कहा कि नेत्रहीन नेत्रबाधिता को नही बल्कि दूरदर्शिता के अभाव को कहते हैं। दिव्यंगों ने दुनिया मे वह कर दिखाया जो हम जैसे तथाकथित् सक्षम लोग करने की कल्पना भी नही कर सकते इसलिए दिवयांजन भी हमारे समाज का हिस्सा है, उन्हें हीन भावना से देखने की बजाए प्यार और सम्मान देना चाहिए ताकि वह भी समाज में बेहतर जीवन यापन कर सके। राजीव जेटली ने हेलेन एडम्स केलर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हेलेन एडम्स केलर एक अमेरिकी लेखक, राजनीतिक कार्यकर्ता और आचार्य थीं। वह कला स्नातक की उपाधि अर्जित करने वाली पहली बधिर और दृष्टिहीन थी। ऐनी सुलेवन के प्रशिक्षण में 6 वर्ष की अवस्था से शुरु हुए 49 वर्षों के साथ में हेलेन सक्रियता और सफलता की ऊंचाइयों तक पहुँची। बेहतरीन लेखिका केलर अपनी रचनाओं में युद्ध विरोधी के रूप में नजर आतीं हैं। समाजवादी दल के एक सदस्य के रूप में उन्होंने अमेरिकी और दुनिया भर के श्रमिकों और महिलाओं के मताधिकार, श्रम अधिकारों, समाजवाद और कट्टरपंथी शक्तियों के खिलाफ अभियान चलाया। उन्होंने उपस्थित नेत्रबाधित कलाकारों की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि उनके अंदर भी कला छुपी है, उस कला को बाहर लाने की जरूरत है और आज के इस कार्यक्रम में बच्चों ने यह कर भी दिखाया।

घर से लापता हुए व्यक्ति को किया परिजनों के हवाले

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादयान के द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच के प्रभारी सब इंस्पेक्टर सरजी सिंह की टीम ने घर से नाराज होकर गए 24 वर्षीय व्यक्ति को बरामद कर परिजनों के हवाले करने का सराहनीय कार्य किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गुमशुदा व्यक्ति 28 मार्च को परिजनों से किसी बात को लेकर नाराज था। जो व्यक्ति घर से बिना बताए कहीं चला गया था। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को 19 जून को दी थी। जिसकी सूचना पर थाना मुजेसर में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर व्यक्ति की तलाश शुरू कर दी गई थी। मामले की तफ्तीश क्राइम ब्रांच कैट की टीम को मिली जिस पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच कैट की टीम में गुमशुदा व्यक्ति को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के कोकिलावन से बरामद किया है। गुमशुदा व्यक्ति के परिजनों को सूचित कर बुलाया गया परिजनों के सामने व्यक्ति से पूछताछ की गई जिसमें व्यक्ति ने बताया कि वह किसी बात को लेकर घरवालों से नाराज था अब वह अपने घर जाना चाहता है। व्यक्ति के परिजनों ने पुलिस टीम का तहे दिल से धन्यवाद किया।

श्री गोपाल मंदिर में रामकथा का भव्य आयोजन

रामकथा का आनंद लेते श्रद्धालु।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री गोपाल मन्दिर बल्लभगढ़ के 44 वें स्थापना दिवस पर संगीतमय नवधा भक्ति रामकथा का भव्य आयोजन शनिवार से आरंभ किया गया। यह रामकथा 27 जून सोमवार तक चलेगी। इस मांगलिक कार्यक्रम में व्यासपीठ पर विराजमान सतना रामानुजदास 6भैया जी 8 ने अपनी संगीतमय वाणी से कथा का आरंभ किया।

कथा व्यास ने प्रथम दिवस की कथा में श्रीरामकथा की मानवजीवन में महत्ता प्रतिपादित करते हुए श्रीराम नाम की महिमा पर प्रकाश डाला। त्रेता युग में श्रीराम जन्म के प्रमुख हेतु बताते हुए श्री राम जन्मोत्सव मनाया गया। श्रीरामचरित मानस के प्रमुख संवादो के माध्यम से भक्ति महिमा का व्यापक सन्देश दिया गया। दूसरे दिन की कथा में भगवान की बाल क्रीड़ाओं के साथ साथ सीताजी के जन्म की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डाला। महर्षि विश्वामित्र जी की यज्ञ रक्षा हेतु श्रीराम लक्ष्मण का जाना, अहिल्या उद्धार, ताड़का सुबाहु बध व सीता स्वयंवर में जाकर श्रीराम द्वारा धनुर्भंग करना तथा श्रीसीता रामजी की जयमाला के विविध प्रसंगों पर नवधा भक्ति के माध्यम से विस्तार से प्रकाश डाला। मन्दिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मन्दिर की स्थापना का इतिहास बताते हुए मन्दिर के पुनर्निर्माण की विस्तृत जानकारी दी। तदनन्तर आरती के उपरान्त प्रसाद वितरण किया गया। समारोह में जनकराज, रमेशचन्द्र खट्टर, राजू बंधवा, मदनलाल अरोड़ा, महेंद्र अरोड़ा, भरत मखीजा, राम प्रकाश चावला, भरत मखीजा, द्वारिका कालड़ा, बलदेव जुनेजा, होशियार सिंह, कृष्ण भटेजा आदि ने सह भागिता की।

संक्षिप्त समाचार

हर्ष मक्कड़ बने टैक्स बार एसोसिएशन के प्रधान

फरीदाबाद इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के प्रधान हर्ष मक्कड़ कार्यकारिणी सदस्यों के साथ।

फरीदाबाद। आयकर कार्यालय फरीदाबाद में संपन्न हुए फरीदाबाद इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के चुनावों में अधिवक्ता हर्ष मक्कड़ प्रधान, अधिवक्ता शशिकांत सिंह उप प्रधान, सीए मनुज गर्ग महासचिव, अधिवक्ता राजेश शर्मा संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष तथा अधिवक्ता राजेंद्र गोयल को चेयरमैन, स्टडी सर्किल, अधिवक्ता हरिंदर सैनी, अधिवक्ता वीरेंदर गंभीर, अधिवक्ता दीपक भाटिया तथा कम्पनी सेक्रेटरी कपिल डुडेजा को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। चुनाव अधिकारी सीए राजेश खंडेलवाल के कुशल निर्देशन में चुनाव शांति एवं सद्भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रधान चुने गए अधिवक्ता हर्ष मक्कड़ ने बार के उपस्थित सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी बार के मान, सम्मान एवं आत्मसम्मान के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी और सभी को साथ लेकर चलेगी। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने संकल्प लिया कि करदाताओं की समस्याओं को प्रभावी तरीके से सम्बंधित अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे और उनके समाधान के लिए भरपूर प्रयास करेंगे। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने शांति एवं सद्भावनापूर्ण चुनाव संपन्न कराने में मतदाताओं एवं आयकर विभाग के अधिकारियों के सहयोग के लिए धन्यवाद किया। इस अवसर पर बार के पूर्व प्रधान संजय चांडक, सुनील मंगला, संजय मंगला, सुधीर चौधरी, दिनेश अग्रवाल, एन के अरोड़ा, विजय राजपूत, वाई के जुनेजा, गौतम गोयल, बी आर भल्ला, कमल लखानी, अधिवक्ता संदीप सेठी, वी पी शर्मा, ए.के.चौधरी, एस के राजपाल, संजय माटा, राकेश मंगला, तजेन्दर भारद्वाज, विपिन शर्मा, बार के निवर्तमान प्रधान जगदीश अरोड़ा आदि सहित बार के अधिकांश वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे।

ईमानदारी से किए कार्य का प्रतिफल होता है मीठा : नरेंद्र गुप्ता

फरीदाबाद। ईमानदारी और पूरी तन्मयता, कर्मठता और लग्न के से साथ किए गए कार्य का प्रतिफल बहुत ही मीठा होता है। हमें कोई भी कार्य करने से पहले उसका मकसद सच्चाई से दूसरों की सेवा करना होना चाहिए, इससे परमात्मा भी प्रसन्न होते हैं। यह बात फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने सेक्टर 19 मार्केट स्थित सेवियर एजुकेशन एब्राड संस्था की 23वीं ब्रांच का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि आज का युग प्रतियोगिता का युग हैं। बिना योग्यता के वांछित फल पाना मुश्किल हैं। इस लिए प्रतियोगिता की तैयारी जीवन में अतिआवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी शैक्षणिक संस्थाएं विदेशों में बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए तैयार करती हैं तथा विदेश जाने के लिए पासपोर्ट और वीजा उपलब्ध कराती हैं। आज शिक्षा का स्तर बहुत बड़ा है। यही कारण है कि बच्चे भारत के अलावा विदेशों में भी शिक्षा ग्रहण करने के लिए लालायित रहते हैं ताकि वे वहां से नई तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर अपने वतन लौटकर देश की सेवा में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने संस्थान से जुड़े पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एनसीआर क्षेत्र में ऐसे संस्थान का लाभ हमारी युवा पीढ़ी उठा सकेगी। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मु यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में शिक्षा के विकास के लिए अनेक योजनाएं देश और प्रदेश में चला रखी हैं। जिसका युवा पीढ़ी भरसक लाभ उठा रही है। हमें आशा है भविष्य में यह पीढी अपनी उच्च शिक्षा का लाभ देश के लोगों को देने में सक्षम होगी। इस अवसर पर अभिलाष त्रिपाठी, राज शेखर देसाई, रिधिम शर्मा, बीजेंद्र कपूर सहित विभिन्न सेवियर एजुकेशन एब्राड संस्था के पदाधिकारी व शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

युवा पीढ़ी को नशे से बचाने की छात्राओं ने ली शपथ

फरीदाबाद। गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल एन आई टी तीन फरीदाबाद में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड द्वारा अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर मादक द्रव्य एवम नशा छोड़ो अभियान चला कर जागरूक किया गया तथा नशे के समूल नाश के लिए वर्चुअल शपथ भी ली गई। जूनियर रेडक्रॉस गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि नशे से मानसिक और शारीरिक सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बहुत से लोगों की मौत हो जाती है तथा अन्य कुछ मानसिक तनाव के कारण स्वयं आत्महत्या कर लेते हैं। यहां पर स्मैक, गांजा, हेरोइन, ब्राउन शुगर जैसे नशे से छुटकारा दिलाने का उपचार किया जाता है। डॉक्टर्स का कहना है कि हर वर्ष हजारों रोग नशे की आदत का शिकार होते हैं और इनमें से एक चौथाई की मृत्यु हो जाती है। इन में युवाओं की संख्या कहीं ज्यादा है। विद्यालय में ब्रिगेड और जे आर सी छात्राओं ताबिंदा, चंचल, अंजली, मनीषा, सिया, राखी, निशा, अक्षरा अंशिका, मुस्कान, एकता, स्नेहा, कशिश, हर्षिता और खुशी ने सुंदर पेंटिंग बना कर मादक पदार्थों का सेवन न करने का आग्रह किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा और प्राध्यापिका मोनिका, प्राध्यापिका शीतल, प्रवीण, सूबे सिंह तथा सोनिया बमल ने सभी छात्राओं का कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आभार व्यक्त किया।

दिल्ली उप चुनाव जीत पर आम आदमी पार्टी ने मनाया जश्न

फरीदाबाद। राजेन्द्र नगर उप चुनावों में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी दुर्गेश पाठक की जीत पर फरीदाबाद में जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना के नेतृत्व में बडखल-गुडगांव रोड स्थित जिला कार्यालय पर लड्डू बांटकर पार्टी की जीत का जश्न मनाया गया। इस मौके पर आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता मंजू गुप्ता, प्रवेश मेहता, राकेश भडाना, गुलशन बग्गा, हंसराज दायमा, चंचल तंवर, चंद्रवीर, काजल, जोगिंदर चंदेला, सुरेंद्र अरोड़ा, सतीश चंदीला, विजय पासवान, मेहर चंद हरसाना, राकेश कुमार, महेश कुमार, आरती राय, पायल, राजपाल झा, अरुण कुमार, महकचंद्र बैंसला, मंगतराम भडाना, महेश कुमार आदि ने एक-दूसरे को मिठाईयां खिलाई और गले मिलकर पार्टी की जीत पर बधाई दी। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार दुर्गेश पाठक राजेन्द्र नगर उप चुनाव में एक तरफा जीत हासिल कर यह दिखा दिया है दिल्ली की जनता के दिल में आज भी आम आदमी पार्टी बसती है। दिल्ली प्रदेश के लोगों ने उनको जीत दिलाकर यह सुनिश्चित कर दिया है आज भी वो पूरी तरह से आम आदमी पार्टी के साथ हैं। आपको बता दे कि राजेन्द्र नगर उप चुनाव कि वोटिंग 23 जून, वीरवार को हु थी और आज उसके परिणाम सामने आ गए। जिसमें आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी दुर्गेश पाठक ने जीत हासिल की है। फरीदाबाद से हरियाणा सह-प्रभारी महेन्द्र चौधरी, हरियाणा संगठन मत्रीं प्रवीण प्रभाकर, जिला अध्यक्ष धर्मबीर भड़ाना के नेतृत्व में फरीदाबाद की टीम ने उनके समर्थन में वोटों के लिए लोगो से अपील की थी। पार्टी प्रत्याशी की जीत से उत्साहित धर्मबीर भड़ाना ने कहा कि आम आदमी पार्टी की तरफ लोगों का एकतरफा माहौल है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दिल्ली मॉडल से दिल्ली के लोग बेहद प्रभावित हैं। विपक्षी पार्टियां चाहे, कितना ही लोगों को बरगलाने का काम करें, मगर उनके नेतृत्व में दिल्ली के लोगों के लिए किए गए उनके काम प्रदेश की जनता याद करती है।

हम उजाला चाहते हैं तो हमें अंधेरों को भी याद रखना होगा : जेपी नड्डा

आपातकाल को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक काला अध्याय बताया

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंदिरा गांधी द्वारा 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक काला अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि भारत के जन-जन की मूल विचारधारा लोकतंत्र ही रही है, जिसने आखिरकार आपातकाल की तानाशाही को उखाड़ फेंका। वे रविवार को गुरुग्राम की बादशाहपुर विधानसभा के बूथ नंबर-338 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में पहुंचे।

उन्होंने आपातकाल की घटना को साझा करते हुए कहा कि उन्हें कालेज की क्लास से अरेस्ट किया गया था। आपातकाल का विरोध करने वाले हजारों लोगों को जेल में

गुरुग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, हरियाणा अध्यक्ष ओपी धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल।

लंबे समय तक बंदी बनाकर रखा गया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय मूल विचारधारा के कारण ही हम प्रजातांत्रिक हैं। इस तरह अब यही लोकतांत्रिक सोच मोदी के नेतृत्व में लगातार खुशहाल एवं विकसित होती जा रही है।

श्रीनड्डा ने कहा कि अगर हम उजाला चाहते हैं, तो हमें अंधेरों को भी याद रखना होगा। इसलिए हमें आपातकाल को याद रखकर लोकतंत्र को लगातार मजबूत करने के लिए काम करना होगा। जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा है कि सभी को मन की बात कार्यक्रम बूथ पर सामूहिक रूप से सुनना चाहिए, इससे बूथ का सुदृढ़ीकरण होगा। यह कार्यक्रम ड्राइंगरूम में अकेले बैठकर सुनने का नहीं है, बल्कि सामूहिक रूप से बूथ पर बैठकर सुनने का है। श्रीनड्डा ने कहा कि मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम कार्य को एक्टिविटी में बदलने की प्रेरणा देता है। इसलिए, हम सभी को सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम में उठाए गए सामाजिक विषयों पर चर्चा करने के साथ-साथ इन्हें अपने जीवन में भी उतारना चाहिए। श्रीनड्डा के कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी राजनीतिक बात नहीं की। इसमें उन्होंने हमेशा जनजागरण और देश के समन्वित विकास की गहरी से गहरी बात की। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण, विज्ञान, ग्रामीण विकास, खेलकूद और नव निर्माण पर महीन से महीन चर्चा करते हुए इसे देश के जन-जन तक पहुंचाया।

मन की बात हमें सामाजिक, आध्यात्मिक और जन जागरण की एक सामूहिक प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि हम सब इसी तरह रविवार को सामूहिक रूप से बूथ पर बैठकर ही मन की बात सुनें। इससे पार्टी की और प्रधानमंत्री मोदी जी की विकासित सोच जन-जन में अधिक लोकप्रिय होगी। साथ ही इस तरह के आयोजन से हमारे बूथों का और सुदृढ़ीकरण भी होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, प्रदेश के मंत्री बनवारी लाल, सांसद सुनीता दुग्गल सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

विधायक ने लेजरवैली पार्क में किया वाटर कूलर का शुभारंभ

लेजरवैली पार्क में वाटर कूलर का शुभारंभ करते विधायक सुधीर सिंगला।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महाराणा प्रताप पार्क में राष्ट्र संत मुनि तरुण सागर के 55वें जन्म दिवस पर समाजसेवी रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर रविंद्र जैन एडवोकेट द्वारा वाटर कूलर लगाया गया, जिसका उद्घाटन गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला द्वारा किया गया। इस मौके पर लेजरवैली पार्क (महाराणा प्रताप पार्क) के प्रधान नारायण सिंह ने फूलमालाएं पहनाकर विधायक का स्वागत किया।

विधायक सुधीर सिंगला ने रविंद्र जैन द्वारा किए गए इस कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रविंद्र जैन गुरुग्राम में सामाजिक

प्रधान नारायण सिंह ने फूलमाला पहना कर किया सुधीर सिंगला विधायक का स्वागत

कार्य में सबसे अग्रणी हैं। चाहे रोटरी क्लब के माध्यम से ब्लड बैंक, डायलिसिस सेंटर हो, वॉटर कूलर लगवाना, गरीब बच्चों को शिक्षा देनी हो, वे हमेशा अग्रणी रहते हैं। इस अवसर पर पवन गुप्ता, संदीप जैन, ओमबीर सिंह, अनूप सिंह पार्षद, सूरज समेत काफी लोगों ने यहां शिरकत की और प्रसाद ग्रहण किया।

संक्षिप्त समाचार

चुनावी रंजिश में हुए झगड़े में 112 आरोपियों पर केस दर्ज

सोहना। सांप की नंगली में नगर परिषद चुनाव परिणाम के तुरन्त बाद 22 जून को दो गुटों के बीच हुए झगड़े में शहर थाना पुलिस ने दोनों पक्षों से मिली शिकायतों के आधार पर 13 नामजद समेत करीब 112 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों की पक्ष ने झगड़े में लाठी, डंडा व पथराव करने का आरोप लगाया है। महिलाओं के साथ मारपीट, छेड़छाड़ और आभूषण लूटने के आरोप भी लगाए गए हैं। मालूम रहे कि 22 जून को नगर परिषद चुनाव का परिणाम आने के कुछ मिनट बाद वार्ड-20 के गांव सांप की नंगली में दो गुटों लोगों में मंदिर पर झगड़ा हो गया था। इस झगड़े में दोनों की गुटों पुरुष व महिलाओं द्वारा झगड़े में हिस्सा लिया था। जिसमें महिलाओं पर लाठी, डंडों से हमला किया गया। उन्हे जमीन पर गिराते हुए मारा व गलत नीयत से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाएं हैं। इस झगड़े में छह महिलाएं समेत दो युवकों को चोटें लगी थीं। जिन्हें नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया था। पुलिस ने पंकज देवतवाल और संगीता द्वारा मिली शिकायतों के आधार पर झगड़े से तीन दिन बाद मिली शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर लिए हैं। किसी भी गुट के आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाजपा तिगांव मंडल पदाधिकारियों की बैठक

भाजपा तिगांव मंडल की बैठक में भाग लेते कार्यकर्ता।

फरीदाबाद। भाजपा तिगांव मंडल के गांव कौराली में पदाधिकारी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में तिगांव मंडल प्रभारी नंदकिशोर शर्मा और मंडल अध्यक्ष गिर्राज त्यागी विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में आज प्रसारित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को सभी कार्यकर्ताओं ने एक साथ बैठकर सुना तथा मन की बात कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात मंडल के पदाधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी की रीति नीति व जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के बारे में चर्चा की। इस बैठक में मंडल महामंत्री कर्मवीर अधाना व महामंत्री नेपाल भाटी, महिला मोर्चा अध्यक्ष सपना पाराशर, मंडल सचिव माला भाटी व संगीता त्यागी, मंडल सचिव तिलक भाटी, मीडिया प्रभारी सुधीर मेहता, कोषाध्यक्ष भीमसेन कौशिक व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अच्छे भविष्य को खुलवाएं सुकन्या समृद्धि योजना खाता

फरीदाबाद। डीसी जितेन्द्र यादव ने बताया कि बालिकाओं के अच्छे भविष्य के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बालिकाओं का जिले के किसी भी डाकघर या बैंक में खाता खुलवाया जा सकता है, क्योंकि माता-पिता द्वारा इस खाते में जोड़ा गया पैसा बालिका को अपने जीवन में आगे बढ़ने में सहायता करेगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति देने के लिए सरकार द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना को शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता कम से कम 250 रुपये में खोला जा सकता है। एक वर्ष में अधिक से अधिक खाते में एक लाख 50 हजार रुपये जमा करवाए जा सकते हैं। सरकार द्वारा जमा राशि व परिपक्वता राशि पर इनकम टैक्स में छूट दी गई है। डीसी ने बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटी की आयु 18 वर्ष की होने के बाद जब भी शादी करें, खाता बंद करवा सकते है। विवाह से एक माह पहले या तीन महीने बाद तक खाता बंद करवाया जा सकता है। माता-पिता अपनी बेटी की शिक्षा, शादी हेतु थोड़ा-थोड़ा करके पैसा जमा करवाकर चक्रवृद्धि ब्याज पर पैसा जोड़ सकते है।

पद्म पुरस्कार के लिए 15 सितंबर तक करें आवेदन : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2023 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रकिया गत 01 मई 2022 से शुरू हो चुकी हैं और नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर, 2022 है। नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड्स.जीओवी.इन पर ही ऑनलाइन स्वीकार की जाएगी।

डीसी जितेन्द्र यादव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पद्म पुरस्कार, अर्थात्, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों को छोड़कर सार्वजनिक उपक्रमों वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। अधिक विवरण वेबसाइट एमएचए.जीओवी.इन और पद्म पुरस्कार पोर्टल पदमाअवार्ड्स.जीओवी.इन पर पुरस्कार और पदक' पर उपलब्ध है।

64 किलो गांजा के साथ महिला व पुरुष गिरफ्तार

ट्रक में प्रिंट पेपर रील के बीच में छिपा रखा था 64 किलो 38 ग्राम गांजा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

थाना बिलासपुर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे संख्या-48 पर एक ट्रक से 64 किलो 380 ग्राम अवैध गांजा समेत एक महिला व एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। वे ट्रक के चालक केबिन के अलावा ट्रक में भरे प्रिंट पेपर रील के डिब्बों के बीच गांजा छिपाकर ले जा रहे थे। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने ट्रक व नशीला पदार्थ कब्जे में ले लिया। बिलासपुर थाना प्रभारी अजय कुमार के मुताबिक महिला और

गुरुग्राम-जयपुर हाईवे पर बिलासपुर के पास ट्रक से गांजा बरामद होने के दौरान गिरफ्तार आरोपी महिला व पुरुष।

पुरुष के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर हिरासत में ले लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली जयपुर नेशनल हाईवे पर पुराना बिलासपुर टोल बैरियर के निकट एएसआई चंदगीराम नाके पर पुलिस टीम के साथ वाहनों की जांच के लिए मौजूद थे। उसी दौरान मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि धारूहेड़ा से एक ट्रक में महिला और पुरुष अवैध रूप से गांजा लेकर दिल्ली के लिए जा रहे हैं। यदि एएसआई चंदगी राम ने गुरुग्राम माइनिंग ऑफिसर अनिल कुमार को फोन पर पूरे मामले की जानकारी दी और बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट आने का अनुरोध किया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट अनिल कुमार की मौजूदगी में एएसआई चंदगीराम, सिपाही अमित, महिला पुलिसकर्मी मनीता, सिपाही रवि पुराना बिलासपुर टोल बैरियर पर वाहनों की जांच के लिए नाकाबंदी कर तैनात हो गए। इसी दौरान जैसे ही धारूहेड़ा की तरफसे बताया गया ट्रक सर्विस रोड पर टोल बैरियर के निकट पहुंचा तो सामने पुलिस को देखकर ट्रक का चालक ट्रक को वहीं छोड़ मौके से फरार हो गया। शक होने पर पुलिस ने संबंधित ट्रक के पास पहुंचकर चालक केबिन में बैठे महिला और पुरुष से उनका नाम पता पूछा। इसके उपरांत उन दोनों की तलाशी लेने के लिए कहा गया। पुलिस को तलाशी में महिला और पुरुष के कब्जे से तथा चालक केबिन सहित ट्रक में रखें प्रिंट पेपर रेल के डिब्बों के बीच पैकेटों से कुल 64 किलो 380 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

देश की वायुसेना अंतरिक्ष में भी जलवा बिखरने को तैयार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

एक महीने में दूसरी बार गुरुग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार जताया। ओमप्रकाश धनखड़ ने प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को उनके अब तक के अमृत पथ की एक यात्रा बताया।

उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम नवनीत की तरह है, जो हर दिन हम सब देशवासियों की ताजगी का अहसास देती है। प्रसारित कार्यक्रम मन की बात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार के कार्यक्रम में चरैवेति-चरैवेति कहावत की सटीक व्याख्या की है। प्रधानमंत्री मोदी ने

मन की बात देती है हर दिन देशवासियों को ताजगी का अहसास

हम सबका परिचय भारत की तरक्की और गतिविधियों से कराया है। श्रीधनखड़ ने स्पेस में भारतीय वैज्ञानिकों और स्टार्टअप की गतिविधियों की जानकारी मन की बात के तहत प्रधानमंत्री मोदी से मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की अथक कार्य सेवाभाव का ही परिणाम है कि आज देश की वायुसेना आकाश ही नहीं, अंतरिक्ष में भी अपना जलवा बिखरने को तैयार है। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा

गुरुग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत करते हरियाणा अध्यक्ष ओपी धनखड़।

और प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ व केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत का कार्यक्रम के संयोजक पार्षद कुलदीप यादव, राजेंद्र यादव और जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़, गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला, जिला महामंत्री मनीष गाडोला व महेश यादव ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश के मंत्री बनवारी लाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता केके शर्मा, शहजाद पूनेवाला, राजीव जेटली, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, विधायक सत्यप्रकाश जरावता, प्रदेश मीडिया सह प्रमुख अरविंद सैनी, प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू, आईटी हेड अरूण यादव मौजूद रहे। मीडिया सह-प्रमुख अरविंद सैनी ने बताया कि पिछले महीने राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ को अचानक फोन कर गुरुग्राम में मन की बात के 89वें कार्यक्रम को सुनने की इच्छा जताई थी तो प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर सरस्वती मंडल के 273 नंबर बूथ पर तुरंत शानदार कार्यक्रम आयोजित कर दिया गया। अब 90वां कार्यक्रम भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरुग्राम जिले में सुनने से जिले के कार्यकर्ता गदगद हैं।

एससी मोर्चा के प्रशिक्षण शिविर में भी पहुंचे नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व ओपी धनखड़ मन की बात कार्यक्रम के बाद रविवार को पार्टी कार्यालय गुरुकमल में चल रहे एससी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर भी पहुंचे। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताया। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, प्रशिक्षण शिविर के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार फुलवारिया, राष्ट्रीय महामंत्री संजय निर्मल, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद कृष्ण पंवार आदि उपस्थित रहे।

अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम नरेंद्र कादयान के द्वारा शहर में अपराधियों की धरपकड़ के दिए गए दिशा-निर्देशों पर कार्रवाही करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 प्रभारी सब इंस्पेक्टर ब्रह्म प्रकाश की टीम ने 2 अवैध हथियार रखने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शेखर और मनोज उर्फ भीकम बल्लभगढ़ के गांव गढ़खेड़ा के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपियों को अपने सूत्रों से बल्लभगढ़ के गांव गढ़खेड़ा से काबू किया है। तलाशी लेने पर आरोपियों से देसी कट्टा के साथ जिंदा रौंद बरामद हुआ है। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर बल्लभगढ़ में अवैध हथियार रखने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कंपनियों को रिकॉल से बचने के लिए उत्पादों में सुधार जरूरी : दीपक पांडा

गुरुग्राम में फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज की ओर से सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पेश किए गए नए रिकॉल कोड विषय पर सेमीनार में बोलते मारुति सुजुकी के कार्यकारी उपाध्यक्ष दीपक कुमार पांडा।

गुरुग्राम। मारुति सुजुकी के कार्यकारी उपाध्यक्ष दीपक कुमार पांडा ने कहा कि नए रिकॉल कोड के अनुसार सरकार कंपनियों से उत्पादों में किसी भी तरह की गैर-अनुरूपता की स्थिति में रिकॉल जारी करने के लिए कह सकती है। यह बात उन्होंने रविवार को फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज की ओर से सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पेश किए गए नए रिकॉल कोड विषय पर सेमीनार में कही।

मारुति सुजुकी के कार्यकारी उपाध्यक्ष ने कही ये बात

फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज की ओर से हुआ सेमीनार

उद्योगों पर नए रिकॉल कोड के महत्व और प्रभाव पर उन्होंने बताया कि कैसे कंपनियों को ऐसे रिकॉल से बचने के लिए अपनी प्रक्रियाओं और उत्पादों में सुधार करने की आवश्यकता है। दीपक कुमार पांडा ने यह भी बताया कि अगर कंपनियां डीलर आपकी शिकायत पर सुनवाई नहीं करते तो आप सीधे वाहन नामक साइट पर भी इसकी शिकायत कर सकते हैं। दीपक कुमार पांडा से उपस्थित उद्योगपतियों द्वारा इस बारे में कुछ सवाल भी पूछे गए। उन्होंने सभी सवालों के जवाब उद्योगपतियों को दिए। उद्योगपतियों द्वारा इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मिंडा इंडस्ट्रीज, लूमैक्स तथा अल्ट्रा इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। सेमीनार में मारुति सुजुकी के सहायक महाप्रबंधक आशुतोष गुप्ता ने भी इस विषय पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में वरिष्ठ उद्योगपति मदन जिंदल ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योगपतियों को तकनीकी जानकारी देना था। इस तरह के कार्यक्रम सभी औद्योगिक संस्थाओं को समय-समय पर करवाने चाहिए। उन्होंने उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि वह हर समय उनके साथ हैं। उद्योगपतियों की जो भी समस्या है, वे सरकार से मिलकर उसका समाधान करवाने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रदेश महासचिव दीपक मैनी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योगपतियों को अप्रैल 2021 में शुरू हुए रीकॉल कोड की जानकारी देना था। अगर आपकी गाड़ी में किसी प्रकार की कोई तकनीकी खराबी पाई जाती है तो आप इस बारे में कंपनी को सूचित कर सकते हैं। कंपनी को इस तरह की गाड़ियों को भी कॉल करना ही होगा। मंच संचालन करते हुए संस्था के महासचिव एसपी अग्रवाल ने सभी उपस्थित उद्योगपतियों का धन्यवाद किया। उन्होंने मारुति के कार्यकारी उपाध्यक्ष दीपक कुमार पांडा से अनुरोध किया की फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रतिनिधिमंडल को मारुति उद्योग में दौरा करने का अवसर दिया जाए, ताकि फेडरेशन के सदस्य मारुति उद्योग लिमिटेड की कार्य प्रणाली को समझ सकें। जिस पर दीपक कुमार पांडा ने जल्द ही सहमति भेजने की बात कही।

सोहना से पलवल और नूंह जाने वाले मार्गों पर खर्च होंगे 122 करोड़ रुपये

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

लोक निर्माण विभाग बरसात के मौसम बाद सोहना से नूंह तथा सोहना से पलवल के बीच दो राष्ट्रीय मार्गों का सुधारीकरण करेगा। जिसके लिए 122 करोड़ रुपये के टेंडर छोड़े गए हैं। सोहना में सर्विस रोड पर खुले वर्क शॉप से लेकर अवैध रेहड़ियां और कब्जों को जल्द हटाया जाएगा।

सोहना से नूंह और सोहना से पलवल जाने वाले राष्ट्रीय मार्गों की जर्जर हालत को बरसात के मौसम में बाद सुधार किया जाएगा। सोहना से नूंह के बीच 19 किलोमीटर लंबे इस राष्ट्रीय 248ए मार्ग के साथ शहरी क्षेत्र में रायपुर तक बना सर्विस रोड़ का दुकानदारों से लेकर होटल, ढाबे, रेहड़ी लगाने वालों ने नामोनिशान ही मिटा दिया है।

शहर के दमदमा मोड़ से लेकर रायपुर के बीच करीब तीन किलोमीटर की दूरी में राष्ट्रीय मार्ग के दोनों तरफ बना सर्विस रोड पर 300 से 350 दुकानदारों ने अवैध कब्जा किया हुआ है। इस मार्ग के सुधारीकरण पर करीब 86 करोड़

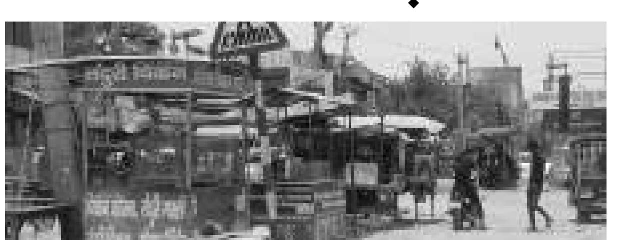

सोहना में नूंह-गुरुग्राम मार्ग के साथ बने सर्विस रोड पर बना एक ढाबा।

रुपये का टेंडर छोड़ दिया है। इस मार्ग से राजस्थान के शहर अलवर, जयपुर व अन्य शहर को जाने वाले यात्रियों को लाभ होगा।

सोहना से पलवल मार्ग का 36 करोड़ का टेंडर

सोहना से पलवल जाने वाले 29 किलोमीटर की दूरी में सुधारीकरण पर लोक निर्माण विभाग 36 करोड़ रुपये का कार्य करेगा। जिसमें धतीर गांव में सड़क के दोनों तरफ पानी निकासी के लिए नाला बनाया जाएगा। जिसकी लंबाई करीब एक किलोमीटर की होगी। ताकि सड़क के ऊपर घरेलू या बारिश का पानी न आ सके। मार्ग के सुधारीकरण से सोहना और पलवल के बीच बसें गांवों से लेकर आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कोसी, जेवर, लखनऊ जाने वाले यात्रियों को सफर सुहाना होगा।

लोक निर्माण किसी भी मार्ग पर पानी को आने से रोकेगा। ताकि घरेलू या बारिश का पानी सड़क पर जमा न हो। जरूरत पड़ने पर ऐसे स्थानों पर सड़क को जमीन से उठाकर बनाया जाएगा।

अजीत सिंह
(एसडीओ लोक निर्माण विभाग)

अग्निपथ के विरोध में कांग्रेस का आज अनाज मंडी में धरना

सोहना। केन्द्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेस पार्टी सोमवार को अनाज मंडी में धरना देगी। इस धरने में सोहना विधानसभा क्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता भाग लेंगे।

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने केन्द्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध के सड़कों पर उतरने का फैसला लिया है। सोमवार को कांग्रेस पार्टी प्रदेश कार्यकारिणी के अध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज सोहना अनाज मंडी में अग्निपथ योजना के विरोध में तीन घंटा धरना पर बैठेंगे। इस धरना में सोहना विधानसभा क्षेत्र के शहर सोहना और तावडू समेत सभी गांवों से कार्यकर्ता आएंगे। धरना को लेकर पार्टी ने अपनी तैयारियां रविवार से ही शुरू कर दी हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता बीरसिंह नंबरदार ने बताया कि कार्यकर्ताओं को अपने साथ अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को लेकर आने की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिसमें बेरोजगार युवा भारी मात्रा में पहुंचेंगे। जिन्हें रोजगार देने के नाम पर केंद्र की भाजपा सरकार उन्हें सपने दिखा रही है।

रिलायंस रिटेल के ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल का आगाज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत की सबसे हॉट फैशन सेल द ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल आज से शुरू हो गया है। ट्रेंड्स, भारत का सबसे बड़ा फैशन रिटेलर है, जोकि अपने ऑन-ट्रेंड, सबसे नए स्टाइल और हाई-ऑन फैशन के लिए जाना जाता है। अपने नाम के अनुरूप, 'ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल' फैशन की अब तक की सबसे बड़ी

सेल है। इसमें 10000 से अधिक परिधानों पर 50 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है। इसमें पुरुषों, बच्चों और महिलाओं के परिधान आपका इंतजार कर रहे हैं। देशभर के ग्राहकों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते हुए कम कीमतें, शानदार ऑफर, निश्चित उपहार, पुरस्कार और पॉइंट्स ट्रेंड्स शॉपिंग फेस्टिवल की इस सेल को आकर्षक बनाते हैं। यहां आपको कम कीमतों पर नवीनतम स्टाइल और बेजोड़ डील्स मिल सकेंगी। देश में फैशन के प्रति उत्साही लोगों के लिए, ट्रेंड्स अब जाना पहचाना स्थान बन गया है। यह विशेष रूप से डिजाइन किये गए पुरुषों और महिलाओं के परिधानों और एक्सेसरीज के बड़ी रेंज रखता है। ट्रेंड्स के भारत में सभी फॉर्मेट में 850 से अधिक शहरों में 1500 से अधिक स्टोर हैं। ट्रेंड्स में 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिधान और एक्सेसरी ब्रांड के साथ-साथ पुरुषों, महिलाओं और बच्चों, हर ग्राहक की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने सभी ब्रांड हैं।

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर हुआ विशेष आयोजन

बच्चे और युवा नशा के खिलाफ संकल्प लें : शास्त्री

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

आज का युवा एवं बच्चे नशे के कारण हो रहे हैं दिशाहीन : बाल कल्याण अधिकारी

कहा, नशा मुक्ति योजना से नशे से होने वाले नुकसान से अवगत करवा कर नशा छुड़वा रहे

कमलेश शास्त्री, जिला बाल कल्याण अधिकारी नूंह।

जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं को माना जाता है। इसलिए देश की प्रगति के लिए युवाओं का सही कदम पर चलना बहुत ही जरुरी होता है। देश के संचालन में आज की युवा का विशेष योगदान होने वाला है। पिछले कुछ सालों से नशा लोगों को अपना आदी बना रहा है।

लोग नशेड़ी बनकर अपना तथा अपनों का भविष्य बर्बाद करने को तुले हुए हैं। इसलिए हमें नशे से मुक्ति के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। आज की युवा गुटका, बीडी, सिगरेट और शराब पीकर खुद को शाही जीवन देना का प्रयास करता है, पर नशे से जीवन में सुधार नहीं किया जा सकता है। नशा जीवन की बर्बादी का सबसे बड़ा माध्यम है। लोगों में शिक्षा का अभाव होने के कारण लोग अपनी भलाई को नहीं समझ पा रहे हैं। इसलिए इस समय हमें नशा मुक्ति योजना के माध्यम से सभी को नशे से होने वाले नुकसान से अवगत करवा कर नशा छुड़वाने का प्रयास करना चाहिए। हमारे देश के युवा अपना आदर्श भगत सिंह या गांधी को न मानकर फिल्मी हीरो को मानती है जो फिल्म इंडस्ट्री में काम करते है, पर आज के युवाओं के हीरो युवाओं का ही जीवन बर्बाद कर रहे हैं। बड़े-बड़े अभिनेता अपने स्वार्थ के लिए तथा कम्पनियों से मिल रहे पैसों के लिए नशे का प्रचार करते हैं। आज फिल्म इंडस्ट्री के बड़े अभिनेता गुटके का विज्ञापन करते नजर आते हैं। आज के विज्ञापनों से बचाकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाना होगा क्योंकि आज के युवाओं के हीरो खुद लोगों के भविष्य के साथ पैसों के लिए खिलवाड़ कर रहे हैं। खुद कुछ पैसे लेकर विज्ञापन करते हैं। आज हर युवा नशे की चपेट में है। कोई अफीम का नशा करता है, कोई शराब का तो कोई जर्दा गुटका या बीडी का। इस प्रकार देखा जाए तो सभी नशे के अधीन बन चुके हैं। लोग नशे में अंधे हो गए हैं। हमारे देश में होने वाली दुर्घटनाओं के अधिकांश मामले नशे में ही पाए जाते है। जो व्यक्ति नशा करता है। वह अपने जीवन की उन्नति नहीं कर सकता है। नशा शुरू तो जीवन की बर्बादी शुरू यही नियम है। आज के इस वैज्ञानिक युग में हर देश को उन्नति के लिए युवाओं के सहयोग की जरुरत है, वहीं हमारे देश में आज अधिकांश लोगो का सबकुछ नशा ही है। अपनी शुरूआती दौर में ही लोग नशा करना शुरू कर देते हैं। इसी कारण आज तक हमारा देश विकसित नहीं हो सका है। सभी लोग अपनी-अपनी मर्जी के हिसाब से चल रहे हैं। भारत सरकार ने नशा मुक्ति के लिए कई कानून चलाये और आज तो लोगो को नि:शुल्क नशा छुड़वाया जाता है। पर लोग सरकार की एक भी नहीं सुन रहे हैं और नशे के इस अंधकार में जा रहे हैं। आज हर देश का विकास देश की युवा पीढ़ी पर टिकी हुई होती है। उसी प्रकार हमारे देश की उन्नति भी युवाओ पर है और हमारे देश के युवा इस जिम्मेदारी को अनसुना कर रहे है।

हमारे देश में लगभग 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग नशा करते है। वहीं कई लोग अपने जीवन का उद्देश्य नशा करना ही मानते है। देश में आज नशा करने पर रोक लगाई गई है, पर फिर भी लोग नशा करते है। अनेक लोग नशे की वजह से कैंसर जैसे कई भयानक रोगों के शिकार होते है, पर इस बात को मानाने को तैयार ही नहीं है। सभी नसेड़ी नशे को सही बताते हैं। पुराने समय में जब कोई पार्टी होती थी तो लोग मिलते थे एक दुसरे से बातचीत करते थे। खाना खाकर घर चले जाते थे पर आज की पार्टिया कुछ अलग किस्म की होनी लगी हैं। पार्टी में खाना तो होता ही नहीं है। कई पैकेट शराब और गुटका और तम्बाकू लाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कबीर चौपाल पर साप्ताहिक यज्ञ का हुआ आयोजन

कबीर चौपाल पर यज्ञ करते हुए लोग।

नूंह। आर्य समाज ने कबीर चौपाल नूंह पर एक साप्ताहिक यज्ञ का आयोजन किया। यज्ञ में नवनिर्वाचित वार्ड-11 की पार्षद पूनम और उनके पति योगेश शामिल रहे। यज्ञ के बाद सुनील गर्ग ने ईश्वर भक्ति का भजन सुनाया। इसके बाद ज्ञानचंद आर्य प्रधान आर्य समाज ने आर्य समाज और महर्षि दयानंद के कार्यों पर प्रकाश डाला। त्रेतवाद, वर्ण व्यवस्था, महिलाओं और दलित समाज के लिए आर्य समाज द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। सभी को आर्य समाज नूंह के साप्ताहिक सत्संग में आने का निमंत्रण भी दिया। योगेश द्वारा प्रसाद वितरण के साथ ही आर्य समाज को पांच सौ रुपये दान में दिए। कार्यक्रम में मास्टर शेरसिंह चौहान, कुलवंत बघेल, कुलदीप चौहान, मास्टर जय भगवान, मनोज गर्ग, प्रवीण गर्ग, प्रकाशचंद सैनी, जेएस सैनी एडवोकेट, दयाचंद सैनी, प्रभाष, विनोद मेहरा, सुरेश गर्ग, मास्टर सुरेश अग्रवाल के अलावा कबीर मोहल्ला और वाल्मीकि मोहल्ले से काफी संख्या में बुजुर्ग और बच्चे उपस्थित रहे।

बालिकाओं के अच्छे भविष्य के लिए खुलवाएं सुकन्या समृद्धि खाते

नूंह। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि बालिकाओं के अच्छे भविष्य के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बालिकाओं का जिले के किसी भी डाकघर या बैंक में खाता खुलवाया जा सकता है, क्योंकि माता-पिता द्वारा इस खाते में जोड़ा गया पैसा बालिका को अपने जीवन में आगे बढ़ने में सहायता करेगा। उन्होंने बताया कि बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति देने के लिए सरकार द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना को शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता कम से कम 250 रुपये में खोला जा सकता है। एक वर्ष में अधिक से अधिक खाते में एक लाख 50 हजार रुपये जमा करवाए जा सकते हैं। सरकार द्वारा जमा राशि व परिपक्कता राशि पर इनकम टैक्स में छूट दी गई है। उपायुक्त ने बताया कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटी की आयु 18 वर्ष की होने के बाद जब भी शादी करें, खाता बंद करवा सकते हैं। विवाह से एक माह पहले या तीन महीने बाद तक खाता बंद करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत माता-पिता अपनी बेटी की शिक्षा, शादी हेतु थोड़ा-थोड़ा करके पैसा जमा करवाकर चक्रवृद्धि ब्याज पर पैसा जोड़ सकते हैं। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत दसवीं की परीक्षा पास करने तथा 18 वर्ष की आयु होने पर लडकी की पढ़ाई/शिक्षा के लिए आधा पैसा भी निकाल सकते है तथा शेष राशि शादी के समय निकाली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता खुलवाने के लिए आवेदन पत्र के साथ बेटी का जन्म प्रमाण पत्र, माता या पिता का फोटो, आईडी तथा रिहायशी प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

स्वच्छता अभियान: पोल खोल रहे, गंदे सार्वजनिक शौचालय

तावडू । नगर पालिका प्रशासन द्वारा बनाए गए सार्वजनिक शौचालयों की हालत रखरखाव के अभाव में बेहद खराब है। शौचालयों में पनप रहीं गंदगी स्वच्छता अभियान की पोल खुल रही है। यहां शौचालय में जाने वाले को मुंह पर रूमाल रखना पड़ता है। शहर में करीब आधा दर्जन महिला व पुरुष सार्वजनिक शौचालय हैं। सभी शौचालयों की हालत सफाई के अभाव में बेहद खराब है। किसी भी शौचालय में सफाई की व्यवस्था नहीं है। गंदगी का मुख्य कारण शौचालयों में पानी न होना है साथ ही सफाई न होने के कारण गंदगी जमा हो रही है। इस गंदगी से बदबू आती है। शहर के नये बस स्टैंड पटौदी चौक पर बने महिला व पुरूष दोनों शौचालयों में भी काफी गंदगी पसरी हुई है। यहां पर बसों के इंतजार खड़े यात्रियों व अन्य लोगों को मुंह पर रुमाल रखकर यहां खड़ा रहना पड़ता है। गंदगी के चलते पनप रहीं बदबू से आसपास खड़े होने वाले रेहड़ी फल विक्रेता भी परेशान है। गंदगी के कारण रेहडी वाले दुकानदारों से लोग फल खरीदने में संकोच कर रहे हैं। वहीं शहर के लखपत चौक पर स्थित बायो टॉयलेट की हालत सबसे ज्यादा जर्जर है। यहां पर दरवाजा टूट कर नाली के ऊपर पड़ा हुआ है। इसके अलावा रामलीला मैदान के पास बने शौचालय की हालत भी काफी खस्ता है। शहरवासी पवन, जाकिर, अजमत, जोनिस, शाकिर, जुबेर ,नाजर आदि का कहना है कि शहर में लगभग सभी शौचालय लावारिस हो गए हैं। इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। किसी भी महिला व पुरुष शौचालयों में पानी की उचित व्यवस्था नहीं है तो सफाई पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस कारण यह खस्ताहाल हो गए हैं। तावडू नगर पालिका अध्यक्ष मनीता गर्ग का कहना है कि सभी सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव को लेकर पालिका प्रशासन गंभीर है। खस्ताहाल शौचालयों के रख रखाव के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया अमल में लाकर साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

गांव बारोटा में हुआ प्रजापति सम्मान समारोह

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

बीपीएचओ ने प्रजापति समाज से हरियाणा में निर्वाचित 11 वार्ड पार्षद और एक चेयरमैन को सम्मानित किया

भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाइजेशन (बीपीएचओ) द्वारा गांव बारोटा, जिला नूंह में प्रजापति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन के सैकड़ों कार्यकर्ता और प्रजापति समाज के प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता महिला पुरुषों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में नगर परिषद् नूंह के वार्ड-7 से नवनिर्वाचित वार्ड पार्षद समय चन्द को गांव बारोटा निवासी बलवान सिंह प्रजापति, मनीराम प्रजापति, नरेश प्रजापति, राजबीर प्रजापति, सतबीर प्रजापति, किशन प्रजापति, तेजपाल प्रजापति, नानकचंद प्रजापति, मांगेराम प्रजापति, धर्मबीर प्रजापति ने पगड़ी पहनाकर व राजेश, विजय, ईश्वर, प्रवीण, सुरेश, जसवंत, बिजेन्द्र, रवि कुमार, रवि, जयपाल, कल्लू, कृष्ण कुमार होशियार सिंह युवाओं ने फूलमाला पहनाकर उनका सम्मान किया। हरियाणा में नगर परिषद एवं चेयरमैन के चुनाव हुए हैं। जिसमें प्रजापति समाज से हरियाणा में 11 वार्ड पार्षद और एक चेयरमैन विजयी हुए हैं।

समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा समर्थित नवनियुक्त पार्षद वार्ड नंबर 7 नूंह एवं पूर्व जिला अध्यक्ष बीपीएचओ समय चंद प्रजापति रहे। समारोह में मुख्यअतिथि ने दसवीं में 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले मोहित प्रजापति पुत्र होशियार सिंह व प्रीति पुत्री अनिल कुमार प्रजापति बारोटा को गिफ्ट देकर उनका उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समय चन्द ने कहा कि प्रजापति समाज के ये होनहार बच्चे एक दिन आगे जाकर प्रजापति समाज व गांव का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि गांव बारोटा के प्रजापति समाज ने मेरा मान-सम्मान किया मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं और समाज को मेरी जब कभी भी जरुरत होगी समाज के लिए सबसे आगे खड़ा रहूंगा तथा समाज हित में कार्य करुंगा।

इस मौके पर बीपीएच ओ नूंह जिला अध्यक्ष राजकुमार खेड़ा खलीलपुर ने समाज को संबोधन करते हुए कहा कि समय जी ने पार्षद की लड़ाई जीत ली है। अब समाज की जिम्मेदारी है कि समय चंद जी को वाइस चेयरमैन के लिए मनोनीत कराने में सहयोग करें ताकि समाज का भला हो सके। कार्यक्रम का संचालन गोविन्द राम प्रजापति डीपीएम नूंह द्वारा किया गया, उन्होंने कहा कि शिक्षा द्वारा ही आगे बढ़ने के रास्ते पर चलकर जीवन की ऊंचाई तक पहुंचा जा सकता है। अत: अपने बच्चों को पढ़ाकर आगे बढायें।

इस प्रजापति सम्मान समारोह में नवीन कुमार हेडकांस्टेबल सोहना थाना, महेश कुमार जकोपुर पूर्व जिलाअध्यक्ष बीपीएचओ, ओमप्रकाश प्रजापति नूंह, रणजीत गोला छपैडा प्रदेश उपाध्यक्ष बीपीएचओ, राजकुमार प्रजापति जिला अध्यक्ष नूंह, देवी राम प्रजापति, हंसराज प्रजापति, डॉ. ज्ञानचंद प्रजापति नाई नंगला, राजेंद्र सिंह नारायण प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति, होराम प्रजापति जिलाध्यक्ष पलवल, मनजीत मास्टर जी, ओम करण प्रजापति राष्ट्रीय सचिव, जय लाल प्रजापति आदि ने भाग लिया।

नशे की रोकथाम के लिए पुलिस विभाग ने कमर कसी

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

मेवात में नशे के खिलाफ पुलिस के अभियान ने जोर पकड़ा

रनियाला पटाकपुर में एसएचओ ओमबीर ने ग्रामीणों के साथ मीटिंग की

नशे की रोकथाम के लिए पुलिस विभाग ने कमर कस ली है जिले के रनियाला पटाकपुर में एसएचओ ओमबीर की अगुवाई में ग्रामीणों के साथ मीटिंग की गई जिसमें सैकड़ों की तादाद में ग्रामीणों ने भाग लिया, आपको बता दें कि नशे से नौजवान मौत के मुंह में जा रहे है। इस उद्देश्य को लेकर डीजीपी साहब ने सभी एसएचओ को आदेश दिए हैं कि गांव-गांव जाकर नशे की रोकथाम की जाए।

वहीं ग्रामीणों ने एसएचओ साहब को पगड़ी पहनाकर आश्वासन दिया हे की ना नशा करेंगे ना करने देंगे। एसएचओ ने बताया कि डीजीपी हरियाणा के दिशा-निर्देश पर नशे के खिलाफ जन जागरण अभियान के तहत पुलिस अधिकारी कर्मचारी गांव-गांव जाकर नशे के खिलाफ जन जागरण अभियान के जनता तक पहुंच रहे हैं। वह नशे से होने वाली बुराइयों के बारे में जनता को अवगत कराया जा रहा है। नशे के के लिए टोल नंबर जारी किया गया है। सभी अपील करना है कि गांव में किसी भी तरह का नशा न बेचा जाए ना ही कोई नशा करे। उसके लिए एसएचओ ने नरियाला पटाकपुर में लोगों को संबोधित किया। सभी ने 100 फीसदी वचन दिया है हमने नशे के खिलाफ 24 घंटे में से एक घंटा का समय निकालकर लोगों को जागरुक करेंगे। साथ ही साथ अगर नशे की चपेट में कोई युवक आता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दें ताकि समय रहते उसका इलाज कराया जा सके। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वाले तस्करों पर पुलिस की पहली नजर समय-समय पर पुलिस की कार्रवाई जारी है। इस मौके पर आरिफ हुसैन सरपंच, पंच और ग्रामीण लोग मौजूद रहे। एसएचओ ओमबीर ने नशा फैलाने वालों व नशा करने वालों के लिए कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा फैलाने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी। नशे के बारे में शिकायत करने के लिए टोल फ्री नंबर टोल फ्री नंबर 9050 891508 है।

नूंह जिले में 12 निरीक्षक, पांच उप निरीक्षक सहित 77 पुलिस कर्मी इधर से उधर किए

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

एसपी वरुण सिंगला ने तय समय के अंदर अपनी ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दिए

नूंह पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला के आदेश पर जिले में 77 पुलिस कर्मियों के तबादले किये गए हैं। सभी पुलिस कर्मियों को तय समय के अंदर अपनी ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दे दिए गए हैं। 25 जून देर सायं जारी हुई तबादला सूची में 12 निरीक्षक, पांच उप निरीक्षक, एक पीएसआई, सात सहायक उप निरीक्षक, एक ईएसआई एक ईएसआई, एक महिला सहित आठ हेड कांस्टेबल, 4 ईएससी 28 सिपाही व छह एसपीओ सहित पांच गृहरक्षियों का तबादला किया गया है।

इंस्पेक्टर सतबीर सिंह को थाना प्रभारी पिनगवां ओमबीर के स्थान पर लगाया गया है वहीं ओमबीर सिंह को सम्मन स्टाफ एस्कार्ट गार्द में तैनात किया गया है। सम्मन स्टाफ एस्कार्ट गार्द प्रभारी बिजेंद्र सिंह राठी को शहर थाना प्रभारी तावडू धर्म सिंह के स्थान पर लगाया गया है। जबकि धर्म सिंह जांघू को डीआई-डीपीओ नूंह नियुक्त किया है। इंस्पेक्टर सुखबीर सिंह को धुलावट केएमपी यातायात थाना प्रभारी की नियुक्ति दी गई है।

इंस्पेक्टर जगबीर सिंह को इंस्पेक्टर मलखान सिंह के स्थान पर रोजका मेव थाना प्रभारी लगाया गया है, वहीं मलखान सिंह थाना प्रभारी रोजका मेव साइबर सैल नूंह में नियुक्त किया गया है। इंस्पेक्टर राधेश्याम को फिरोजपुर झिरका थाना प्रभारी अरविंद कुमार की जगह लगाया गया है जबकि फिरोजपुर झिरका थाना प्रभारी अरविंद कुमार को सदर थाना प्रभारी तावडू के आदेश कर दिए गए हैं। सदर थाना प्रभारी विमल कुमार को एसएचओ नगीना तो बिछोर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार को ट्रैफिक इंचार्ज मांडीखेड़ा दयानंद की जगह नियुक्त किया है। मांडीखेड़ा यातायात थाना प्रभारी दयानंद को एसएचओ बिछोर लगाया गया है। तबादले के आदेश जारी होते ही अधिकतर पुलिसकर्मी आमद और रवानगी में जुट गए हैं। रविवार को बिजेंद्र सिंह राठी ने शहर थाना प्रभारी तावडू का कार्यभार संभाल लिया।

बकरा पालन करने वाले किसान और व्यापारी मंडियां खुलने से दिखे खुश

कोरोना में लॉकडाउन के चलते प्रभावित किया हुआ था धंधा

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

बकरा ईद की तैयारियों में जुटे मुस्लिम समाज के लोग।

बकरा पालन करने वाले किसानों व व्यापारियों को इस बार राहत भरी खबर मिल रही है। पिछले दो-तीन साल से कोरोना के चलते देश के बड़े शहरों की मंडियां खुल नहीं पाई थीं। जिसके कारण किसान-व्यापारी अपने बकरों को सही दामों पर नहीं बेच पा रहे थे, इसलिए उन्हें इस धंधे में काफी घाटा उठाना पड़ा था। इस बार कोरोना का संकट टल चुका है और बकरा ईद का त्योहार भी नजदीक है, इसलिए हरियाणा के मुस्लिम बाहुल्य जिला नूंह से बड़ी संख्या में बकरा पालन करने वाले किसान, व्यापारी इस बार अपने अलग-अलग नस्ल के बकरों को देश के बड़े शहरों में ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस बार उनके बकरों के खरीदार जरूर मिलेंगे और अच्छा भाव भी मिलेगा। इससे पिछले कुछ सालों का घाटा इस बार कुछ हद तक दूर हो सके। आपको बता दें कि हरियाणा का नूंह जिला मुस्लिम बाहुल्य जिला है। इस जिले में हजारों लोग बकरा पालन करते हैं। साल भर बकरों की पूरी सेवा करते हैं और उसके बाद उन्हें बकरा ईद के त्योहार पर कुर्बानी के लिए बेच देते हैं। शहरों में इन अलग-अलग नस्ल के बकरों की भारी डिमांड होती है। वहां कुर्बानी करने के लिए स्लाटर हाउस भी होते हैं, इसलिए किसान व पशु व्यापारी इन बकरों को देश के बड़े शहरों की तरफ बकरा ईद से कुछ दिन पहले ही लेकर रवाना हो जाते हैं।

चना, गेहूं और पत्ती खिलाकर पाला जाता है शौक से

ईद पर बकरों को बेचने के बाद ही घर वापस लौटते हैं। कुल मिलाकर बकरा पालन करने वाले लोगों के लिए इस बार अच्छी खबर है। उनके पास 30 किलो वजन से लेकर 60 किलोग्राम तक के अलग-अलग नस्ल के बकरे मौजूद हैं। इन बकरों को चना, गेहूं, पत्ती इत्यादि खिलाकर बड़े शौक से पाला जाता है।

प्रदूषण घटाने का मात्र एक फोर्मूला: वृक्ष लगाएं-पर्यावरण बचाएं

नूंह। आयशर ट्रैक्टर्स डीलर वीके ऑटोमोबाइल्स नूंह डीलरशिप पर फर्म के मैनेजर अजय कुमार द्वारा एक ग्राहक मिलन व डिलीवरी समारोह और पर्यावरण बचाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके फर्म द्वारा कई ट्रैक्टरों की डिलीवरी की और डीलर द्वारा पर्यावरण को देखते हुए अपने इलाके से आए सभी किसान व गणमान्य लोगों को फलदार पौधे वितरित किए। साथ ही बताया कि प्रदूषण रहित होने के लिए वृक्ष लगाना अति उत्तम कार्य माना जाता है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आयशर कम्पनी से मोहित शर्मा, परमिन्दर हांडा व टीवीएस कंपनी से प्रमोद भूषण जगबीर डागर व श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड सोहना ब्रांच मैनेजर अश्वनी एवं उनकी समस्त टीम व नूंह नगर परिषद से नवनिर्वाचित चेयरमैन संजय मनोचा, निगरानी समिति के चेयरमैन नरेंद्र शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमराज शर्मा, डॉक्टर सुरेश बघेल पूर्व मंडल अध्यक्ष, गोपाल पंडित पूर्व मण्डल अध्यक्ष, जैद मोहम्मद जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा, पंकज गुप्ता पूर्व पार्षद आदि मौजूद रहे।

कृषि अवसंरचना कोष योजना से बढ़ाएं आय: डीसी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

दो करोड़ रुपये तक के ऋण पर मिलती है तीन प्रतिशत तक ब्याज में छूट

कृषि क्षेत्र में आमदनी बढ़ाने के लिए है सरकार की महत्वपूर्ण योजना

सरकार द्वारा शुरू की गई कृषि अवसंरचना कोष योजना का लाभ उठाकर अच्छी कमाई की जा सकती है। साथ ही कृषि से संबंधित कार्यों के लिए बेहतर ढांचागत सुविधा खड़ी की जा सकती हैं। सरकार की इस योजना के बाद अब कृषि क्षेत्र से संबंधित ढांचागत कार्य करने वाले लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार द्वारा नाबार्ड के माध्यम से कृषि क्षेत्र में किए जाने वाले लगभग सभी कार्यों को लेकर शुरू की गई कृषि अवसंरचना कोष योजना के तहत फसल के उपरांत कृषि उत्पादन के उचित प्रबंधन, बुनियादी ढांचे, सामुदायिक कृषि सम्पत्तियों के विकास एवं फार्म गेट की अवसंरचना के निर्माण के लिए छूट के साथ ऋण देने का प्रावधान किया गया है।

उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए एक और नई पहल करते हुए कृषि अवसंरचना कोष योजना की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत इच्छुक लोगों को दो करोड़ रुपये तक का बैंक ऋण देने का प्रावधान है, जिन पर ब्याज दर में 3 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। ऋण स्वीकृत होने पर अधिकतम 7 वर्षों तक ब्याज में यह छूट रहेगी। दो वर्ष की ऋण वापसी स्थगन की अवधि होगी। इस दो करोड़ रुपये तक के बैंक ऋण पर फंड ट्रस्ट फॉर माईक्रो एंड स्मॉल इंटरप्राइजेज द्वारा क्रेडिट की गारंटी होगी। यह गारंटी शुल्क उद्यमी की बजाए भारत सरकार द्वारा वहन की जाएगी। किसी अन्य योजना में सब्सिडी लेते हुए भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। भारत सरकार ने कृषि अवसंरचना कोष योजना के लिए राज्य सरकार को नाबार्ड के माध्यम से समुचित आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत कृषि व संबंधित क्षेत्र के लगभग सभी कार्यों को शामिल किया गया है। योजना के तहत बागवानी, मछली पालन, पशुपालन आदि से संबंधित कार्य करते हुए लाभ लिया जा सकता है। सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के माध्यम से किसान फसल की कटाई के बाद उसकी सही कीमत मिलने तक उसे सुरक्षित रख सकेंगे। योजना की अवधि वित्तीय वर्ष 2020 से 2029 तक 10 साल निर्धारित की गई है। योजना का उद्देश्य उद्योगों एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए प्राप्त किए गए ऋण पर सब्सिडी व बैंक गारंटी के माध्यम से किसानों व कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्यमों को निवेश बढ़ाने और आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही योजना का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में आधारिक तंत्र को मजबूत करना भी है, जिससे देश के बड़े बाजारों तक किसानों की पहुंच सुनिश्चित की जा सके और साथ ही नवीन तकनीकों के माध्यम से फाइट सेनेटिक मानदंडों को पूरा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक भी भारतीय किसानों की पहुंच बढ़ाई जा सके। उपायुक्त ने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए प्राथमिक कृषि साख समितियां, विपणन सहकारी समितियां, किसान उत्पादन संगठन, स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह, बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, कृषि उद्यमियों, स्टार्टअप, एग्रीगेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर्स आदि पात्र हैं। फसलों की कटाई के बाद अनाज के प्रबंधन के लिए अवसंरचना के विकास के तहत सप्लाई चेन, ई-बाजार, भंडार-गृह, साइलोस, पैक-हाउस, जींस गुणवत्ता हेतु लैब, सोर्टिंग-ग्रेडिंग इकाई, कोल्ड-चेन, लॉजिस्टिक सुविधा, राइपिंग चेम्बर आदि शामिल हैं। सरकार और बैंकों के बीच किये गए समझौते में निर्धारित है कि बैंक आवेदन के 60 दिनों के अंदर अपना निर्णय हितग्राही, जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय और राष्ट्र स्तरीय निगरानी समिति, नाबार्ड व वित्तीय सेवा विभाग के साथ साझा करेगा। नाबार्ड द्वारा वित्तीय सहायता देने के लिए किसान उत्पादक संगठन जुड़ी परियोजनाओं के चयन के बाद पोर्टल पर इसकी जानकारी साझा करेगा और नाबार्ड द्वारा धनराशि जारी करने के बाद सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से सब्सिडी सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेज दी जाएगी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

सियासी संकट
जनादेश का अपमान

महाराष्ट्र में जारी सियासी संकट के बीच आज मुख्यमंत्री और शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे ने फेसबुक लाइव के जरिए जनता को संबोधित किया और शिवसेना के बागी विधायकों को दो टूक अपना फैसला सुना दिया कि अगर कोई उनसे आमने-सामने आकर कहे कि वे मुख्यमंत्री पद से हट जाएं, तो वे इस्तीफा दे देंगे। उद्धव ठाकरे के पिता बाल ठाकरे बिना लाग-लपेट के खरी-खरी बात कहने और अपने तल्ख तेवरों के लिए जाने जाते थे, शिवसेना के प्रतीक शेर को चरितार्थ करते हुए। उनके भतीजे राज ठाकरे ने भी उनके जैसे तेवर अपनाए, जबकि उद्धव ठाकरे की छवि सौम्य और शांत नेता की बनी रही। मगर बुधवार शाम फेसबुक लाइव पर उद्धव ठाकरे ने शेर की तरह दहाड़ कर अपने विरोधियों को चुनौती दे दी कि उनकी सरकार और उनकी पार्टी को जो भी चुनौतियां दी जाएंगी, वो उसका सामना करने के लिए तैयार हैं। शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने खुद को बाल ठाकरे का सच्चा अनुयायी और हिंदुत्व का रक्षक बताने की कोशिश की थी। जिस पर उद्धव ठाकरे ने जवाब दे दिया कि सेना और हिंदुत्व हमेशा बरकरार हैं। शिवसेना को हिंदुत्व से अलग नहीं किया जा सकता है और हिंदुत्व को शिवसेना से अलग नहीं किया जा सकता है। बाल ठाकरे के गुजर जाने के बाद 2014 में हम अकेले लड़े थे। मैं पिछले ढाई साल से सीएम हूं और जितने भी नेता चुने गए हैं, वे सब बाल ठाकरे की शिवसेना पार्टी से हैं। इसके साथ ही उद्धव ठाकरे ने ये भी बता दिया कि महाविकास अघाड़ी गठबंधन में मजबूती कायम है और कांग्रेस-एनसीपी दोनों चाहते हैं कि वे मुख्यमंत्री बने रहें। उद्धव ठाकरे से इस तरह के जवाब या पलटवार की उम्मीद शायद एकनाथ शिंदे और भाजपा को नहीं रही होगी। कर्नाटक और मध्यप्रदेश में ऑपरेशन लोटस चलाकर भाजपा ने दूसरे दलों के विधायकों को बड़ी आसानी से अपने पक्ष में तोड़ लिया था। महाराष्ट्र में भी काफी सारे शिवसेना विधायक अभी भाजपा की निगरानी में गुवाहाटी में हैं, लेकिन फिर भी भाजपा को अपनी उम्मीदों के अनुरूप परिणाम नहीं मिल रहे हैं। क्योंकि उद्धव ठाकरे ने शिवसेना विधायकों को चुनौती दे दी है कि वे उनके सामने आकर या फोन पर कहें

कि वे उन्हें मुख्यमंत्री नहीं देखना चाहते। अब बागी विधायकों में कितने लोग ऐसा कर पाएंगे, ये पता नहीं। इस बीच एकनाथ शिंदे ने भरत गोगावले को शिवसेना का चीफ व्हिप नियक्त कर विधायकों की संख्या बल के आधार पर अपनी शिवसेना को असली शिवसेना बताने का दांव भी खेला। शिवसेना को तोड़ने की ये कोशिश कामयाब होगी या नहीं और अगर हो गई क्या तब भी सत्ता हासिल करने में एकनाथ शिंदे को सफलता मिलेगी या नहीं, इन सवालों के जवाब भी जल्द ही सामने होंगे। हो सकता है उद्धव ठाकरे विधानसभा भंग कर फिर से चुनाव कराने का प्रस्ताव दे दें। हालांकि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी इस वक्त कोरोना संक्रमित हैं और इलाज करा रहे हैं, तो वे कब तक कोई निर्णय लेंगे, ये भी देखना होगा।

फिलहाल ये देखकर दुख हो रहा है कि सत्ता हासिल करने के लिए किस तरह लोकतंत्र और संविधान की मर्यादाओं को सरेराह अपमानित किया जा रहा है। दो दिन पहले शिवसेना के बागी विधायक सूरत के एक होटल पहुंच गए थे और मंगलवार रात उन्हें गुवाहाटी पहुंचा दिया गया। जिस तरह मवेशियों को एक जगह से दूसरी जगह गड़ेरिया ले जाता है, कुछ उसी अंदाज में जनता द्वारा निर्वाचित विधायकों को ले जाया गया। फर्क इतना ही है कि भेड़-बकरियों को बाड़े में कैद रखा जाता है, और विधायकों को पांच सितारा होटल के सुविधायुक्त बाड़े में कैद रखा गया। असम इस वक्त बाढ़ की चपेट में है, हजारों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। जन-धन का भारी नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे और हिंदुत्व की दुहाई देते हुए सत्ता हथियाने का जो खेल रचा गया है, उसमें सीधे-सीधे जनादेश का अपमान हो रहा है। लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अगर इस तरह कैद करके रखा जाए, उन्हें करोड़ों रुपए देकर तोड़ा जाए, और फिर बहुमत का आंकड़ा जुटा लेने के बाद संविधान की शपथ लेते हुए सरकार बनाई जाए, तो यह जनता और संविधान दोनों का अपमान है। यह अपमान किसी न किसी राज्य में लगातार हो रहा है, अब इस पर रोक लगनी जरूरी है।

कोविड के कारण रोजगार क्षेत्र में अस्थिरता

कोविड-19 के कारण रोजगार क्षेत्र में अस्थिरता आई है। ऐसे में देश में बढ़ती श्रम शक्ति के लिए तत्काल ज्यादा बेहतर व उत्पादक रोजगार सृजन की आवश्यकता है।

बलवंत सिंह मेहता
(इंस्टीट्यूट फार ह्यूमन डेवलपमेंट के निदेशक)

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय-एनएसओ ने 14 जून को 2020-21 का पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे-पीएलएफएस जारी किया। पहली नजर में वार्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट से रोजगार की स्थिति में सुधार दिखता है क्योंकि पिछले वर्षों की तुलना में महामारी वाले वर्षों में रोजगार में वृद्धि हुई है तथा बेरोजगारी दर में कमी आई है। पीएलएफएस सर्वे वर्ष जुलाई से जून तक कृषि वर्ष से जुड़ा है। यह पूरी तरह अप्रत्याशित है क्योंकि कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण गंभीर आर्थिक अव्यवस्था पैदा हुई थी।

सर्वे के परिणाम अनेक अन्य रिपोर्टों से अलग हैं जो संकेत करती हैं कि देश में रोजगार की स्थिति वैश्विक महामारी के बाद और खराब हो गई है। इस सर्वे रिपोर्ट के नतीजों ने बहुत से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। यह गंभीर जांच का विषय है कि सर्वेक्षण के ये परिणाम विसंगतियां हैं अथवा इनसे संकेत मिलता है कि देश में रोजगार की स्थिति बदल रही है। इस लेख में पिछले तीन वर्ष की पीएलएफएस रिपोर्टों में पेश नतीजों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। हमने कुछ प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों के विश्लेषण के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी का क्या प्रभाव पड़ा।

आमतौर से श्रम शक्ति सहभागिता दर का आंकलन सर्वे के पहले 365 दिनों के संदर्भ से होता है। यह काम कर रहे, काम के लिए उपलब्ध या बेरोजगार लोगों का कुल योग है। इसकी चार साल में अधिकतम दर 41.6 प्रतिशत 2020-21 में थी। कामगार जनसंख्या अनुपात-डब्लूपीआर में वृद्धि हुई है जो 2018-19 में 35.3 से बढ़ कर 2020-21 में 39.8 प्रतिशत पहुंच गई। यह देश की जनसंख्या में रोजगार प्राप्त लोगों का प्रतिशत है। दूसरी ओर श्रम शक्ति में बेरोजगारों का प्रतिशत, यानी बेरोजगारी दर 2018-29 में 5.2 प्रतिशत से घट कर 2020-21 में 4.2 प्रतिशत रह गई है।

ग्रामीण-शहरी विभाजन पर गौर करें तो ग्रामीण क्षेत्रों में डब्लूपीआर शहरी क्षेत्रों की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक है। यह अच्छी तरह दस्तावेजीकृत है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव शहरी क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम था जो सर्वे के परिणामों से स्पष्ट है।

काफी संख्या में लोगों, खासकर अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले प्रवासियों का रोजगार शहरी क्षेत्रों में महामारी के दौरान समाप्त हो गया। शहरी क्षेत्रों में रोजगार का कोई साधन न होने के कारण उनकी बड़ी संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में अपने मूल स्थानों पर वापस लौटी। वहां उनके परिवारी सदस्य, खासकर महिलायें स्थानीय रूप से उपलब्ध गतिविधियों जैसे कृषि व उससे जुड़े कामों में आजीविका के लिए लगे रहे। सर्वे परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ कि डब्लूपीआर में वृद्धि का कारण पुरुषों की तुलना में महिलायें थीं जिनकी संख्या में पुरुषों की तुलना में 2.54 प्रतिशत वृद्धि हुई। यह परिघटना ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा स्पष्ट थी जहां महामारी के वर्षों में महिला डब्लूपीआर में अपने शहरी समकक्षों की तुलना में 3.2 गुना वृद्धि हुई। यह 19 प्रतिशत से बढ़ कर 27.1 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरों में यह 15 प्रतिशत से बढ़ कर 17 प्रतिशत हुई। इस प्रकार महामारी के वर्षों में रोजगार दर में वृद्धि अधिकांशत: ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में हुई। औद्योगिक ढांचा व्यापक रोजगार प्रवृत्तियां प्रदर्शित करता है। जहां भारत जैसे विकासशील देशों में कृषि में रोजगार आजीविका के रूप में देखा जाता हैऔर यह कम उत्पादक होता है, वहीं औद्योगिक व सेवा क्षेत्रों में गैर-कृषि रोजगार को ज्यादा उत्पादक माना जाता है। यह भी अच्छी तरह दस्तावेजीकृत है कि देश की प्रगति के साथ लोग ग्रामीण क्षेत्रों में कम उत्पादक कृषि क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों में ज्यादा उत्पादक गैर-कृषि औद्योगिक व सेवा क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं। लेकिन भारत में रोजगार के औद्योगिक वितरण में एक प्रतिगामी प्रभाव दिखता है। हालिया वर्षों में कृषि क्षेत्र में दशकों लंबी गिरावट के बावजूद ज्यादा से ज्यादा लोग ग्रामीण क्षेत्रों के कृषि क्षेत्र में जा रहे हैं। कृषि क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा 3 प्रतिशत बढ़ा है और यह 2018-19 में 57.8 प्रतिशत से बढ़ कर 2020-21 में 60.8 प्रतिशत हो गया है।

इस प्रवृत्ति से संकेत मिलता है कि लोगों को गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार पाने में कठिनाई हो रही है और वे मजबूरी में अन्य रोजगार विकल्प न होने के कारण आजीविका के लिए कृषि से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग तीन-चौथाई महिलायें कृषि गतिविधियों में लगी हैं, जबकि इसमें पुरुषों का प्रतिशत 53.8 प्रतिशत है। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि का महिलाओं के काम पर भारी प्रभाव पड़ता है जो महिलाओं की बढ़ती डब्लूपीआर से स्पष्ट है। इससे स्पष्ट होता है कि कृषि क्षेत्र में रोजगार में वृद्धि वैश्विक महामारी के कारण पैदा आर्थिक मंदी का नतीजा है।

शहरों से गांवों में विपरीत पलायन के कारण कृषि क्षेत्र पर ज्यादा कामगारों खासकर महिलाओं को समाहित करने का दबाव पड़ा है। इससे परेशानी में कोई भी रोजगार करने की प्रवृत्ति सामने आई है। 'स्टेटस आफ इम्प्लायमेंट' से व्यापक रूप से रोजगार की गुणवत्ता प्रदर्शित होती है जहां नियमित वेतन को स्वरोजगार या अनियमित श्रम की तुलना में बेहतर गुणवत्ता वाला काम माना जाता है। नियमित वेतनों के साथ काम की नियमितता तथा सामाजिक सुरक्षा लाभ जुड़े होते हैं, जबकि स्वरोजगार व अनियमित श्रम के साथ सामाजिक सुरक्षा प्राविधान आमतौर से शामिल नहीं होते हैं। पीएलएफएस सर्वे रिपोर्ट से पता चलता है कि स्वरोजगार प्राप्त लोगों का हिस्सा बढ़ा है और यह 2018-19 में 52.1 प्रतिशत से बढ़ कर 2019-20 में 55.6 प्रतिशत हो गया है। इसके साथ ही पिछले तीन साल में नियमित वेतन प्राप्त करने वालों में 23.8 प्रतिशत से 21.1 प्रतिशत तथा अनियमित श्रम में 24.1 प्रतिशत से 23.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

यह परिघटना ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा स्पष्ट है जहां स्वरोजगार प्राप्त लोगों के प्रतिशत में शहरी क्षेत्रों में 1.7 प्रतिशत की तुलना में 3.3 प्रतिशत वृद्धि हुई है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के हिस्से में वृद्धि अधिकांशत: घरों में बिना वेतन काम करने वाले सहायकों की संख्या में वृद्धि के कारण है, जबकि अपने लिए श्रम करने व रोजगार देने वालों की संख्या में कमी आई है। इससे संकेत मिलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला डब्लूपीआर में वृद्धि अधिकांशत: सहायकों या घरेलू उद्यमों में बिना भुगतान वाले परिवारी कामगारों के कारण है। नीति आयोग की एक हालिया रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि भारत में बेरोजगारी की तुलना में 'परोक्ष रोजगार' या बिना भुगतान के परिवारों में काम करना ज्यादा गंभीर मुद्दा है। नियमित वेतन वाले कामगारों के हिस्से में कमी एक और गंभीर चिन्ता का विषय है। इससे रोजगार की खराब होती स्थितियों का संकेत मिलता है। हालिया वर्षों में वैश्विक महामारी के कारण कम गुणवत्ता वाले रोजगार में वृद्धि हुई है।

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि महामारी के वर्षों में रोजगार में वृद्धि परेशानी के कारण है और इसका देश में समग्र रोजगार स्थिति में सुधार से संबंध होना जरूरी नहीं है। इसे रिपोर्ट में श्रम शक्ति सहभागिता दर व कामगार-जनसंख्या अनुपात में वृद्धि तथा बेरोजगारी दर में गिरावट से प्रदर्शित किया गया है। यह उल्लेख भी जरूरी है कि हालिया वर्षो में कृषि व संबंधित क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि, खासकर ग्रामीण महिलाओं की रोजगार में वृद्धि मुख्यत: परेशानी के कारण है और यह उत्पादक या अच्छा रोजगार नहीं है। हालिया रिपोर्ट से स्पष्ट है कि महामारी के वर्षों में 2020-21 में अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार 68.4 प्रतिशत से बढ़ कर 71.4 प्रतिशत हो गई। अनौपचारिक क्षेत्र में अधिकांश कामगार किसी सामाजिक सुरक्षा लाभ के अधिकारी नहीं होते हैं और उनको राष्ट्रीय श्रम कानूनों व नियमों के क्षेत्र में भी नहीं आते हैं। ऐसे कामगारों पर किसी आर्थिक उथलपुथल का सर्वाधिक प्रभाव होता है, जैसा कोविड-19 के बाद आई आर्थिक उथलपुथल से स्पष्ट है।

कुल मिला कर पीएलएफएस सर्वे रिपोर्ट से देश में कोरोना महामारी के वर्षों में नए रोजगार सृजन का संकेत मिलता है, लेकिन अधिकांश रोजगार परेशानी के कारण पैदा अनौपचारिक किस्म के हैं, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए। इस संदर्भ में देखें तो, देश में उभरती श्रम शक्ति के लिए तत्काल ज्यादा बेहतर व उत्पादक रोजगार पैदा करने की आवश्यकता है जो एसडीजी लक्ष्यों का आठवां लक्ष्य-वर्ष 2030 तक 'सबको अच्छा व उत्पादक रोजगार' प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़े।

कॅरियर व जीवन के लिए तैयार हों युवा

रवि चंद्र कोचर
(लेखक एमिटी विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर हैं)

अकादमिक श्रेष्ठता के बाद व्यावहारिक कौशल सर्वाधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि रोज व हर क्षण आप पर लोगों की नजर रहती है। साल के इस समय स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्र अपनी योग्यताओं के अनुसार कार्पोरेट दुनिया या अपनी पसंद के किसी अन्य क्षेत्र में रोजगार के लिए जाने का प्रयास करते हैं। उनकी क्षमता के अकादमिक हिस्से का परीक्षण चयन प्रक्रिया में परीक्षाओं के माध्यम से होता है। इस सीमा को पार करने वाले चयन प्रक्रिया के अगले चरण, यानी समूह चर्चा व साक्षात्कार आदि में शामिल होते हैं।

भारत में अब भी रोजगारों की कमी है। इससे दुनिया का सामना करने के लिए नौजवानों द्वारा आत्मविकास सर्वाधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन जब आप चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हों तो दूसरों से अच्छा कर सकते हैं। अकादमिक श्रेष्ठता के बाद व्यावहारिक कौशल सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। आपको हमेशा के लिए तैयार रहना होगा। आपको याद रखना होगा कि हर दिन और हर क्षण आपको देखा जा रहा है। इसके लिए महंगे कपड़ों के बजाय सौम्य वेशभूषा जरूरी है। संप्रेषण कौशल इसके बाद सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए अंग्रेजी में बहुत अच्छे प्रवाह की जरूरत नहीं है, पर उसे व्याकरणीय रूप से सही होना चाहिए। सरल उच्चारण वाले शब्द इसके लिए ठीक रहेंगे। इसके लिए लगातार अभ्यास की जरूरत है। आवश्यकता होने पर शीशे के सामने खड़े होकर खुद से बात करें। इससे संप्रेषण के तरीके में काफी सुधार होगा। अखबार, पुस्तकें व साहित्य काफी पढ़ने की जरूरत है। यह संप्रेषण कौशल सुधारने के लिए सबसे अच्छा रास्ता है। मित्रों के साथ वर्तमान राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विषयों पर बात करनी चाहिए। इससे कोई भी दूसरों से संवाद करने में सक्षम बन सकता है।

साक्षात्कार के लिए जाने से पहले इसकी पूरी तैयारी करनी चाहिए। साक्षात्कार के लिए एक या दो व्यक्ति अथवा एक बोर्ड हो सकता है। आपको संभावित सेवायोजक, कंपनी या संगठन के दृष्टिकोण समुचित जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। आजकल गूगल पर सब उपलब्ध है जिस पर गौर करना लाभदायक हो सकता है। साक्षात्कार के लिए समय पर पहुंचना उचित होगा। ऐसे जवाब न दें जिनकी सच्चाई पर विश्वास न हो क्योंकि आपको सब कुछ पता होना जरूरी नहीं हैं। आप अपनी दिलचस्पी के विषय पर पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं। सवालों के महत्वपूर्ण आयामों पर गौर करें। साक्षात्कार के लिए बायोडाटा आधार होता है, इसलिए उसमें अपने बारे में उचित सूचनायें दें। इसमें अपने शौक, मनपसंद खेल, लेखक व पढ़ी पुस्तकों का विवरण दे सकते हैं। हमेशा दूसरों का वैसा ही सम्मान करें जैसा आप अपने लिए चाहते हैं। बहुत से लोग पैसे, शिक्षा व जीवन के शानोशौकत में सफलता प्राप्त करते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को इतनी सफलता नहीं मिलती है। इसका यह अर्थ नहीं कि उनके साथ अलग व्यवहार किया जाए। उन लोगों की सहायता करें जो इतने सौभाग्यशाली या सफल नहीं हैं। इससे आप भी सफलता की ओर बढ़ सकते हैं। प्रगति करने पर भी नम्र बने रहें तथा उन लोगों को न भूलें जिन्होंने कभी आपकी सहायता की है।

आपको जीवन में अनेक लोगों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। टीम प्लेयर बनने के लिए सबको साथ लेकर चलें। जैसा कि रतन टाटा ने कहा है, 'यदि आप तेजी से चलना चाहते हैं तो अकेले चलें, लेकिन यदि आप दूर तक चलना चाहें तो एकसाथ चलें।' कठोर श्रम जीवन में आगे बढ़ने तथा कार्पोरेट दुनिया में सफलता का मंत्र है। आपको हमेशा अतिरिक्त काम के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि ऐसा होने पर ही आप स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ सिद्ध कर सकते हैं। अगले उच्च पद पर पहुंचने के लिए वार्षिक मूल्यांकन महत्वपूर्ण है। गलतियां कभी न दुहरायें, भले ही वे चाहे जितनी छोटी हों। गलतियां बिल्कुल न करना लक्ष्य पर पहुंचने के लिए जरूरी है। विनम्र बनें। कभी दूसरों की तुलना में स्वयं को श्रेष्ठ बताने की डींग न हांकें। हमेशा वैयक्तिक संबंध ठीक रखें। हमेशा कठिनाई में पड़ने पर साथियों की सहायता करें। अच्छा करने पर हर बार दूसरों से पुरस्कार की इच्छा न करें। समय का प्रबंधन एक और महत्वपूर्ण कौशल है जिसे विकसित करना जरूरी है। हमेशा काम की योजना बना कर काम करें। दिन में केवल 24 घंटे होते हैं और सबको यही समय मिलता है। यह आप पर निर्भर करता है कि कैसी योजना बनाते हैं और उसे प्रभावी ढंग से लागू करते हैं।

भावनात्मक स्थिरता व दृढ़ता आपके गुण अवश्य होने चाहिए। जीवन में अच्छे और बुरे दिन आते हैं। सभी लोग अच्छे दिन पसंद करते हैं, लेकिन आपको तय करना होता है कि बुरे दिनों से कैसे निपटें। इससे पता चलता है कि आपके भीतर कैसी क्षमता है। आपको सीधे खड़े होकर ऐसे समय का सामना करना चाहिए। समस्याओं को टालने या छिपाने का प्रयास न करें। समस्याओं को कालीन के नीचे छिपाने का नतीजा केवल धूल होगी और ऐसा समय आ जाएगा जब इससे निपटना बहुत कठिन होगा। ऐसा समय हमें सीखने का अवसर देता है।

निश्चित रूप से वे हमारे अनुभव में अपना योगदान करते हैं। इस प्रकार का अनुभव आपको बदली हुई परिस्थितियों के अनुकूल स्वयं को ढालने में सहायता देगा। अंतत: हमेशा यह याद रखें कि आप क्या बनना चाहते हैं और हमेशा इस प्रकार व्यवहार करें कि आप कहां हैं और क्या हैं। इसके अनुसार ही विचार और कार्य करें।

यशवंत सिन्हा को पार करनी हैं अनेक बाधाएं

अंजन रॉय
(लेखक राजनीति विश्लेषक है)

राष्ट्रपति चुनाव के लिए सत्तारूढ़ एनडीए केउम्मीदवार की पसंद को राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक माना जाना चाहिए। उन्होंने पहले अनुसूचित जाति के उम्मीदवार को चुनने के बाद अब एक आदिवासी उम्मीदवार को चुना है। इस प्रकार वे तथाकथित उच्च जाति के कुलीन वर्ग से दूर हो गए हैं और दलितों कारणों का समर्थन करते हैं। एक तरह से यह एक वैचारिक सफलता और कल्पना की छलांग है।

इसके विपरीत विपक्ष का चुनाव बहुत ही अकल्पनीय लगता है। जाहिर है, इस निर्णय के पीछे कोई सोची-समझी सोच नहीं रही है और यह एक हताश विकल्प है, जब बाकी सभी ने उम्मीदवारी के प्रस्तावों को ठुकरा दिया है। भाजपा के वित्तमंत्री रहे यशवंत सिन्हा नीरस हैं। वह उच्च जाति के हैं, वह कुलीन हैं और हमेशा पद की तलाश में रहते हैं। हमेशा हाथ में एक आवेदन के साथ खड़े होने के लिए जाने जाने वाले व्यक्ति को राष्ट्रपति चुनाव के लिए संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में चुना गया है।

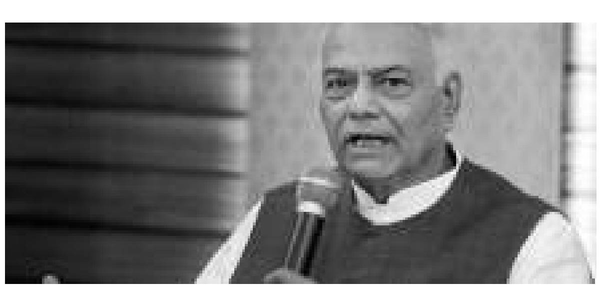

भाजपा ने वस्तुत: यह सुनिश्चित कर दिया है कि उसके उम्मीदवार को उच्च पद तक पहुंचाना चाहिए। ऐसे में माना जाता है कि बीजेपी के पास इलेक्टोरल कॉलेज के वोटों के साधारण बहुमत से कुछ ही प्रतिशत अंक कम है। सुदूर पिछड़े जिले ओडिशा की रहने वाली द्रौपदी मुर्मू को स्वाभाविक रूप से राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का समर्थन मिला है।

बीजेडी कॉलेजिएम वोट के लगभग 3 फीसदी को नियंत्रित करता है और उस समर्थन के साथ सुश्री मुर्मू आराम से जीत जाएंगी। यशवंत सिन्हा अभी भी एक उच्च पद की प्रतीक्षा कर रहे हैं। समझदारी हो तो सिन्हा को दौड़ से हट जाना चाहिए और अपनी बढ़ती उम्र में बुरी हार का सामना करने से बचना चाहिए, लेकिन उस विकल्प से पहले भी, किसी को यह याद रखना होगा कि विपक्ष की पहली पसंद, ममता बनर्जी द्वारा प्रस्तावित शरद पवार ने प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। ऐसा करते हुए, पवार ने उल्लेख किया था कि उन्हें युद्ध हारना पसंद नहीं। और साथ ही, उनमें अभी बहुत राजनीति बाकी है। राष्ट्रपति चुनाव के बारे में वह कड़वा सच शायद शरद पवार को तब भी पता था जब विपक्षी प्रतिनिधि विचार-विमर्श कर रहे थे।

महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार का गिरना शायद पवार के लिए अनजाना नहीं था। शिवसेना की खामियों को उजागर करने वाला निर्णायक राजनीतिक भूकंप शायद मराठा ताकतवर के कानों तक पहुंच गया था। महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार की भूमिका के बिना कुछ नहीं हो सकता। उद्धव ठाकरे के संगठन से एकनाथ शिंदे के जाने और बागी झंडा फहराने से पूरी स्थिति बदल जाती है। गौरतलब है कि शिंदे की मांग है कि शिवसेना खुद को एनसीपी और कांग्रेस से अलग कर बीजेपी के साथ गठबंधन करे। अगर महाराष्ट्र सरकार झुक जाती है, तो राष्ट्रपति चुनाव आसान होगा। अन्यथा भी, भाजपा उम्मीदवार को बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र के सांसदों और विधायकों का समर्थन मिलेगा। लेकिन उस अंकगणित के अलावा, शीर्ष स्थान के लिए एक उम्मीदवार के रूप में बहुत ही वंचित स्थिति से संथाल महिला का चुनाव विपक्षी एकता के लिए एक गंभीर चुनौती होगी। उदाहरण के लिए, विपक्ष के लिए सर्वसम्मति के उम्मीदवार की चैंपियन ममता बनर्जी को ही लें। वह समर्थन को लेकर असमंजस की स्थिति में होगी। बंगाल में आदिवासियों की एक बड़ी आबादी है, जिनमें से अधिकांश संथाल हैं। अभी कुछ हफ्ते पहले ही वह राज्य के कुछ आदिवासी इलाकों में गई थी और सलाह ढोल और संगीत की धुन पर खूब डांस किया था।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

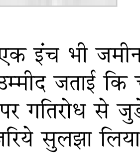

"आपको पता है कि आपके माता-पिता जब आपकी उम्र के थे तो एक बार उनसे जीवन का भी अधिकार छीन लिया गया था! आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है? ये तो असंभव है।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

भारत अपनी एक इंच भी जमीन किसी को नहीं देगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि चीन के साथ पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध से जुड़े शेष मुद्दों को बातचीत के जरिये सुलझा लिया जाएगा।

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री

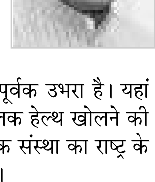

महामारी के प्रबंधन से देश सफलतापूर्वक उभरा है। यहां जिपमेर इंटरनेशनल स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ खोलने की घोषणा करते हुए मांडविया ने कहा कि संस्था का राष्ट्र के प्रति समर्पण एक महत्वपूर्ण घटना है।

मनसुख मांडविया
केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री"

महिलाओं को अधिकारों के प्रति जागरुक होना चाहिए : अशोक कुमार

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

आजादी के अमृतोत्सव एवं महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में मानव मित्र मंडल कुरुक्षेत्र द्वारा मातृशक्ति सम्मान एवं छात्र प्रोत्साहन समारोह मातृभूमि सेवा मिशन के फतुहपुर स्थित आश्रम परिसर में आयोजित संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ यमुनानगर के नगराधीश अशोक कुमार, जिला परियोजना समन्वयक कुरुक्षेत्र, विनोद कौशिक, मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र एवं मानव मित्र मंडल के प्रधान डॉ. रामरत्न शर्मा ने संयुक्त रूप से योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण एवं भारतमाता के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीपप्रज्जवलन से किया। मानव मित्र मंडल कुरुक्षेत्र की ओर से मातृशक्ति डॉ. अनिता नैन, डॉ. सुशीला चौहान, डॉ. माधविका मदान, डॉ. अनीता गोयल, डॉ. दीप्ति रोहिला, डॉ. सीमा सिंह, श्रीमती समीना चिब, मीना कल्याण, रेणु खुग्गर, गायत्री कौशल, सुमिता शर्मा, राजकुमारी पंवार, कुमारी स्तुति शर्मा एवं कुरुक्षेत्र की नवनियुक्त न्यायाधीश कुमारी प्रियंका वर्मा को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि यमुनानगर के नगराधीश अशोक कुमार ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरुक होना चाहिए। आजादी के 75वर्ष बीत जाने के बाद भी आज महिलाएं अत्याचार एवं शोषण का शिकार हो रही है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को जागरुक करते हैं और उनके अंदर आत्मविश्वास पैदा करते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर किसी भी प्रकार के प्रशासनिक कार्य में अपना सहयोग देने संकल्प लिया। वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई का अद्भुत शौर्य एवं पराक्रम पूरी दुनिया की मातृशक्ति के लिए गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है।

मातृशक्ति सम्मान एवं छात्र प्रोत्साहन समारोह में मातृशक्ति को सम्मानित करते अतिथि एवं अन्य।

कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. अनिता नैन एवं आभार ज्ञापन डॉ. अनीता गोयल ने किया। कार्यक्रम में भारतेन्दु, देवेन्द्र शर्मा, नरेश सैनी, सतपाल कल्याण, दीपक चिब, सुनील शर्मा, आदेश कुमार, नसीब, अंजलि, नमित, विनोद भुक्कल, धर्मपाल सैनी, राघव गर्ग, गुरप्रीत सिंह सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे। इस अवसर पर मानव मित्र मंडल द्वारा मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों को पाठय सामग्री वितरित की गई।

दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में हजारों लोग लेंगे भाग

कुरुक्षेत्र। प्रजापति धर्मशाला सभा, कुरुक्षेत्र में मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रधान दर्शन लाडवा ने की। मीटिंग में समाज के सभी गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

सभा में जयंती समारोह को लेकर विचार-विमर्श किया गया और ड्यूटियां सौंपी गई। बैठक में प्रधान दर्शन लाडवा, बीपीएचओ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश सरोहा इंद्री, पूर्व प्रधान भवानी दास कल्याण, धनी राम लाडवा, उप प्रधान मोहन लाल मिजार्पुर, सचिव रामचरण किरमिच, बीपीएचओ के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल कैथल, पवन कुमार कोयर, पूर्व कोषाध्यक्ष ऋषिपाल अमीन, प्रदेश कोषाध्यक्ष विनोद डीग, राजकुमार रसूलपुर, बीपीएचओ के संरक्षक लाल सिंह आर्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सतपाल पधाना आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

नशा मुक्ति दिवस पर दिलाई शपथ

नशा न करने की शपथ लेते अधिकारी व कर्मचारी।

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर खुद नशा न करने और दूसरों को भी नशा न करने देने की शपथ दिलाई गई। सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस कार्यक्रम में नशे के विरुद्ध लड़ने के लिए स्टेट एक्शन प्लान को राज्य के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में जारी किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्रीकृष्णा राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज तंवर ने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को नशा और उसके कुप्रभावों के बारे में जागरूक कराना है। युवा पीढ़ी को नशे की लत लग चुकी है। जो देश और राष्ट्र के लिए घातक है। मादक पदार्थों के सेवन से सबसे बड़ी हानि स्वास्थ्य की है। नशा करने वाला व्यक्ति आर्थिक, मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर होता है। नशा करने से व्यक्ति अपने समाज व परिवार से दूर हो जाता है। वहीं वर्तमान समय में नशा दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा मुख्य कारण बन रहा है। इसलिए जरूरी है स्वस्थ हरियाणा के साथ नशा मुक्त हरियाणा बने। इसके लिए सभी सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं को एक मंच पर साझा करना होगा। तभी इस अभियान में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

नगर सुधार मंच ने की विश्वकर्मा चौक की सफाई

विश्वकर्मा चौक के बाद मंच के पदाधिकारी व सदस्य।

सोनीपत। नगर सुधार मंच द्वारा अपने महापुरुषों की प्रतिमा व चौक सफाई अभियान के तहत रविवार को कालूपुर चुंगी सोनीपत स्थित विश्वकर्मा की प्रतिमा व चौक की पानी से धोकर सफाई की। नगर सुधार मंच के चेयरमेन संजय सिंगला ने बताया कि मंच द्वारा पिछले 5 वर्षों से हर रविवार को सुबह सोनीपत के सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं और चौकों व सार्वजनिक स्थानों की सफाई की जाती है। लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया जाता है। चेयरमैन संजय सिंगला ने बताया कि लगातार अपील करने पर भी कुछ लोग इन महापुरुषों की प्रतिमाओं के चौकों पर होर्डिंग व पोस्टर लगाने से बाज नहीं आ रहे व इन महापुरुषों का अपमान भी करते है। सोनीपत को सफाई में नम्बर-1 आने में भी बाधा डालते है। इस अवसर पर मंच के रविन्द्र सरोहा, अशोक खत्री, हवा सिंह आंतिल, मास्टर दिलबाग सिंह, राज सिंह जांगड़ा, जय भगवान, नरेंद्र हुडा, देवेंद्र सुरा, अशोक गुप्ता, रवि, भारत, अजित व प्रवेश आदि मौजूद रहे।

प्रदेश के नौजवान को नशे से दूर रहना चाहिए: प्रो. शीशपाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के विचार सुनते एनसीसी कैडेटस।

कुरुक्षेत्र। प्रदेश सरकार द्वारा 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नशामुक्ति के विरुद्ध प्रदेश के नागरिकों को आनलाइन शपथ दिलाई। कॉलेज के प्राचार्य शीश पाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नौजवान को नशे से दूर रहना चाहिए तथा हमे दूसरों को भी जागृत करना चाहिए कि वे नशे आदि से दूर रहें। इस अवसर पर भगवान परशु राम कॉलेज के प्राचार्य शीश पाल शर्मा, प्रोफेसर अनिल कुमार कौशिक, प्रोफेसर करमजीत सिंह संधू, प्रोफेसर अर्जुन, जितेन्द्र शर्मा के साथ-साथ कॉलेज के एनसीसी और एनएसएस के कैडेट तथा स्वयं सेवकों कॉलेज में उपस्थित थे तथा सभी ने मुख्यमंत्री के साथ आनलाइन नशा मुक्ति के विरुद्ध शपथ ली। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य शीश पाल शर्मा ने कॉलेज के शिक्षक वर्ग, गैर शिक्षक वर्ग, एनसीसी कैडेट, एनएसएस के स्वयंसेवक तथा कॉलेज के छात्रों के साथ ऑनलाइन शपथ के लिए लिंक साझा किया।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नशे से आजादी के लिए सभी को मिल कर खूब मेहनत करने की जरूरत : मुकुल

नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे : एसपी

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि कुरुक्षेत्र में नशे से आजादी के लिए प्रशासन, पुलिस, संस्थाओं व आम नागरिकों को मिलकर खूब मेहनत करने की जरूरत है। जब सभी मिलकर प्रयास करेंगे तो निश्चित ही कुरुक्षेत्र नशे से जल्द मुक्त होगा। अहम पहलू यह है कि पुलिस प्रशासन के 12 जून से लेकर 26 जून तक चले नशे की आजादी के विशेष अभियान से काफी सार्थक परिणाम नजर आएं है।

उपायुक्त मुकुल कुमार रविवार को पुलिस लाइन में पुलिस प्रशासन की तरफ से करीब दो सप्ताह से चल रहे नशे की आजादी के विशेष अभियान के समापन समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक डा. अंशु सिंगला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कर्ण गोयल, एसडीएम नरेंद्र पाल मलिक, डीएसपी सुभाष चंद्र, डीएसपी रामदत्त नैन, डीएसपी गुरमेल सिंह ने नशे से आजादी के विशेष अभियान के समापन पर साइकिल रैली को हरी झंडी देकर रवाना किया। इस साइकिल रैली का नेतृत्व स्वयं एएसपी कर्ण गोयल ने किया। इस साइकिल रैली में एएसपी कर्ण गोयल, सभी डीएसपी, डीआईपीआरओ डा. नरेंद्र सिंह और पुलिस अधिकारी सहित 150 कर्मचारी शामिल हुए।

साइकिल रैली को हरी झंडी दिखा रवाना करते उपायुक्त मुकुल कुमार व पुलिस अधीक्षक डा. अंशु सिंगला।

पुलिस अधीक्षक डा. अंशु सिंगला ने कहा कि पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र जिला में 12 जून से लेकर 26 जून तक नशे की आजादी के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत गांव-गांव जाकर लोगों को संगोष्ठियों, नुक्कड़ सभाओं सहित अन्य कार्यक्रमों के जरिए लोगों को जागरुक किया गया। इस अभियान से काफी सफलता मिली है, लोगों ने नशे को छोड़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन का प्रयास है कि नशा मुक्त भारत अभियान से अधिक से अधिक लोग जुड़े, ताकि नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य न केवल जन-साधारण को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागृत करना है बल्कि नशे के खिलाफ जन आंदोलन का रूप देना है ताकि नशे के खिलाफ हर आदमी जुड़ कर अपना योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि नशे पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन एसआई एवं पीआरओ नरेश सागवाल ने किया।

यह रैली पुलिस लाइन से सेक्टर 7 से होते हुए रतगल गुरुद्वारा साहिब, सर्किट हाउस चौक, सत्संग भवन, सुदंर पुर पुल, बीआर चौक, मैक से होते हुए ब्रह्मसरोवर के दक्षिण गेट से पुरुषोत्तमपुरा बाग पर सम्पन्न हुई। उपायुक्त ने एसपी डा.अंशु सिंगला व तमाम पुलिस अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि 12 जून से लेकर 26 जून तक नशे से आजादी को लेकर चलाए गए अभियान से काफी सफलता मिली है। इस प्रकार के अभियान से लोगों में नशा मुक्त कुरुक्षेत्र के प्रति जागरुकता आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन की तरफ से प्रत्येक गांव-वार्ड में कुरुक्षेत्र को नशे से मुक्ति दिलाने के लिए खूब प्रचार प्रसार किया गया है। इस प्रकार कार्यक्रम से लोगों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। जब लोगों में नशे के दुष्प्रभाव के बारे जानकारी पहुंचेंगी तो निश्चित ही समाज नशे से मुक्त होगा।

इस प्रकार के कार्यक्रम में आम नागरिकों, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को साथ लेकर चलना होगा। सभी के साझे प्रयासों से समाज को नशा मुक्त बनाया जा सकेगा।

समारोह में कश्यप समाज के मेधावियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में एक समाजसेवी को सम्मानित करते विधायक सुभाष सुधा।

विधायक सुभाष सुधा व लेफ्टिनेंट बिक्रमजीत सिंह ने किया लाइब्रेरी का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कश्यप राजपूत भवन कुरुक्षेत्र के 42वें स्थापना दिवस पर वार्षिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कश्यप राजपूत भवन कुरुक्षेत्र के 42वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में दो दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह पर सांसद संजय भाटिया, विधायक सुभाष सुधा, पूर्व राज्यसभा सांसद गोरखपुर जयप्रकाश निषाद, खेलमंत्री संदीप सिंह के बड़े भाई लेफ्टिनेंट बिक्रमजीत सिंह, पूर्व विधायक यूपी राम कुमार एडवोकेट, पूर्व चेयरमैन रघुनाथ कश्यप पूर्व प्रत्याशी इंद्री नवजोत कौर, नीलम कश्यप चेयरमैन, देशराज कश्यप प्रधान ओमपाल कश्यप व राजीव कश्यप व समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की।

विधायक सुभाष सुधा व खेल मंत्री संदीप सिंह के बड़े भाई लेफ्टिनेंट बिक्रमजीत सिंह ने इस मौके पर लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया। कश्यप राजपूत भवन कुरुक्षेत्र के स्थापना दिवस के उपलक्ष में वार्षिक सम्मान समारोह में आज समाज के मेधावी छात्रों, खिलाड़ियों व कश्यप राजपूत भवन कुरुक्षेत्र के नींव पत्थर में सहयोग करने वाले व्यक्तियों के परिवारों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाज को योगदान करने वाले सहयोगी व्यक्तियों का भी सम्मान किया गया। सांसद संजय भाटिया ने कहा कि कश्यप समाज हमेशा ही समाज उत्थान में अपना अहम योगदान देता रहा है। उन्होंने कहा कि समाज ने जो मांग पत्र सौंपा है। उसमें से कुछ मांगों पर पहले ही काम चल रहा है।

वहीं अन्य मांगें जल्द ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सामने रखी जाएंगी। विधायक सुभाष सुधा ने कहा कि कश्यप समाज ने हमेशा ही समाज सेवा व समाज के उत्थान के लिए कार्य किए हैं। कश्यप समाज देश में सबसे बड़ा समाज है लेकिन समाज कई भागों में बटा हुआ है। विधायक सुभाष सुधा ने कश्यप राजपूत भवन कुरुक्षेत्र के लिए 21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। विधायक रामकरण काला ने कहा कि कश्यप राजपूत समाज एक बहुत बड़ा समाज है।

बड़ों की तरह बच्चे भी होते हैं सिरदर्द का शिकार : डॉ. रेखा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सिरदर्द केवल बड़ों की परेशानी नहीं है। बच्चों में भी सिरदर्द हो सकता है, स्कूल जाने वाले और किशोर उम्र के हर पांच में से एक बच्चे को बार-बार सिरदर्द की परेशानी होती है। अक्सर बच्चों में इस परेशानी का पता नहीं चलता है, क्योंकि वे इस बारे में बता नहीं पाते हैं। मधुकर रेनबो चिल्ड्रेंस हॉस्पिटल की सीनियर कंसल्टेंट, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी डॉक्टर रेखा मित्तल ने यह बात कही।

डॉ. मित्तल ने बताया कि वैसे तो आमतौर पर बच्चों में सिरदर्द का कारण गंभीर नहीं होता है, लेकिन कई बार सिरदर्द बहुत ज्यादा परेशान करने वाला होता है। हर बच्चे में मामले में सिरदर्द को सही तरीके से समझने और उसका इलाज करने की जरूरत है। सिरदर्द की समस्या कान, गला, साइनस, आंख और दांत की बनावट से संबंधित हो सकती है। कभी-कभी वायरल फीवर या इसी तरह की अन्य परेशानियां भी सिरदर्द का कारण बन सकती हैं। ऐसे मामलों में मूल समस्या का इलाज होते ही सिरदर्द भी ठीक हो जाता है। डॉ. मित्तल ने कहा कि गंभीर सिरदर्द की परेशानी ब्रेन इंफेक्शन या ब्रेन ट्यूमर के कारण भी हो सकती है।

ऐसे मामलों में कुछ गंभीर लक्षणों के साथ सिरदर्द होता है, अगर पेनकिलर्स से आराम न मिले, लगातार सिरदर्द हो, देखने व चलने में परेशानी हो या कुछ भी असामान्य लगे तो सतर्क हो जाना चाहिए। इस तरह का सिरदर्द जानलेवा हो सकता है और उसकी जांच एवं समय पर इलाज बहुत जरूरी है। आमतौर पर कई बच्चों को कुछ महीनों में एक बार या हर महीने कई बार सिरदर्द की समस्या होती है।

इनकी दो सबसे आम वजह हैं माइग्रेन और तनाव, ज्यादा टीवी या फोन देखना, नींद पूरी नहीं करना, खाने की आदत सही नहीं होना अक्सर इस परेशानी को बढ़ा देते हैं। इसलिए दवाओं के साथ-साथ इन आदतों को भी सही करना चाहिए। सबसे अहम बात यही है कि इनकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

देश तो है पर सरकार नहीं,
लोग तो हैं पर घरबार नहीं,
उन लोगों की हालत क्या कहिए,
बाढ़ तो है पर पतवार नहीं।

बुजुर्गों को दिए स्वस्थ रहने और किचन गार्डनिंग के टिप्स

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

दी सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक संस्था के अध्यक्ष गुलाब सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं कृषि विशेषज्ञ भी शामिल हुए। कार्यक्रम में डा. आशीष अनेजा ने बुजुर्गों में समान्यतया होने वाली रक्तचाप तथा शुगर की बीमारियों बारे विस्तार से जानकारी दी।

डा. अनेजा ने बताया कि रहन सहन और भोजन को नियंत्रित कर किस प्रकार रक्तचाप तथा शुगर की बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि मौसम परिवर्तित हो रहा है। मौसम में नमी भी काफी है ऐसे समय में खाने पीने के सामान में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। डा. अनेजा ने बुजुर्गों का ब्लड प्रेशर और शुगर भी चेक किया। इसी मौके पर वरिष्ठ कृषि विशेषज्ञ डा. सीबी सिंह भी मौजूद रहे।

दी सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य।

उन्होंने कहा कि बुजुर्ग किचन गार्डनिंग में काफी समय व्यतीत कर सकते हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए किचन गार्डनिंग से सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ताजी और रसायन मुक्त सब्जियां और फल उपजा कर अपने रोजमर्रा के सब्जी की जरूरतों को न केवल पूरा कर सकते हैं। डा. सिंह ने देखभाल के लिए जहां टिप्स दिए वहीं बताया कि जिन लोगों के घर में सब्जियां उगाने के लिए खाली जमीन नहीं हैं। वह भी घर पर किचन गार्डन बना कर सब्जियां उगा सकते हैं। इसके लिए गमले का इस्तेमाल किया जा सकता है। गमलों में सब्जियां उगाने के पहले गमलों में भरी जाने वाली मिट्टी को पहले से तैयार कर लेना चाहिए। इसके लिए ,मिटटी में गोबर की सड़ी खाद, वर्मी कम्पोस्ट, या नाडेप कम्पोस्ट को मिट्टी में अच्छी तरह से मिला लेना चाहिए। मिट्टी में इन खादों को मिलाने के बाद ही गमले में मिट्टी को भरा जाना चाहिए।

सड़कों और गलियों के नवनिर्माण पर खर्च किया जा रहा करोड़ों का बजट: उमा सुधा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

नगर परिषद की निर्वतमान अध्यक्ष उमा सुधा ने कहा कि शहर के सेक्टरों की सड़कों के नव निर्माण पर सरकार की तरफ से करोड़ों रुपये की राशि खर्च की जा रही है। जिन सेक्टरों में अभी भी सडकों की हालत खस्ता है, उनका आंकलन नगर परिषद की तरफ से कर लिया गया है और सरकार की तरफ से जैसे-जैसे बजट मिलेगा, वैसे-वैसे सडकों का निर्माण कार्य तेज गति के साथ किया जाएगा।

निर्वतमान अध्यक्ष उमा सुधा रविवार को दर्रा खेड़ा और वार्ड 28 में गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ करने उपरांत वार्ड वासियों को सम्बोधित कर रही थी। इससे पहले नप की निर्वतमान अध्यक्षा उमा सुधा ने दर्रा खेड़ा व वार्ड में 20 लाख रुपये के विकास कार्यों का विधिवत रुप से शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस गली के निर्माण पर 10 लाख रुपये का बजट खर्च किया जाएगा। इसके साथ-साथ इस वार्ड के पार्क के सौंदर्यीकरण पर भी 10 लाख रुपए का बजट खर्च होगा। प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है, सरकार सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर काम कर रही है। इस मौके पर हरभजन सिंह खालसा, सुरेंद्र शर्मा, लवकेश मेहता, अमन भार्गव, कुसुम सिंगला, तनु सुधा, अमन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नगर वासियों को संबोधित करती नगर परिषद की निर्वतमान अध्यक्षा उमा सुधा।

एसपीआईईएफ में आर्कटिक में दूरसंचार क्षेत्र के विकास और डिजिटलीकरण पर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम में 'कॉन्फ्रेंस ऑन टेलीकॉम्युनिकेशन डेवलपमेंट एंड डिजिटाइजेशन इन द आर्कटिक' में हिस्सा लेने वालों ने आर्कटिक क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्रियान्वयन पर चर्चा की। साल 2021-2023 के दौरान आर्कटिक काउंसिल की रूस की चेयरमैनशिप के तहत होने वाले मुख्य कार्यक्रमों के प्लान के तहत इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन रॉसकांग्रेस फाउंडेशन द्वारा किया गया।

इस अवसर पर आर्कटिक सीनियर ऑफिशियल्स के चेयरमैन और रूस के विदेश मामलों के मंत्रालय में एंबेसडर एट लार्ज निकोलय कोरचुनोव ने कहा, आर्कटिक काउंसिल की रूस की चेयरमैनशिप और हमारे कार्यक्रम की मुख्य प्राथमिकता आर्कटिक क्षेत्र का सतत विकास है, जिसमें दूरसंचार का विकास जीवन की गुणवत्ता में सुधार, बेहतरी और समृद्धि के लिए जरूरी पहलुओं में शामिल है. इससे पब्लिक सर्विसेज, सुदूर इलाकों तक दवाओं और हेल्थकेयर की पहुंच और बेहतर हो पाएगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि रूस के आर्कटिक जोन में अच्छी क्वालिटी के कम्युनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर और तेज-स्पीड इंटरनेट की जरूरत है और नॉर्दर्न सी रूट के डिजिटलीकरण की जरूरत है। स्पेस कम्युनिकेशन्स के जनरल डायरेक्टर एलेक्सी वोलिन ने कहा कि आर्कटिक के अधिकतर क्षेत्रों के लिए केवल सेटेलाइट कम्युनिकेशन्स का ऑप्शनल अवेलेबल है। सेटेलाइट कम्युनिकेशन महंगा होता है और फाइबर-ऑप्टिक से जुड़े विकल्पों की तुलना में इसका बैंडविथ सीमित होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह आर्कटिक के बुनियादी सामाजिक और वाणिज्यिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है।

कॉन्फ्रेंस में मोर्सविअजस्पुतनिक के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंड्री कुरोप्यात्निकोव और रॉसटेलीकॉम के वाइस प्रेसिडेंट और फार ईस्टर्न मैक्रोरीजनल ब्रांच के डायरेक्टर एलेक्जेंडर लोगीनोव ने भी हिस्सा लिया। लोगीनोव ने टेलीकम्युनिकेशन्स से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के बारे में बात की। रूस के आर्कटिक जोन क्षेत्र में 2035 तक विकास के लिए डिजिटलीकरण मुख्य प्राथमिकताओं में शामिल है। डिजिटल टेक्नोलॉजी से आर्कटिक क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र से पलायन में कमी लाने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर टेलीमेडिसिन प्रोजेक्ट्स से आर्कटिक क्षेत्र के सुदूर इलाकों में प्राइमरी हेल्थकेयर के आधुनिकीकरण में मदद मिलेगी।

'धाकड़' प्रोग्राम के माध्यम से कुरुक्षेत्र को मिलेगी नशे से आजादी

मुख्यमंत्री ने करनाल से किया स्टेट एक्शन प्लान, धाकड़ प्रोग्राम का किया आगाज

कुरुक्षेत्र के सात ब्लॉक में लागू होगा स्टेट एक्शन प्लान

लघु सचिवालय में एसडीएम व डीएसपी ने दिलाया संकल्प

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में अब 'धाकड़' प्रोग्राम से लोगों को नशे से आजादी दिलाने का संकल्प लिया गया है। इस धाकड़ प्रोग्राम को सबसे पहले शिक्षण संस्थानों में लागू किया जा रहा है ताकि युवा पीढ़ी को सही मार्ग पर लाया जा सके। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र के सात ब्लॉक में स्टेट एक्शन प्लान के तहत नशे से आजादी दिलाने का काम किया जाएगा। इस एक्शन प्लान के जरिए नशे का कारोबार करने पर शिकंजा कसा जाएगा और नशे से छुटकारा पाने वालों को नशे से आजादी दिलाने का काम किया जाएगा। इस एक्शन प्लान और धाकड़ प्रोग्राम को स्वयं मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल से आगाज किया है।

रविवार को देर सायं लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री मनोहर लाल का संदेश सुनने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आन लाइन प्रणाली से मुख्यमंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल, पुलिस महानिदेशक पी के अग्रवाल, डीजीपी श्रीकांत जाधव, सांसद संजय भाटिया ने प्रदेशवासियों खासतौर पर युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने, नशे की बुराईयों व नशे की आजादी प्रोग्राम के बारे में विस्तार से जानकारी दी और हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया स्टेट एक्शन प्लान की पुस्तिका का विमोचन किया।

इस दौरान जहां मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेशवासियों को नशे से आजादी के लिए शपथ दिलाई वहीं लघुसचिवालय के सभागार में एसडीएम नरेंद्र पाल मलिक, नगराधीश चंद्रकांत कटारिया,डीएसपी सुभाष चंद्र व डीआरओ राजवीर धीमान ने पुलिस अधिकारियों, साई व खेल विभाग से आए खिलाड़ियों को शपथ दिलाई है। एसडीएम नरेंद्र पाल मलिक ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल व हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल द्वारा करनाल से लांच किए गए स्टेट एक्शन प्लान की प्रंशसा करते हुए कहा कि स्टेट एक्शन प्लान से हरियाणा को नशा मुक्त प्रदेश बनाने का खाका तैयार किया गया है।

इसी तरह कुरुक्षेत्र के सभी सात ब्लाकों में स्टेट एक्शन प्लान के तहत कमेटियों का गठन किया जाएगा। इस प्लान के तहत स्कूलों, कॉलेजों व अन्य शिक्षण संस्थानों में धाकड़ प्रोग्राम को धरातल पर लागू किया जाएगा। इस धाकड़ प्रोग्राम से युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहने व नशे से आजादी के बारे में जागरूक किया जाएगा। डीएसपी सुभाष चंद्र ने कहा कि पुलिस अधीक्षक डॉ. अंशु सिंगला के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र को नशा मुक्त जिला बनाने के लिए स्टेट एक्शन प्लान को सख्ती से लागू किया जाएगा।

किसी भी नशे का कारोबार करने की इजाजत नहीं दी जाएगी और मिली सूचना के आधार पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस मौके पर नगराधीश चंद्रकांत कटारिया, डीआईपीआरओ डा, नरेंद्र सिंह, एसआई एवं पीआरओ नरेश सागवाल, प्रशिक्षक शमशेर सिंह, पूनम कुमार, सुरेंद्र कौर, साई के प्रशिक्षक राहुल सांगवान सहित अन्य अधिकारी व प्रशिक्षक मौजूद थे।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों व शिक्षकों ने ली शपथ

उपायुक्त मुकुल कुमार के आदेशानुसार जिला शिक्षा विभाग की तरफ से राजकीय सीनियर संस्कृत मॉडल स्कूल के सभागार में एक शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी अरुण आश्री ने की है। रविवार को देर सायं स्कूल के प्रांगण में जिला शिक्षा अधिकारी अरुण आश्री ने शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी शिक्षकों को प्रण लेना चाहिए कि सभी युवाओं को नशे से आजादी के कार्यक्रम के प्रति जागरूक करेंगे और युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे।

बैंक में ग्राहकों को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करते पुलिस इंस्पेक्टर।

बैंक ग्राहकों को साइबर क्राइम और धोखाधड़ी से बचने को किया जागरूक

इस बीच लोगों को नशे से बचने के लिए भी प्रेरित किया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र /शाहाबाद

स्टेट बैंक आफ इंडिया तथा पुलिस के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस दौरान लोगों को नशे से बचने के लिए प्रेरित किया गया। इतना ही नहीं, उन्हें साइबर क्राइम और धोखेबाजी से बचने के लिए भी जागरूक किया गया।

इस दौरान शाहाबाद पुलिस ने भी सहयोग किया। बैंक कर्मचारियों को छुट्टी के दिन लोगों को जागरूक करने के लिए कहा गया है। पुलिस इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि बैंक कर्मचारी लोगों और ग्राहकों को साइबर क्राइम तथा नशे से बचने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। समाज और देश को बचाने के लिए इस बुराई से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नशे का व्यापार करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी।

बैंक ब्रांच मैनेजर प्रकाश कुमार ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार ने साइबर क्राइम के बारे में जागरूक किया है।

उन्होंने बैंक ग्राहकों को भी साइबर क्राइम के बारे में जागरूक करने के लिए कहा है। अब स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की तरफ से लोगों और ग्राहकों को जागरूक करने के लिए अवेयरनेस अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आम लोगों को नशे से मुक्ति के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

कार्यक्रमों को लेकर दुकानदारों को दिया न्योता

लाडवा बस अड्डे के नजदीक दुकानदारों को न्योता देते स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग।

कुरुक्षेत्र। स्टालवार्ट फाउंडेशन की ओर से 28 जून को लाडवा हल्के में पांच रक्तदान शिविर, एक अति आधुनिक रसोई व लाडवा की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं व खेलकूद, पढ़ाई के क्षेत्र में अव्वल रहने वाले बच्चों को सम्मानित करने का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर समाजसेवी संदीप गर्ग प्रतिदिन लाडवा हल्के के दुकानदारों को न्योता दे रहे हैं। उसी कड़ी में समाजसेवी संदीप गर्ग रविवार को लाडवा के दुकानदारों को न्योता देने पहुंचे। फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग लाडवा के बस अड्डे के नजदीक के दुकानदारों को न्योता दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 28 जून दिन मंगलवार को लाडवा हल्के में पांच रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। जो कि लाडवा अनाजमंडी धर्मशाला, गांव बड़ौदा गुरुकुल यज्ञशाला, गांव मथाना के एचसी मैमोरियल पब्लिक स्कूल, गांव सिरसमा की सार्वजनिक चौपाल व बाबैन के विश्राम गृह में आयोजित किये जाएंगे। जिसमें भारी संख्या में रक्तदाता रक्तदान करेंगे। इसके अलावा लाडवा हल्के में 15 हजार पौधे भी लगाने का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि जो लाडवा व बाबैन में मात्र पांच रुपये में भरपेट भोजन देने को लेकर रसोई चलाई जा रही है। उसका खाना बनाने की गांव यारी में अति आधुनिक रसोई का शुभारंभ भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 को ही लाडवा की शिवाला रामकुंडी में दोपहर तीन बजे शहर की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं और लाडवा क्षेत्र के जिन बच्चों ने अनेक प्रकार की बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं उनको स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज द्वारा सम्मानित करने का भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा स्टालवार्ट फाउंडेशन की ओर से अनेक कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। मौके पर बालकृष्ण मल्होत्रा, रमेश शर्मा, मोहित शर्मा, विजय, बलजीत सिंह, हिम्मत सैनी, रमन मल्होत्रा आदि मौजूद थे।

हेल्पर्स सोसायटी ने लगाया 40वां रक्तदान शिविर

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद। हेल्पर्स सोसायटी द्वारा 40वां विशाल रक्तदान शिविर देवी मंदिर धर्मशाला में लगाया गया। इसमें मुख्यातिथि के रूप में कुरुक्षेत्र सांसद नायब सैनी, पूर्व राज्यमंत्री कृष्ण बेदी और स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग ने दीप प्रज्जवलित कर शिविर का शुभारंभ किया। मुख्यातिथियों द्वारा रक्तदाताओं को बैच लगाए गए। रक्तदान शिविर में 309 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर भी सही रहता है और लोगों की जान भी बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को तीन महीने के बाद रक्तदान जरूर करना चाहिए। पूर्व राज्यमंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि हेल्पर्स सोसायटी इसी तरह समाजसेवा कार्यों को करते हुए आगे बढ़े। सांसद नायब सैनी ने कहा कि रक्तदान कर हम कई लोगों को जीवन बचा सकते हैं। वहीं हेल्पर्स सोसायटी के प्रधान तिलक राज अग्रवाल ने आए हुए अतिथियों और युवाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीजीआई में रक्त की भारी कमी है। इसलिए सोसायटी द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर लगाए जाते हैं। सोसायटी द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जयपाल, प्रवीण गाबा, इन्द्रलाल बतरा, सीता राम, नरेश सैनी, पूर्ण सिंह, महिन्द्र जग्गी, राम कृष्ण, नरेन्द्र शर्मा, सुनील, मोहन लाल, हार्दिक शर्मा आदि मौजूद रहे।

मिमारपुर में खनन कंपनी के पास मिला युवक का शव

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

जिले के गांव मिमारपुर स्थित खनन कंपनी में शनिवार रात को कंपनी के स्टॉक इंचार्ज की हत्या कर दी गई। युवक के शरीर पर मारपीट के निशान हैं। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जाएगा। मुरथल थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखा गया है।

गांव बड़ी बसौदी निवासी जयदीप, गांव मिमारपुर के पास यमुना किनारे अल्टीमेट स्टोन रेत खनन कंपनी में स्टॉक इंचार्ज था। रात को उसके भाई जसबीर को सूचना मिली कि जयदीप की हत्या कर दी गई है। जब वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचा तो खनन साइड के पास ही जयदीप मृत हालत में पड़ा था।

सूचना मिलने के बाद मुरथल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जयदीप के शरीर पर मार पिटाई के निशान मिले हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच अधिकारी एएसआई सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस ने एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्यों को जुटाया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के नागरिक अस्पताल में भेजा गया।

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर लगाए 75 पौधे

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

आजादी के 75वें अमृत महोत्सव पर पूर्व छात्र परिषद, श्री मद्भागवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं सामाजिक संस्था हम फाउंडेशन द्वारा महादेव गौशाला बाहरी में वन महोत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर 75 छायादार व फलदार पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगराधीश चंद्र कांत कटारिया ने की। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव पर हमें पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ परिवारों को भी जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। हमारी पारिवारिक संरचना भारत की सफलता का मूल आधार है। हमें बच्चों को सफल बनाने के साथ साथ संस्कारित भी बनाना होगा। बृज मोहन गुप्ता, अध्यक्ष, महादेव गौशाला ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया एवं गौशाला को बेहतर बनाने के लिए समाज से सुझाव आमंत्रित किए। डॉ पंकज शर्मा, राष्ट्रीय संयोजक पूर्व छात्र परिषद, विद्या भारती ने वन महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया। अशोक रोशा ने बताया कि इस कार्यक्रम में सहयोग फाउंडेशन, नकुल शाखा, ब्रह्मा कुमारी आश्रम का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में हम फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय चौधरी, विकास शर्मा, राजीव मोदगील, विजय गर्ग, दिलावर सगवाल, शीतल गिल, राकेश वर्मा, सतबीर सिंह, आशीष मंगला, सतीश शर्मा उपप्रधान, रविंदर अग्रवाल कोषाध्यक्ष, सी पी गुप्ता, रोशन लाल वरिष्ठ सदस्य आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण करते संस्था के सदस्य।

एसएम बॉक्सिंग क्लब के खिलाड़ियों ने जीते सात पदक, किया नाम रोशन

दिल्ली नजफगढ़ की बीएम बॉक्सिंग क्लब में आयोजित हुई चैंपियनशिप

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

एसएम बॉक्सिंग क्लब के होनहार खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए सात मेडल जीते। जिसमें तीनस्वर्ण, दो रजत, दो कस्य पदक शामिल हैं। बॉक्सिंग कोच संदीप मलिक ने बताया कि नजफगढ़ बीएम बॉक्सिंग क्लब में युवा पुरुष महिला जूनियर, पुरुष-महिला की स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप आयोजित हुई।

जिसमें एसएम बॉक्सिंग क्लब के खिलाडियों ने 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कस्य पदक पर कब्जा किया। चैंपियनशिप में सभी स्वर्ण पदक विजेताओं का राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया। अकादमी पर खिलाड़ियों के परिजनों ने विजेता खिलाड़ियों का फूल माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया। बॉक्सिंग कोच संदीप मलिक ने बताया कि शिवानी, चंचल व नैन्सी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

अंशिका राणा, अभिषेक ने रजत पदक प्राप्त किया। रोहित और हर्ष राणा ने कस्य पदक हासिल किया। टूर्नामेंट में 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिस्में एसएम बॉक्सिंग क्लब की जूनियर टीम ने ऑल टीम चैंपियन ट्रॉफी पर भी कब्जा किया। अकादमी में आए सभी पुरुष व महिलाओं ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बिजली निगम से वेदपाल, सुरेंद्र, मुकेश राणा, मुकेश देवी, ज्योति, सुरेंद्र, संदीप शर्मा, अनिल, सुषमा ने अकादमी पहुंचकर खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए भविष्य में बेहतर खेलने का आह्वान किया।

एसएम बॉक्सिंग क्लब में खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए।

युवक को मारी गोली, 11 के खिलाफ मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

गंभीर हालत में पीजीआई के लिए रेफर किया

दुभेटा गांव में रात को साइकिल का खेल देखने गया था सुमित

जिले के कस्बा गन्नौर क्षेत्र के गांव दुभेटा में शनिवार देर रात को एक युवक को गोली मार दी गई। युवक को गंभीर हालत में खानपुर पीजीआई में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने वारदात को लेकर 11 युवकों के खिलाफ हत्या के प्रयास ओर अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

पुलिस को दिए बयान में गांव दुभेटा निवासी सुमित ने कहा कि वह प्राइवेट नौकरी करता है। 10-15 दिन पहले उसकी गांव के ही अमृत उर्फ पोपन, उत्तम, सतीश आदि के साथ कहासुनी हो गई थी। बाद में गांव में समझौता हो गया था।, लेकिन अमृत और उसके दोस्तों के दिल में इसी बात की रंजिश थी। सुमित ने अपने बयान में बताया कि शनिवार रात को वह 11 बजे गांव में मंदिर के पास साइकिल के खेल को देखने गया था। इसी बीच रमेश और उसके बेटे उत्तम ने मोटरसाइकिल से उसका रास्ता रोक लिया। इसी दौरान दूसरी मोटरसाइकिल पर अमृत, सहदेव, अंकित गालियां देते हुए वहां पहुंचे। मोटरसाइकिल चला रहे अमृत ने साथियों से कहा कि सुमित को गोली मार दो।

इसके बाद उसके साथी सहदेव ने उसे जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली सुमित की छाती में लगी। जिससे वह नीचे गिर गया, हमलावर उसे मृत समझ कर मौके से फरार हो गए। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे खानपुर पीजीआई में दाखिल कराया। वहां उसका इलाज चल रहा है।

ब्रह्माकुमारी आश्रम के साथ पुलिस ने निकाली नशा मुक्त जागरुकता रैली

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला पुलिस ने जिला को नशा मुक्त करने हेतु नशे से आजादी पखवाड़ा के तहत नशा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला पुलिस ने ब्रह्माकुमारी आश्रम के साथ ब्रह्मसरोवर कुरुक्षेत्र पर पैदल जागरुकता रैली निकाली। रैली को उप पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र रामदत्त नैन और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र शाखा की प्रभारी बीके सरोज बहन ने हरी झंडी देकर रवाना किया।

पुलिस प्रवक्ता नरेश कुमार सागवाल ने बताया कि नशे से होने वाले दो दुष्प्रभावों के बारे में आमजन को जागरुक करने के उद्देश्य से जिला पुलिस विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को नशा न करने के प्रति प्रेरित कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से नशे से आजादी पखवाड़ा में पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड से खत्म किया जा सकता है।

उप पुलिस अधीक्षक रामदत्त नैन ने कहा कि इस मुहिम में हर व्यक्ति अपना योगदान दें और अपनी जिम्मेदारी को समझें तथा समाज के प्रति अपनी भागीदारी करें।

उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में फंसे युवकों को समाज मुख्यधारा में लाना है और समाज को नशा मुक्त करना है धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं का भी दायित्व है। इस अवसर पर बीके राधा बहन, मधु बहन, विद्या बहन के अलावा आश्रम से जुड़े काफी भाई-बहन मौजूद रहे।

रैली को रवाना करते डीएसपी रामदत्त नैन और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र शाखा की प्रभारी बीके सरोज बहन।

मोर ने करनाल में खोला पहला मोर हाइपर मार्ट

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

भारत का प्रमुख रिटेल ब्रांड, मोर रिटेल प्राइवेट लिमिटेड ने करनाल, हरियाणा में अपने पहले मोर हाइपर मार्ट का उद्घाटन किया। मोर हाइपर मार्ट करनाल, देश का 40 वां और हरियाणा का तीसरा मोर हाइपरमार्ट स्टोर है।

मोर हाइपरमार्ट - निर्मल कुटिया चौक, सेक्टर-7, करनाल में स्थित है। यह स्टोर करीब 18,000 स्क्वायर फीट में फैला है, जहां आपको मिलेगी अनाज, राशन, घर का सामान, फैशन, फल और सब्जियों की बड़ी रेंज। यहां आपको मिलेंगी आकर्षक मूल्यों पर क्वालिटी प्रोडक्ट्स और शहर के अन्य स्टोर्स के मुकाबले सबसे बड़ी बचत। स्टोर का उद्घाटन श्री जगमोहन आनंद मुख्यमंत्री हरयाणा मनोहर लाल खट्टर के मीडिया कोर्डिनेटर, रेनू बाला गुप्ता, मेयर करनाल, अमित बंसल और विकास बंसल,ओपीएस ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक व मोर हाइपरमार्ट के अधिकारी लक्ष्मण नागर सर्किल बिजनेस डायरेक्टर की उपस्थिति में किया गया है। स्टोर प्रत्येक दिन सुबह नौ बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा।

स्टोर परिसर में निशुल्क पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। यहां शॉपिंग पर मिले कम से कम पांच फीसदी डिस्काउंट हर एक प्रोडक्ट पर, हर दिन। मोर हाइपरमार्ट अपने ग्राहकों का खास ख्याल रखता है। वर्तमान में मोर हाइपरमार्ट के कुल 40 स्टोर देश के 17 शहरों में मौजूद हैं।

बाबा बंदा सिंह बहादुर ने लोहगढ़ में खालसा राज की रखी थी नींव : ज्ञानी पतवंत सिंह

बाबा बंदा सिंह बहादुर के शहीदी दिवस पर सजाया महान गुरमत समागम

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र /शाहाबाद

खालसा राज के पहले संस्थापक बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के शहीदी दिवस पर शहीदों के अस्थान ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मस्तगढ़ साहिब में महान गुरमत समागम सजाया गया।

लोकल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी शाहाबाद और सिख संगत के सहयोग से आयोजित इस समागम में सर्वप्रथम पिछले 3 दिन पहले रखे श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के श्री अखंड पाठ का समापन किया गया।

इसके बाद प्रसिद्ध ढाडी जत्था ज्ञानी लखविंदर सिंह पारस ने जोशीले अंदाज में बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के जीवन इतिहास से संगत को अवगत कराया गुरुद्वारा साहिब के हैड ग्रंथी एवं गुरवाणी कथावाचक ज्ञानी पतवंत सिंह ने बाबा बंदा सिंह बहादुर के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवा पीढ़ी को बाबा जी के दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। पतवंत सिंह ने बाबा बंदा सिंह बहादुर द्वारा सिख समाज के लिए किए संघर्ष की गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि वे पहले ऐसे सिख सेनापति हुए, जिन्होंने मुगलों का अजय होने के भ्रम को तोड़ा था। उन्होंने छोटे साहिबजादों की शहादत का बदला लिया और गुरु गोबिंद सिंह द्वारा संकल्पित प्रभुसत्ता सम्पन्न लोक राज्य की राजधानी लोहगढ़ में खालसा राज की नींव रखी। यही नहीं, उन्होंने श्री गुरु नानक देव जी और श्री गुरु गोबिंद सिंह के नाम से सिक्का और मोहरे जारी करके, निम्न वर्ग के लोगों को उच्च पद दिलाया। साथ ही हल वाहक किसान-मजदूरों को जमीन का मालिक बनाया। गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी जत्था भाई सरूप सिंह मनराज ने रसमयी गुरवाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया। समागम में संगत ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष नतमस्तक होकर के घर-परिवार की सुख शांति हेतु अरदास की।

समागम में महिंदर सिंह, बलविंदर सिंह कोहली, जरनैल सिंह, तरलोचन सिंह हांडा, गुरनाम सिंह चीमा, मंजीत सिंह, सुखवंत सिंह बग्गी, साहब सिंह, नरेन्द्र सिंह भिंडर, गुरपाल सिंह सैनी, बलदेव सिंह गाबा, गुरप्रीत सिंह चड्ढा के साथ साथ शहर की संगत मौजूद रही।

गुरुद्वारा साहिब का हजूरी रागी जत्था भाई सरूप सिंह मनराज गुरबाणी कीर्तन करते हुए।

एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स 28 जून को रोहतक में नेफ्रोलॉजी ओपीडी आयोजित करेगा

पायनियर समाचार सेवा। रोहतक

मौजूदा समय में किडनी की बीमारी सभी उम्र के लोगों के बीच बहुत आम हो गई है। किडनी की पुरानी बीमारी से लगभग 7.8 मिलियन भारतीय पीड़ित हैं, जिसके कारण किडनी के ट्रांसप्लांट और मृत्यु तक की संभावना हो सकती है।

इस समस्या को हल करने के लिए एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका के डॉक्टर रोहतक में किडनी रोग के पीड़ितों के लिए एक विशेष ओपीडी का आयोजन कर रहे हैं। डॉ. आशीष नंदवानी, कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट 28 जून को रोहतक का दौरा करेंगे और वो सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एपेक्स हॉस्पिटल और दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक होली हार्ट हॉस्पिटल में लोगों को परामर्श प्रदान करेंगे।

डॉ. आशीष नंदवानी,, कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजिस्ट, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, दिल्ली ने भारत में किडनी से संबंधित समस्याओं के बढ़ते मामलों के बारे में बताते हुए कहा, रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी अंतिम चरण के किडनी रोग का इलाज है। इस थेरेपी में किडनी रोग से पीड़ित मरीज को डायलिसिस या किडनी का प्रत्यारोपण कराना पड़ता है। किडनी प्रत्यारोपण के बाद व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है और डायलिसिस के साइड इफेक्ट को रोकने में मदद मिलती है। रोहतक में नियमित ओपीडी के साथ मणिपाल हॉस्पिटल्स का उद्देश्य लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर न जाना पड़े।

केन-बेतवा परियोजना

पन्ना बाघ अभ्यारण्य में ग्राम विकास एवं वन्यजीव संरक्षण का खाका तैयार

कार्ययोजना में मुख्य रूप से बाघ, गिद्ध और घड़ियाल के संरक्षण पर दिया गया है जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के कारण पन्ना बाघ अभ्यारण्य में वन्य जीवों पर पड़ने वाले प्रभावों से निपटने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना पर जल्द काम शुरू करेगी। इसके तहत सामुदायिक सहभागिता एवं ग्राम विकास के साथ बाघ, गिद्ध, घड़ियाल जैसे जीवों एवं जैव-विविधता के संरक्षण का खाका तैयार किया गया है।

भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूडब्ल्यूआई) द्वारा विस्तृत अध्ययन के बाद तैयार ताजा रिपोर्ट में इस कार्ययोजना को लागू करने के लिए विशेष उद्देश्य कंपनी गठित करने का सुझाव दिया गया है। जिसके तहत ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप काउंसिल (जीपीएलसी) का गठन किया जाएगा। राष्ट्रीय

एनडब्ल्यूडीए के महानिदेशक एवं केन-बेतवा लिंक परियोजना प्राधिकरण के सीईओ ने दी जानकारी

जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए) के महानिदेशक एवं केन-बेतवा लिंक परियोजना प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भोपाल सिंह ने बताया, डब्ल्यूडब्ल्यूआई ने पन्ना बाघ अभ्यारण्य एवं आसपास के क्षेत्रों में विस्तृत अध्ययन करके एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। अध्ययन रिपोर्ट के सुझावों पर अमल करने के लिए इसे जल संसाधन विभाग की संचालन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्ययोजना में मुख्य रूप से बाघ, गिद्ध और घड़ियाल के संरक्षण पर जोर दिया गया है, हालांकि इसमें जैव-विविधता एवं सामुदायिक सहभागिता के महत्वपूर्ण आयाम जुड़े हैं। सिंह ने बताया, इस पर जल्द कार्य शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए बजट केंद्र की योजनाओं के तहत प्राप्त होगा। डब्ल्यूडब्ल्यूआई की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप समन्वित प्रबंधन योजना पर अमल के लिए 3,186 करोड़ रुपये का बजटीय अनुमान का प्रस्ताव किया गया है। इस प्रस्तावित कार्ययोजना में समन्वित शोध एवं शिक्षण केंद्र तथा ग्रेटर पन्ना तकनीकी परामर्श समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है।

पन्ना बाघ अभ्यारण्य में अभी हैं 60 बाघ

रिपोर्ट के अनुसार, पन्ना बाघ अभ्यारण्य में अभी 60 बाघ हैं। इसका 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र बाघों के आवास के लिए उपयुक्त है और एक बड़ा क्षेत्र अभी भी खाली है जहां बाघों का आवास क्षेत्र विकसित किया जा सकता है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर 25 लाख से अधिक लोग प्रभावित

एजेंसी। गुवाहाटी

असम में रविवार को भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। राज्य के लगभग 25 लाख लोग अब भी बाढ़ की चपेट में हैं, हालांकि कुछ इलाकों में नदियों का जलस्तर कम हो रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दिन के दौरान बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित कछार जिले के सिलचर का दौरा किया और बराक घाटी शहर में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के ताजा बुलेटिन के अनुसार, राज्य के 27 बाढ़ प्रभावित जिलों में 25 लाख से अधिक लोग अभी भी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, जिनमें 79 राजस्व मंडल और 2,894 गांव शामिल हैं। बीते दो सप्ताह से बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे पूर्वोत्तर राज्य के 637 राहत शिविरों में 2.33 लाख लोगों ने शरण ले रखी है। 259 वितरण केंद्रों या अस्थाई रूप से खोले गए बिंदुओं के माध्यम से लोगों को राहत सामग्री वितरित की जा रही है।

आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया गया : मोदी

रेडियो पर प्रसारित अपने मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

कहा, दमन किए अधिकारों में संविधान में प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार शामिल था

देश की अदालतों, सभी संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस सब को ले लिया गया था नियंत्रण में

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत में 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया गया था। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई और उदाहरण खोजना मुश्किल है, जहां लोगों ने लोकतांत्रिक तरीकों से तानाशाही मानसिकता को हराया। रेडियो पर प्रसारित अपने मन की बात कार्यक्रम में मोदी ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के दिनों को याद किया और कहा कि उस दौरान सभी अधिकार छीन लिए गए थे।

देश में 25 जून 1975 को आपातकाल लागू करने की घोषणा की गई थी, जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। 21 मार्च 1977 को आपातकाल हटा लिया गया था। मोदी ने कहा, आपातकाल के दौरान सभी अधिकार छीन लिए गए थे। इन अधिकारों में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार शामिल था। उस समय भारत में लोकतंत्र को कुचलने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतों, सभी संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस, सब को नियंत्रण में ले लिया गया था। उन्होंने कहा कि सेंसरशिप इतनी सख्त थी कि बिना मंजूरी के कुछ भी प्रकाशित नहीं किया जा सकता था।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कई प्रयासों, हजारों गिरफ्तारियों और लाखों लोगों पर अत्याचार के बावजूद लोकतंत्र में भारतीयों का विश्वास नहीं डगमगाया। मोदी ने कहा, सदियों से हमारे भीतर बसे लोकतांत्रिक मूल्यों, हमारी रगों में बहने वाली लोकतंत्र की भावना की आखिरकार जीत हुई। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने लोकतांत्रिक तरीकों से आपातकाल से छुटकारा पाया और लोकतंत्र को बहाल कराया।

प्रधानमंत्री ने कहा, लोकतांत्रिक तरीकों से तानाशाही मानसिकता को हराने का दुनिया में ऐसा उदाहरण मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान मुझे भी देशवासियों के संघर्ष का साक्षी बनने और उसमें योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज जब देश अपनी आजादी के 75 वर्षों का जश्न मना रहा है, तब हमें आपातकाल के काले दौर को नहीं भूलना चाहिए। आने वाली पीढ़ियां भी इसे न भूलें।

किशोर कुमार को रेडियो पर गायन से कर दिया था प्रतिबंधित

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे याद है, जब प्रसिद्ध गायक किशोर कुमारजी ने सरकार की तारीफ करने से इनकार कर दिया था, तब उन्हें प्रतिबंधित कर दिया गया था, उन्हें रेडियो पर आने की अनुमति नहीं थी।

एमवीए सरकार दो-तीन दिन ही चलेगी: केंद्रीय मंत्री दानवे

जालना। केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) की सरकार दो-तीन दिनै तक ही चलेगी। गठबंधन में शामिल शिवसेना के विधायकों ने विद्रोह किया हुआ है। राज्य सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से मंत्री राजेश टोपे की उपस्थिति में यहां एक कृषि विभाग भवन के उद्घाटन समारोह में भाजपा नेता ने कहा कि एमवीए को शेष विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए क्योंकि हम (भाजपा) केवल दो- तीन दिन के लिए ही विपक्ष में हैं। एमवीए में शिवसेना के अलावा राकांपा और कांग्रेस भी शामिल है। केंद्रीय रेलवे, कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने कहा, समय निकल रहा रहा है। यह सरकार दो- तीन दिन चलेगी। इस बगावत से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। शिवसेना के बागियों की मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से नाराजगी है।

देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनवरत कार्य में जुटी सरकार : मांडविया

एजेंसी। चेन्नई

उम्मीद जताई कि सीजीएचएस केंद्र आने वाले समय में सभी को लाभान्वित करेगा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को यहां कहा कि केंद्र सरकार देश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनवरत कार्य कर रही है ताकि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिल सके। पुदुचेरी का दौरा करने के बाद, अपनी यात्रा के दूसरे दिन मांडविया ने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और पास के अवाडी में केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) केंद्र की आधारशिला रखने के समारोह में भी भाग लिया।

समारोह के बाद उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनवरत कार्य कर रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आज हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिले। उन्होंने कहा कि कोई बीमारी बताकर नहीं आती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीजीएचएस केंद्र आने वाले समय में सभी को लाभान्वित करेगा। उन्होंने कहा, केंद्र (अवाडी में) एक बड़े पॉलीक्लिनिक अस्पताल के साथ स्वास्थ्य सुविधा दायरे का विस्तार करेगा और सीजीएचएस सेवाओं की पहुंच में सुधार करेगा तथा केंद्र सरकार के सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाभान्वित करेगा। मांडविया ने शहर में तमिलनाडु सरकार के मल्टी-सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का भी दौरा किया और वहां प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी ली। अपनी संक्षिप्त यात्रा के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने रोगियों और गंभीर चोटों से ग्रसित खिलाड़ियों के साथ बातचीत की, जिनका अस्पताल में उन्नत तकनीक आधारित सर्जरी के साथ इलाज किया जा रहा है।

रोबोटिक उपकरणों से जटिल सर्जरी होगी आसान

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल में लगी रोबोटिक सर्जरी मशीन का भी निरीक्षण किया। मांडविया ने कहा, सर्जन को रोबोटिक उपकरणों के उपयोग जटिल सर्जरी को आसानी से करने में मदद करती है।

कहा, युवाओं को साइकिल जरूर चलानी चाहिए

मांडविया ने शहर में फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाने के बाद युवाओं से कहा, कम या ज्यादा, लंबी या छोटी, आप जैसे चाहें साइकिल चलाएं, लेकिन जरूर चलाएं।

संक्षिप्त समाचार

'अग्निपथ' पर सांसद हुड्डा बोले, सरकार नकलची बंदर बनी

जयपुर। सेना में संविदा भर्ती की योजना अग्निपथ को लेकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस पार्टी के हरियाणा से राज्यसभा सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने रविवार को कहा सरकार ने नकलची बंदर का रूप ले लिया है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेसवार्ता में हुड्डा ने कहा इस सरकार ने नकलची बंदर का रूप ले लिया है, कभी अमेरिका से ला रहे हैं, कभी इजराइल से ला रहे हैं। लेकिन हिन्दुस्तान में हिंदुस्तान के लोगों के अनुकूल जो नीतियां हैं, वही चलेंगी, वहां की बाहरी नीतियां नहीं चलेंगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा अग्निपथ योजना को लेकर इजराइल का उदाहरण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार जब तीन कृषि कानून लेकर आई थी, तब भी कहा था कि अमेरिका के अंदर इसी रूप में कारपोरेट सेक्टर कृषि क्षेत्र में है। हुड्डा ने कहा, हमने कहा अमेरिका नहीं हिन्दुस्तान अलग है, परिस्थितियां अलग हैं आप इस देश को समझो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हिन्दुस्तान की परिस्थितियां देखते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की प्रणाली और मंडी प्रणाली को विकसित करने का काम किया था। हुड्डा ने कहा कि पहले कह रहे थे कि कृषि कानूनों को अमेरिका से लेकर आए हैं, अब कह रहे हैं कि इजराइल में ऐसा है। इस हुड्डा ने साफ किया कि इजराइल छोटा मुल्क है, जहां बेरोजगारी नहीं है और शत प्रतिशत रोजगार है तथा वहां कोई स्वेच्छा से सेना में जाना ही नहीं चाहता।

ओडिशा के कालाहांडी में नक्सली ठिकाने का भंडाफोड़

भवानी/पटना। ओडिशा के कालाहांडी जिले में पुलिस ने माओवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ कर भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई पिछले बृहस्पतिवार को भवानीपटना उप-मंडल के मदनपुर रामपुर ब्लॉक में ओडिशा पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और जिला स्वयंसेवी बल द्वारा एक नक्सल शिविर का भंडाफोड़ करने के बाद हुई। पुलिस ने माओवादियों के ठिकाने से दो अत्याधुनिक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) और डेटोनेटर बरामद किए हैं। पुलिस ने इलाके में वरिष्ठ माओवादी नेताओं की मौजूदगी का संदेह होने पर अभियान तेज कर दिया था।

दक्षिण अफ्रीका : क्लब में 20 लोगों की संदिग्ध हालत में मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस तटीय शहर ईस्ट लंदन के एक नाइट क्लब में रविवार तड़के कम से कम 20 लोगों की मौत के मामले की जांच कर रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि उन युवाओं की मौत का कारण क्या है, जो स्कूल की परीक्षा की समाप्ति का जश्न मनाने के लिए एक पार्टी में शामिल हुए थे। एक रिपोर्ट में बताया कि शव टेबल और कुर्सियों पर पड़े हुए थे और चोट के किसी प्रकार के लक्षण नहीं दिखे हैं। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता सियांदा मनाना ने कहा, अभी हम मौत के कारणों की पुष्टि नहीं कर सकते हैं। मनाना ने कहा, हम मौत के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए शवों का अंत्यपरीक्षण करा रहे हैं।

वाहन के नाले में गिरने से नौ मजदूरों की मौत, एक गंभीर

पुलिस ने बताया, सात मजदूरों की मौके पर ही मौत, दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा

एजेंसी। बेलगावी (कर्नाटक)

यहां के एक गांव में रविवार सुबह एक मालवाहक वाहन के नाले में गिरने से नौ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। आठ अन्य घायल हो गए जिनमें एक की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सात मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के बाद से मौके पर पहुंचे बेलगावी पुलिस आयुक्त एम बी बोरलिंगैया की देखरेख में बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, गोकक तालुक के अक्कतंगियारा हाला गांव के रहने वाले ये मजदूर बेलगावी की ओर जा रहे थे और इनका वाहन कानाबारगी गांव में बल्लारी नाला में गिर गया। पुलिस ने बताया कि ये निर्माण मजदूर बेलगावी की तरफ जा रहे थे। चालक के वाहन से नियंत्रण खोने के बाद वाहन नाले में गिरा।

पुलिस ने कहा कि दुर्घटना में आठ लोग घायल हो गए थे और एक मजदूर की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस दल ने स्थानीय लोगों की मदद से पीड़ितों को वाहन के नीचे से बाहर निकाला। बेलगावी पुलिस आयुक्त एम बी बोरलिंगैया बचाव कार्यों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे और उन्होंने शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी।

15 बागी विधायकों को केंद्र से मिली वाई प्लस श्रेणी सुरक्षा

शिवसेना के कई विधायकों ने एकनाथ शिंदे के साथ गुवाहाटी में डाला हुआ है डेरा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रविवार को शिवसेना के कम से कम 15 बागी विधायकों को सीआरपीएफ जवानों से लैस वाई प्लस श्रेणी का सुरक्षा घेरा प्रदान किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया जिन विधायकों को सुरक्षा मुहैया कराई गई है, उनमें रमेश बोनरि, मंगेश कुदलकर, संजय शिरसत, लताबाई सोनवणे, प्रकाश सुर्वे और 10 अन्य विधायक शामिल हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, महाराष्ट्र में रहने वाले इन विधायकों के परिवारों को भी सुरक्षा प्रदान की जाएगी, क्योंकि सुरक्षा घेरे के अंतर्गत गृह सुरक्षा दल भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गृह मंत्रालय से की गई एक सिफारिश के बाद विधायकों को वाई प्लस श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान करने की मंजूरी दी गई है। सिफारिश में कहा गया था कि बागी विधायकों और उनके परिजनों को महाराष्ट्र के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य के कारण संभावित खतरों का सामना करना पड़ सकता है।

विधायकों के महाराष्ट्र लौटने के बाद प्रत्येक पाली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के लगभग चार से पांच कमांडो उनकी सुरक्षा करेंगे। शिवसेना के कई विधायकों ने पार्टी से विद्रोह करने वाले मंत्री एकनाथ शिंदे के प्रति अपनी वफादारी दिखाते हुए वर्तमान में गुवाहाटी में डेरा डाला हुआ है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार इस समय सियासी संकट से गुजर रही है। महाराष्ट्र विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को शिंदे सहित शिवसेना के 16 बागी विधायकों को समन जारी कर उन शिकायतों पर 27 जून की शाम तक लिखित जवाब दाखिल करने को कहा था, जिनमें इन विधायकों को अयोग्य करार दिए जाने की मांग की गई थी।

कब तक छुपोगे गुवाहाटी में, आना ही पड़ेगा चौपाटी में : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को पार्टी के बागी विधायकों पर निशाना साधते हुए ट्वीट कर कहा कि आखिर कब तक वे (विधायक) असम के गुवाहाटी में छिपे रहेंगे, आखिरकार उन्हें चौपाटी (मुंबई के संदर्भ में) आना ही होगा। शिवसेना सांसद ने ट्वीट किया, कब तक छुपोगे गुवाहाटी में, आना ही पड़ेगा चौपाटी में। दक्षिण मुंबई में मंत्रालय, विधान भवन, राजभवन और मुख्यमंत्री का आधिकारिक बंगला वर्षा सहित प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठान गिरगाम समुद्र तट के आसपास के क्षेत्र में स्थित हैं, जिसे गिरगाम चौपाटी भी कहा जाता है। शिवसेना के अधिकांश विधायकों ने मंत्री एकनाथ शिंदे के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है और वर्तमान में गुवाहाटी में डेरा डाले हुए हैं, जिसने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी सरकार को संकट में डाल दिया है।

भारतीय संघर्ष कर रहे हैं और प्रधानमंत्री उनका ध्यान भटकाने में व्यस्त : राहुल गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, पीएम को ध्यान भटकाने की कला में महारत हासिल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें ध्यान भटकाने की कला में महारत हासिल है लेकिन इससे सर्वकालिक उच्च बेरोजगारी दर, 30 साल के उच्च थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के 17 अरब डॉलर के अवमूल्यन जैसी विपदाओं पर पर्दा नहीं डाला जा सकता। उन्होंने कहा कि जब भारतीय संघर्ष कर रहे हैं, तब मोदी ध्यान भटकाने की अगली योजना बनाने में व्यस्त हैं।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री को ध्यान भटकाने की कला में हासिल महारत इन विपदाओं को छिपा नहीं सकता-डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 78 पर, एलआईसी का 17 अरब डॉलर का अवमूल्यन, डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 30 वर्ष के उच्चतम स्तर पर, बेरोजगारी दर सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर, डीएचएफएल द्वारा अब तक की सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी। राहुल अर्थव्यवस्था को संभालने के मोदी सरकार के तौर-तरीकों की अक्सर आलोचना करते आए हैं।

पंजीकरण का अधिकार है पंजीयन रद्द करने का अधिकार चाहता हूं : चुनाव आयोग

एजेंसी। नई दिल्ली

भ्रष्टाचार में लिप्त गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान करने को जारी सफाई अभियान के बीच चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने की शक्ति हासिल करने के लिए नए सिरे से प्रयास शुरू किया है।

चुनाव कानून निर्वाचन आयोग को लोगों के समूह को एक राजनीतिक दल के रूप में पंजीकृत करने की शक्ति प्रदान करता है, लेकिन इसे पंजीयन रद्द करने का अधिकार नहीं देता। समझा जाता है कि हाल ही में केंद्रीय विधाई सचिव के साथ बातचीत में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने राजनीतिक दलों का पंजीकरण समाप्त करने के लिए यह अधिकार दिए जाने पर जोर दिया था। आयोग कुछ आधोरों पर किसी राजनीतिक दल का पंजीकरण रद्द करने के लिए जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत अधिकार प्रदान करने के लिए सरकार को अपना प्रतिनिधित्व देता रहा है। आयोग का मानना है कि कई राजनीतिक दल पंजीकृत हो जाते हैं, लेकिन कभी चुनाव नहीं लड़ते, ऐसे दल सिर्फ कागजों पर होते हैं। चुनाव आयोग (ईसी) का मानना है कि आयकर छूट का लाभ उठाने के लिए राजनीतिक दल बनाने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

आयोग ने हाल ही में कुल 198 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपने रजिस्टर से हटा दिया था, क्योंकि सफाई अभियान के दौरान इन दलों का कोई अस्तित्व नहीं पाया गया था। चुनाव आयोग ने कहा था कि गंभीर वित्तीय अनियमितता में शामिल तीन ऐसे दलों के खिलाफ आवश्यक कानूनी और आपराधिक कार्रवाई को राजस्व विभाग को एक संदर्भ-पत्र भी भेजा गया है।

मेरा बेटा अपने राज धर्म का पालन करेगा, मैं अपने राष्ट्र धर्म का पालन करूंगा : सिन्हा

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ने कहा, भाजपा सांसद जयंत सिन्हा का समर्थन न मिलना कोई धर्म संकट नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने रविवार को कहा कि अगले महीने होने वाला राष्ट्रपति चुनाव व्यक्तिगत मुकाबले से कहीं अधिक है और सरकार की तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने मुकाबले से पीछे हटने से इनकार किया।

सिन्हा ने दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वह अपने बेटे एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद जयंत सिन्हा का समर्थन नहीं मिलने को लेकर किसी धर्म संकट में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मेरा बेटा अपने राज धर्म का पालन करेगा और मैं अपने राष्ट्र धर्म का पालन करूंगा। उन्होंने कहा, यह चुनाव महज भारत के राष्ट्रपति के चुनाव से कहीं बढ़कर है। यह चुनाव सरकार की तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध करने की दिशा में एक कदम है। यह चुनाव भारत की जनता के लिए संदेश है कि इन नीतियों का विरोध होना चाहिए।

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा राष्ट्रपति चुनाव के लिए आदिवासी समुदाय की नेता द्रौपदी मुर्मू को मुकाबले में उतारने को लेकर सिन्हा ने कहा कि एक व्यक्ति को ऊपर उठाने से पूरे समुदाय का उत्थान नहीं होता। उन्होंने कहा, सार्वजनिक जीवन के अपने लंबे अनुभव से, मैं कह सकता हूं कि एक व्यक्ति का उत्थान पूरे समुदाय को आगे नहीं बढ़ाता है। पूरे समुदाय का उत्थान सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली नीतियों पर निर्भर करता है। इस पर और टिप्पणी किए बिना, मैं कहूंगा कि हमारे अपने इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां एक समुदाय में एक व्यक्ति के उत्थान के जरिए उस समुदाय को एक इंच भी ऊपर उठाने में मदद नहीं मिली है। यह केवल प्रतीकात्मक है और इसके अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सोचते हैं कि लोग सड़कों पर तभी उतरते हैं जब राजनीतिक व्यवस्था विफल होने लगती है। उन्होंने कहा, आज हमारे देश की राजनीति में इतनी कमियां है कि लोगों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। लोकतंत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रपति भवन पहुंचने वाला व्यक्ति केवल रबर स्टांप नहीं होना चाहिए। उन्होंने याद किया कि ऐसे राष्ट्रपतियों ने अतीत में कुछ मौकों पर किस तरह का व्यवहार किया था।

सिन्हा सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस मौके पर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सीताराम एचुरी, शरद पवार और ममता बनर्जी समेत कई विपक्षी नेताओं के उनके साथ रहने की उम्मीद है। आगामी 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में संख्या बल और आंकड़े राजग उम्मीदवार के पक्ष में दिखाई देने के बीच सिन्हा ने दावा किया कि उन्हें मतदान की तारीख से पहले कुछ अदृश्य शक्तियों का समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुकाबले से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है।

मुर्मू को लेकर कहा एक दलित को ऊपर उठाने से पूरे समुदाय का उत्थान नहीं होता

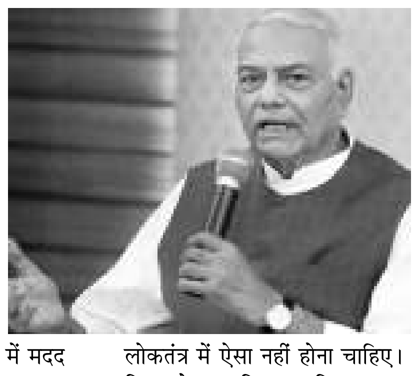

सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग बंद कर देंगे

राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी यशवंत सिंहा ने कहा, अगर राष्ट्रपति भवन में एक और रबर स्टांप आ जाएगा, तो यह विनाशकारी होगा। अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाले राजग मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे सिन्हा ने कहा कि अगर वह चुने जाते हैं, तो वह राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग को तत्काल बंद कर देंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि न्याय और निष्पक्षता बनी रहे।

मुकाबला व्यक्तिगत लड़ाई से बहुत बड़ा

यशवंत सिंहा ने कहा कि मुकाबला व्यक्तिगत लड़ाई से बहुत बड़ा है और जब तक लोग नहीं जागेंगे और पूरी व्यवस्था में सुधार नहीं होगा, तब तक स्थिति में सुधार नहीं होगा।

भारत को खतरा है और उन्हें रक्षार्थ आगे बढ़ना होगा

यशवंत सिंहा ने कहा, व्यक्तिगत जीत या हार की तुलना में बहुत कुछ दांव पर है। हमारा लोकतंत्र, हमारा संविधान खतरे में है और स्वतंत्रता संग्राम के सभी मूल्य खतरे में हैं, इसलिए भारत को खतरा है और उन्हें भारत की रक्षा के लिए आगे बढ़ना होगा।

गौतमबुद्ध नगर में आए तीन नए अफसर

वंदना त्रिपाठी को प्राधिकरण में ओएसडी, अभिषेक वर्मा को डीसीपी, स्वप्निल को पीएसी का कमांडेंट बनाया गया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में बड़ा प्रशासनिक और पुलिस फेरबदल किया है। इस फेरबदल का असर गौतमबुद्ध नगर में पुलिस डिपार्टमेंट, नोएडा विकास प्राधिकरण और पीएसी पर पड़ा है।

नोएडा अथॉरिटी में आईएएस अधिकारी वंदना त्रिपाठी को विशेष कार्याधिकारी बनाकर भेजा गया है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में अभिषेक वर्मा को बतौर डीसीपी नियुक्त किया गया है। वह औरैया से ट्रांसफर होकर आ रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर की 49वीं वाहिनी पीएसी में कमांडेंट की पोस्ट खाली चल रही थी। कानपुर देहात के एसपी स्वप्निल ममगई को कमांडेंट बनाकर शासन ने भेजा है। यह तीनों पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लंबा अनुभव रखते हैं। आईएएस वंदना त्रिपाठी को नोएडा का विशेष कार्याधिकारी बनाकर भेजा गया है। वंदना वर्ष 2000 बैच की पीसीएस अफसर थीं। उन्हें 28 अक्टूबर 2021 को पदोन्नत करके आईएएस बनाया गया। वंदना त्रिपाठी मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग प्रयागराज में सचिव के पद पर तैनात थीं। करीब 5 वर्षों से वह इसी पोस्ट पर काम कर रही थीं। वंदना त्रिपाठी उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक कैडर में क्लीन इमेज वाली महिला अफसर हैं।

उन्हें करीब 22 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव है। वह बुलंदशहर की सिकंदराबाद और सदर तहसीलों में एसडीएम रह चुकी हैं। गौतमबुद्ध नगर के पुलिस उपायुक्त अपराध अभिषेक का शनिवार की देर रात तबादला हो गया है। उन्हें शामली का पुलिस अधीक्षक बनाकर भेजा गया है। अब उनकी जगह औरैया के पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा को भेजा गया है। अभिषेक वर्मा वर्ष 2016 बैच के आईपीएस अफसर हैं। मूल रूप से चित्रकूट के रहने वाले हैं। वर्ष 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। अभिषेक वर्मा ने इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग किया है। वह 30 सितंबर 2021 से औरैया में तैनात थे।

कानपुर देहात के पुलिस अधीक्षक स्वप्निल ममगई को गौतमबुद्ध नगर में 49वीं वाहिनी पीएसी का कमांडेंट बनाकर भेजा गया है। इसी साल 5 जनवरी को स्वप्निल ममगई का तबादला कानपुर देहात बतौर पुलिस अधीक्षक किया गया था। स्वप्निल ममगई वर्ष 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। कानपुर देहात में पोस्टिंग से पहले हुए उत्तर प्रदेश के 7 जिलों में बतौर पुलिस अधीक्षक काम कर चुके हैं। मूल रूप से उत्तराखंड में देहरादून के रहने वाले हैं। कंप्यूटर साइंस में बीटेक किया है। स्वप्रिल ममगई लखनऊ में आर्थिक अपराध शाखा के एसपी रह चुके हैं। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना के समय उन्हें डीसीपी हेडक्वार्टर नियुक्त किया गया था। वह सीबीसीआईडी लखनऊ में भी तैनात रहे हैं।

2016 में बतौर एसपी उनकी पहली पोस्टिंग बलरामपुर में हुई थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने एसपी एटा के रूप में जिम्मेदारी निभाई थी। वह मथुरा, रायबरेली में भी एसपी रह चुके हैं। स्वप्निल अगले सप्ताह गौतमबुद्ध नगर में 49वीं वाहिनी पीएसी में बतौर कमांडेंट कार्यभार संभालेंगे। वर्ष 2011 बैच के आईपीएस स्वप्निल ममगई को तेज तर्रार आईपीएस और कड़े निर्णय लेने वाले अफसर के रूप में जाने जाते हैं।

पिता पर लगा बेटी से डिजिटल रेप का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में एक पिता पर अपनी 5 वर्ष की बेटी के साथ डिजिटल रेप करने का आरोप लगा है। इस मामले में आरोपी की पत्नी के द्वारा थाने में शिकायत दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई। दरअसल, पूरा मामला बिसरख थाना क्षेत्र की समृद्धि ग्रैंड एवेन्यू हाउसिंग सोसायटी का है। यहां की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि उसकी 5 वर्षीय बच्ची के साथ उसके पति ने डिजिटल रेप किया है। पति के खिलाफ उसने लिखित में शिकायत दी और कार्रवाई की मांग की। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि वह जब बच्ची को नहला रही थी, तब बच्ची ने उसके प्राइवेट पार्ट में दर्द होने की बात बताई। थाना प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया, महिला की शिकायत के बाद इस मामले में तुरंत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया। बच्ची का मेडिकल कराया गया, लेकिन उसमें कुछ भी नहीं आया है।

नोएडा में 10 जुलाई तक सभी ड्रेनों की होगी सफाई

- प्राधिकरण की तैयारी शुरू, मानसून के दौरान नहीं होगा शहर में जलभराव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मानसून को लेकर नोएडा प्राधिकरण ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण ने पहले से ही जलभराव की समस्या से निपटने का रास्ता निकालना शुरू कर दिया है। नोएडा के सेक्टर और गांवों के सभी छोटे बड़े ड्रेन की सफाई का काम आगामी 10 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा। पीजीएम राजीव त्यागी ने बताया कि जन स्वास्थ्य खण्ड.प्रथम के तहत 64 मैन ड्रेनों की सफाई के लिए ई.निविदाएं आमंत्रित की गई थी। जिसमें संविदाकारों का चयन कर उनको कार्य आवंटित कर दिया गया है। साथ ही जनस्वास्थ्य-द्वितीय के 38 ड्रेनों की सफाई का कार्य आवंटित कर दिया गया है।

ऐसे में कुल 102 ड्रेन की सफाई का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रेनों की सफाई में यदि किसी भी संविदाकारी द्वारा कोई भी लापरवाही की जाती हैएतो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसके अतिरिक्त शेष मैन ड्रेनों की सफाई प्राधिकरण द्वारा विभागीय मशीनरी लगाकर करायी जा रही है। ड्रेनों में की जा रही सफाई के कार्यों पीजीएम राजीव त्यागी ने निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने सेक्टर.135 गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निर्देशित किया कि यहां उत्सर्जित होने वाले गोबर के सदुपयोग कर यहां गमलों का निर्माण किया जाए।

इसके अतिरिक्त जनस्वास्थ्य के परियोजना अभियन्ता विजय कुमार रावल एवं आरके शर्मा, दोनों खंडों के प्रबंधक गौरव बंसल एवं एपी वर्मा एवं समस्त सफाई निरीक्षकों द्वारा प्रतिदिन निरीक्षण किया जायेगा व ड्रेन क्लीनिंग कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जायेगी। ड्रेनों से निकलने वाली सिल्ट,फ्लोटिंग मैटेरियल को सीधे हाईवा में डालकर प्राधिकरण के डंपिंग ग्राउंड में पहुंचाया जाएगा। ताकि नोएडा के निवासियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े एवं बरसात के समय शहर में जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो सके। मैन ड्रेनों की सफाई पूर्ण होने पर इन्हीं सविंदाकारों से पूरे वर्ष मुख्य ड्रेनों से फ्लोटिंग मैटेरियल निकलवाने का कार्य किया जायेगा। सफ ाई के कार्यों की फोटोग्राफ जीपीएस से टैग की जा रही है। ताकि ऑनलाइन मॉनिटर किया जा सके।

गाजियाबाद में एलिवेटेड रोड पर फोड़े स्काईशॉट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

1248 करोड़ रुपए से बनी देश की सबसे लंबी एलिवेटेड रोड पर आजकल स्टंटबाजों का कब्जा है। रील शूट करनी हो या कुछ और मौज मस्ती। इसके लिए गाजियाबाद की एलिवेटेड रोड सबसे मुफीद बनी है।

ताजा मामला करीब साढ़े 12 बजे का है। एलिवेटेड रोड पर इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में पांच गाड़ी सवार लड़कों ने जमकर आतिशबाजी करके वीडियो शूट की। इस मौज मस्ती से जुड़ी एक वीडियो सामने आई है। इस वीडियो में दिख रहा है कि इन लड़कों ने अपनी गाड़ियां सड़क किनारे विपरीत दिशा में खड़ी कर रखी हैं और बाकायदा उनकी छतों पर रखकर स्काई शॉट फोड़ रहे हैं। एक पत्रकार ने उन्होंने यह दृश्य देखा तो वीडियो बनाकर ट्वीट कर दिया। गाजियाबाद पुलिस ने जवाब दिया कि इंदिरापुरम थाना पुलिस को मौके पर जाकर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है।

कार्रवाई हुई अथवा नहीं, इसका अपडेट गाजियाबाद पुलिस की तरफ से अभी तक कोई नहीं दिया गया है। कुल मिलाकर इस वीडियो से एक बात स्पष्ट हो रही है कि स्टंटबाजों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। यह स्थिति तब है, जब आए दिन इनके भारी.भरकम धनराशि के चालान काटे जा रहे हैं। यह एलिवेटेड रोड गाजियाबाद में राजनगर एक्सटेंशन से शुरू होती है और दिल्ली.मेरठ एक्सप्रेस.वे पर इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में जाकर जुड़ती है। इसकी लंबाई 10.82 किलोमीटर है।

इसके निर्माण पर 1248 करोड़ रुपए लागत आई थी। यह रोड 227 सिंगल पिलर पर छह लेन चौड़ी है।

ट्रायल रन के लिए टेस्टिंग यार्ड में पहुंची रैपिड रेल

- ट्रेन चालू करने को गुजरात से गाजियाबाद आए इंजीनियर, अगस्त में भरेगी फर्राटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

देश की पहली रीजनल रैपिड रेल अब ट्रायल रन के लिए तैयार हो रही है। गाजियाबाद के दुहाई डिपो में पहुंची इस रेल को अब टेस्टिंग यार्ड में लाकर खड़ा कर दिया गया है। ट्रेन को यार्ड तक लाने के लिए क्रेन की मदद लेनी पड़ी, जिससे खींचकर उसको यार्ड तक पहुंचाया गया। रैपिड रेल का निर्माण करने वाली एलस्टॉम कंपनी के प्लांट गुजरात से इंजीनियरों की टीम दुहाई डिपो में पहुंच गई है। ट्रेन को स्टार्ट करने काम गुजरात के इंजिनीर्स करेंगे।

नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट सिस्टम का टारगेट है कि इस रैपिड रेल का ट्रायल रन हर हाल में अगस्त.2022 तक कर लिया जाए। ट्रायल रन फर्स्ट फेज में गाजियाबाद में साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच होगा, जिसकी दूरी 17 किलोमीटर की है। इस बीच रेल पटरियां बिछ चुकी हैं। तीन दिन पहले सिग्नल लगाने समेत अन्य तकनीकी काम शुरू हो चुका है।

अफसरों का कहना है कि फर्स्ट फेज में हम रैपिड रेल का संचालन साल.2023 से शुरू कर देंगे। इसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं। रैपिड रेल का पहला स्टेशन दिल्ली के सराय काले खां और आखिरी स्टेशन मेरठ के मोदीपुरम में है। इन दोनों स्टेशनों की दूरी 82 किलोमीटर है। फर्स्ट फेज में साल-2023 में साहिबाबाद से दुहाई, दूसरे फेज में साल-2024 में दुहाई से मेरठ के शताब्दीनगर और 2025 में इस पूरे कॉरिडोर पर रैपिड रेल चलाने का टारगेट है। इस पूरे कॉरिडोर पर दो डिपो बनाए गए हैं। पहला दुहाई और दूसरा मोदीपुरम में है। रैपिड रेल का निर्माण गुजरात के सांवली स्थित एलस्टॉम कंपनी के प्लांट में हुआ है।

जलापूर्ति वाली कंपनी पर प्राधिकरण ने लगाया 3.91 लाख का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने जलापूर्ति का काम देख रही फर्म सर्वेष बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स पर 3.91 लाख का जुर्माना लगाया है।

ट्यूबवेल के रखरखाव में लापरवाही पर जल विभाग ने यह कार्रवाई की है। फर्म को होने वाले भुगतान की रकम में से जुर्माने की कटौती की जाएगी। यह पेनल्टी अलग.अलग कार्यों में लापरवाही पर सात बार में लगाई गई है। जल विभाग के प्रभारी और वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह ने बताया कि बेहतर जलापूर्ति व्यवस्था के लिए ग्रेटर नोएडा को आठ जोन में बांट रखा है। जोन दो, चार, पांच और छह में जलापूर्ति का जिम्मा सर्वेष बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स पर है।

सेक्टर ईटा-वन की नलकूप खराब हुई, लेकिन फर्म ने इसे समय से ठीक नहीं किया। फर्म की लापरवाही से निवासियों को परेशानी हुई। इस वजह से 37500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह सेक्टर पी.6 की ग्रीन बेल्ट में लगा नलकूप का मोटर खराब हो गया।

गाड़ी टच करने के विवाद पर 10 से ज्यादा लड़कों ने बीच सड़क पर पीटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में शनिवार रात एक बजरंगदल कार्यकर्ता को 10 से ज्यादा लड़कों ने हमला कर जमकर पीटा। घर के बाहर सड़क पर उसे बुरी तरह लात-घूंसे मारे। बचाव में आए युवकों से भी मारपीट की गई। पुलिस ने इस मामले में पांच नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। आरोपियों की गिरफ्तारी को दबिश दी जा रही है।

कस्बा खोड़ा के अनिल विहार में मकान नंबर-191 निवासी पंकज कुमार बजरंग दल का कार्यकर्ता है। पंकज ने बताया कि करीब आठ दिन पहले घर के बाहर उनकी गाड़ी खड़ी थी। कुछ लड़के गाड़ी को नुकसान पहुंचा रहे थे। पंकज की मां ने उन्हें ऐसा करने से मना किया, तो गाड़ी पर डंडा फेंककर मारा, जो एक बच्चे को जा लगा। उस वक्त मामूली विवाद हुआ, लेकिन मामला शांत करा दिया गया। पंकज ने बताया कि उन्होंने आरोपियों की पहचान की, तो उसमें शामिल एक लड़का शनिवार रात अनिल विहार के चौराहे पर खड़ा दिख गया।

यहां पर वाद-विवाद शुरू होते ही इस लड़के ने अपने कुछ साथी बुला लिए और पंकज पर हमला बोल दिया। इस मारपीट से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इसमें कुछ लड़के पंकज को बुरी तरह पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो एक घर की छत से बनाया गया है। पिटाई करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पंकज ने बताया कि आरोपियों के पास एक पिस्टल थी।

वाटर पार्क में लड़कियों के साथ मारपीट

- पुलिस ने घटना से किया इंकार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा के जीआईपी मॉल के अंदर मारपीट का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक जीआईपी मॉल के भीतर वर्ल्ड ऑफ वंडर वाटर पार्क में लड़कियों के साथ मारपीट हुई है।

हालांकि, पुलिस का कहना है कि वाटर पार्क में कोई भी मारपीट नहीं हुई। लड़कियों ने जो कपड़े पहने हुए थे, उसको लेकर विवाद हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा के जीआईपी मॉल में स्थित वर्ल्ड ऑफवंडर वाटर पार्क में एक महिला अपनी दो बेटियों के साथ मौज.मस्ती करने आई थी। बताया जा रहा है कि महिलाओं और लड़कियों का कॉस्ट्यूम को लेकर वहां के स्टाफ से विवाद हुआ है।

बताया जा रहा है कि महिला और लड़कियां अपने पहने हुए कॉस्ट्यूम समेत वाटर पार्क में नहाने गई थी, लेकिन उनको वहीं पर रोक दिया गया। स्टाफ ने उनसे कहा कि वह इन कॉस्ट्यूम को पहनकर वाटर पार्क में नहीं नहा सकती हैं। जिसको लेकर विवाद हुआ है। बताया जा रहा है कि एक लड़की की उम्र 15 साल और दूसरी लड़की की उम्र 20 साल है। जबकिए उनकी मां की उम्र करीब 50 वर्ष है। जानकारी मिली रही है कि वाटर पार्क की महिला स्टाफने तीनों के साथ मारपीट की है। हालांकि, इस मामले की पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। इस मामले में जीआईपी चौकी इंचार्ज का कहना है कि केवल तीखी नोकझोंक हुई है।

ग्रेनो में शुरू होगा श्वानों का पंजीकरण, प्राधिकरण ने बनाई योजना

- भैरव परियोजना के तहत श्वानों की नसबंदी जारी रहेगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण जीएनआईडीए अगले महीने से श्वानों का पंजीकरण शुरू करने की योजना बना रहा है। इसने वंशावली श्वानों के लिए 500 रुपये और इंडी पालतू जानवरों के लिए 200 रुपये का वार्षिक शुल्क प्रस्तावित किया है। बदले में, जीएनआईडीए पंजीकृत श्वानों को रेबीज रोधी टीकों का खर्च वहन करेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकारियों ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य कुत्तों की आबादी की उचित गणना करना और अवैध प्रजनन पर अंकुश लगाना है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में फलफूल रहा है। पड़ोसी गाजियाबाद में, नगर निगम पालतू जानवरों के पंजीकरण के लिए 1000 रुपये लेता है, जबकि नोएडा में शुल्क 500 रुपये है। अधिकारियों ने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण आवारा श्वानों की नसबंदी और टीकाकरण पर अपनी नीति में संशोधन करने की भी योजना बना रहा है। वर्तमान में, जीएनआईडीए और आरडब्ल्यूए टीकाकरण की लागत को साझा करते हैं लेकिन सड़कों पर रहने वाले आवारा लोगों की एक बड़ी आबादी को कवर नहीं किया जाता है। संशोधन लाए जाने के बाद, प्राधिकरण ऐसे श्वानों की नसबंदी की लागत वहन करेगा। जानकारी के मुताबिक, निर्णय दो दिन पहले पालतू निगरानी समिति द्वारा लिए गए थे। जिसमें भारतीय पशु कल्याण बोर्ड, जिला पशु चिकित्सा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और जीएनआईडीए के दो-दो सदस्य शामिल हैं। एक बार योजना को जीएनआईडीए के सीईओ और प्राधिकरण बोर्ड द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है तो प्रक्रिया अगले महीने से आकार लेने की सबसे अधिक संभावना है। जीएनआईडीए में उप महाप्रबंधक सार्वजनिक स्वास्थ्य सलिल यादव ने कहा, अन्य जिलों में ऐसी सुविधाओं की जांच करने के बाद निर्णय लिया गया। हमने रजिस्ट्रेशन के लिए नाममात्र का शुल्क रखा है। वार्षिक शुल्क वसूल कर हम जो सुविधाएं देंगे, उसे लेकर निवासियों द्वारा कई सवाल उठाए जा रहे हैं। अब तक, हमने एंटी-रेबीज टीकाकरण प्रदान करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि इस कदम से कुत्तों के मालिकों और ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों के अन्य निवासियों के बीच अक्सर होने वाले झगड़ों में कमी आने की संभावना है क्योंकि जानवरों का टीकाकरण किया जाएगा। यादव ने कहा कि भैरव परियोजना के तहत आवारा कुत्तों की नसबंदी जारी रहेगी।

जीएनआईडीए नसबंदी और टीकाकरण के साथ-साथ आवारा पशुओं का डेटाबेस भी तैयार कर रहा है। अब तक 400 कुत्तों का पंजीकरण किया जा चुका है और उनमें से 300 की नसबंदी और टीकाकरण किया जा चुका है। इसकी जिम्मेदारी एक एनजीओ को दी गई है।

रेरा कन्सीलिएशन फोरम में मिली खरीदार को राहत

नोएडा। उप्र रेरा कन्सीलिएशन फ ोरम ने आवंटी अमरीक सिंह एवं प्रोमोटर, मेसर्स लॉजिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्रालि के बीच विवाद का समाधान कर दिया। फोरम ने प्रोमोटर से आवंटी को आवंटित इकाई के कब्जे में हुए विलम्ब के जुर्माने का समायोजन कर बकाया राशि लेकर निश्चित समय में कब्जा देने के लिए कहा है। इससे आवंटी को 9 लाख रुपये की बचत के साथ इकाई का कब्जा मिलना तय हो गया।

उप्र रेरा कन्सीलिएशन फोरम के कन्सीलिएटर आरडी पालीवाल ने मामले का समाधान निकाला। आवंटी ने मेसर्स लॉजिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्रालि की परियोजना ब्लॉसम कॉउंटी में एक इकाई बुक की थी। एग्रीमेन्ट के अनुसार आवंटी को फ्लैट 4109581 रुपये का था।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष

परिश्रम की अधिकता रहेगी. पुराने मित्रों से संपर्क बन सकते हैं। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें मिली-जुली रहेंगी माता-पिता का स्वास्थ्य एक बड़ी चिंता का विषय होगा। प्रिय को मामूली मुद्दों पर गुस्सा आ सकता है। आपकी भावनाओं को ठेस लग सकती है। भगवान के प्रति आस्था बढ़ेगी। नए मित्र बन सकते हैं। कुछ महत्वपूर्ण लोगों से भी मुलाकात होने की संभावना है।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक : 7
विशेष : घर में चंद्रमा का यंत्र स्थापित करें

वृष

आज किस्मत का साथ मिलेगा। इनकम में बढ़ोतरी के लिये किसी की मदद मिल सकती है। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से पूरा होगा। जीवनसाथी काम के लिये तारीफ कर सकता है। पूरा दिन आ मन खुश रहेगा। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल अच्छा बना रहेगा। काम को लेकर कई योजनाएँ समय से पूरी हो जायेंगी।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक : 6
विशेष : घर में गंगाजल की स्थापना करें

मिथुन

गुप्त शत्रुओं द्वारा बनाई गई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों के साथ व्यवहार करते समय सावधान रहना चाहिए और उनका विरोध करने से बचें। व्यावसायिक सन्दर्भ में कुछ नवीन परिवर्तन हो सकते हैं। स्वास्थ्य कुछ हद तक प्रभावित हो सकता है। खर्च में काफी वृद्धि हो सकती है जो तनाव में रख सकती है। अविवाहित युवकों के जीवन में प्रेम का प्रवेश हो सकता है।

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

भाग्यांक : 4
विशेष : चंद्रमा के मंत्रों का जाप करें

कर्क

आज परिणाम पक्ष में होंगे। काम में कुछ उतार-चढ़ाव हो सकता है। छिपे हुए दुश्मनों से सावधान रहें जो नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।सहकर्मियों का सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगे । निवेश करने से पहले उचित विचार अवश्य करें। करीबी भावनात्मक रूप से आहत कर सकता है। मित्र से सलाह उपयोगी रहेगी। यात्रा लाभकारी होगी।

(ही, हूं ,हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक : 7
विशेष : भगवान शिव की आराधना करें

सिंह

घर पर रिश्तेदार के आने से परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। मनोरंजन के लिए कहीं घूमने भी जा सकते हैं। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। अचानक ऐसी खुशखबरी मिलेगी, जो जिंदगी को एक नये रूप में जीने का मौका देगी। कार्य विस्तार की योजना बना सकते हैं, सफलता मिलेगी। जरूरी काम पूरे होंगे। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। कार्यक्षेत्र में काम के लिये वाहवाही मिल सकती है। सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा

(मा, मी ,मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक : 3
विशेष : विधवा महिला की मदद करें

कन्या

निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। मानसिक परेशानियों में कमी आ सकती है प्रसन्न रह सकते हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। अपना समय परिवार के लोगों के साथ बिता सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी। दयालु और उदारता का व्यवहार कर सकते हैं। मानसिक व्यग्रता और शारीरिक अस्वस्थता रहेगी। सकारात्मक विचारों को ही दिमाग में आने दें।

(टो ,पा, पी, पू, ष, श, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक : 4
विशेष : गाय को जौ खिलाए

तुला

व्यावसायिक और आर्थिक प्रगति के लिए एव सम्मान पाने के लिए, अवधि अनुकूल है। धर्मी बनेंगे और संघर्षों के मामले में विजयी बनेंगे। भावों और विचारों के संबंध में सावधान रहने की आवश्यकता है आपको उधार या उधार को कम करना चाहिए सट्टा निवेश से भी बचना चाहिए। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। अपच सम्बंधित समस्या हो सकती है। नौकरी करने वालों को संघर्ष करना पड़ सकता है।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक : 7
विशेष : भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें

वृश्चिक

शुभ समाचार मिलने के योग नजर आ रहे हैं। पुराने मित्र से मुलाकात की संभावना है। भविष्य में बड़े फायदे हो सकते हैं। पूरा ध्यान करियर को आगे बढ़ाने पर रहेगा। जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करके अच्छा महसूस होगा। जीवनसाथी के साथ ट्रिप का प्लान बनायेंगे। बिजनेस को आगे बढ़ाने के बारे में भी सोच सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। यातायात नियमों का अच्छे से पालन करें।

(तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक : 8
विशेष : शरीर पर चांदी धारण करें

धनु

काम-काज को अत्यंत युक्ति संगत व सुचारू करेंगे। स्वास्थ्य में कष्ट प्रतीत होगा। धर्म-कर्म में भी रुचि बढ़ेगी। ऐसी खबर मिल सकती है जो जीवन को अच्छे मार्ग की ओर प्रशस्त करेगी। सामाजिक या धार्मिक सेवा के कार्य भी किए जा सकते हैं। घर से निकलने से पहले बड़ों के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक : 5
विशेष :शिव मंदिर में प्रकाश की व्यवस्था करें

मकर

आज कार्यों से लाभ मिलेगा। पैसों से संबंधित काम करें उनका पूरा परिणाम आपको मिलने के योग हैं। संतान का मार्गदर्शन जरूर करें। कुछ मौकों पर आत्मविश्वास की कमी हो सकती है । रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करने में सक्षम होंगे। घर के कलह मिट जायेंगे। व्यवसाय या कार्य क्षेत्र का समय उत्तम है। निजी जिन्दगी में दूसरों को दखल न दें। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

भाग्यांक : 5
विशेष : रुद्राष्टकम का पाठ करें

कुंभ

एक तरफा सोच परेशानी में डाल सकती है। वाणी पर संयम रखना चाहिए अच्छे संबंध बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। आज काम में बहुत ज्यादा व्यस्त हो सकते हैं, परिवार के लिये जरूर निकालना चाहिए। दूसरों की कोई सलाह फायदेमंद सिद्ध हो सकती है। बेहतर होगा सबकी बातों पर गौर फरमाएं। बच्चों का मन पढ़ाई की अपेक्षा खेल-कूद में ज्यादा लगेगा। बच्चों पर थोड़ा ध्यान रखना चाहिए।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

भाग्यांक : 3
विशेष : गले में सफेद रंग का धागा धारण करें

मीन

सिरदर्द की बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। आपको चोटों का खतरा है वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे। एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं जो भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा। वित्तीय स्थिति स्थिर होगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे। दूसरों से सहयोग से कार्यों में सफलता मिलेगी।। वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक : 7
विशेष : वृक्षारोपण करें।

नोट : कुंडलियों व राशियों के ग्रहों के आधार पर जीवन में घटित हो रही घटनाओं में भिन्नता हो सकती है। जानकारी के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।

बागवानी कम जगह में भी की जा सकती है

छोटा सिटआउट बन सकता है, सब्जियां उगाई जा सकती हैं और फूल खिलाए जा सकते हैं

आजकल छोटे घरों में पार्किंग के पास छोटा-सा चौकोर स्थान शेष बचता है या अपार्टमेंट में रहते हों, तो छोटी-सी बालकनी। बस, बागवानी के शौक को पूरा करने के लिए इतना ही स्थान मिलता है। यहीं फूल, सब्जियां उगाने के साथ-साथ बाग का आनंद लेने की गुंजाइश भी निकालनी होगी, जो चुनौती तो है, लेकिन साथ ही सुगठित, हरी-भरी, फूलों के विविध रंगों से सजी बगिया बनाने का सुख भी है।

वर्टिकल गार्डन बनाएं

अगर आपको बहुत सारे पौधे लगाने हैं तो वर्टिकल गार्डन बना सकते हैं। गमलों के लिए स्टैंड रख सकते हैं जिसमें एक स्टैंड पर छह-सात से ज़्यादा गमले रखे जा सकते हैं। स्टैंड लंबाई में होता है इसलिए जगह भी कम घिरती है। अगर आंगन या बालकनी का कोई ऐसा कोना है जिसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं तो किनारे के लिए भी स्टैंड ले सकते हैं। पॉट वाले स्टैंड भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें छोटे पौधे वाले फल जैसे स्ट्रॉबेरी और सब्जियां जैसे चेरी टमाटर उगाई जा सकती हैं।

हैंगिंग बास्केट आजमाएं

पालक, मेथी, स्ट्रॉबैरी, मोटी लाल मिर्च, चेरी टमाटर, करेला आदि जैसे छोटे पौधे और बेल को दीवार पर लटका सकते हैं। इसके लिए स्टैंड का इस्तेमाल किया जा सकता है या फिर छत के सहारे लटकाया भी जा सकता है। पत्तेदार सब्ज़ियां छोटी जगह में भी अच्छी बढ़ जाती हैं इसलिए कई छोटे-छोटे पॉट में पालक, मेथी आदि लगाकर इन्हें दीवार के सहारे लटका सकते हैं।

इन पौधों को साथ लगाएं

कुछ पौधों को एक ही गमले में साथ लगाने से काफ़ी जगह बचेगी। धनिया-मेथी एक साथ लगा सकते हैं। शलजम और मूली एक गमले में लगा सकते हैं। हरी मिर्च, लाल मोटी मिर्च और शिमला मिर्च एक ही गमले में लगाई जा सकती है। जड़ वाली सब्जियां जैसे मूली और गाजर साथ लग सकती हैं। लहसुन और प्याज़ की महक तेज होती है तो इन्हें साथ लगाएं। लताएं भी साथ लगा सकते हैं, जिन्हें बांस लगाकर ऊपर चढ़ा सकते हैं। जड़ वाली सब्जियों के लिए उन ग्रो बैग का इस्तेमाल कर सकते हैं जिन्हें जड़ वाली सब्जियों के लिए ही बनाया गया है। इससे मिट्टी खोदकर सब्जी निकालने की जद्दोजहद नहीं करनी पड़ेगी।

हर जगह का उपयोग करें

घर में दो तरह की जगह हो सकती हैं जहां 5-6 घंटे धूप आती है और कम धूप आती है। 5-6 घंटे धूप आने वाली जगह में सब्जियां जैसे बैंगन, मिर्च, टमाटर, गाजर, मूली, चुकंदर, शलजम, करेला, गिल्की आदि लगा सकते हैं। अगर शोभायमान पौधे लगाना है तो टेबल पाम, क्रोटन, जेड प्लांट, फायकस, गुड़हल, बोगनवेलिया, एक्जोरा, आदि लगा सकते हैं। वहीं कम धूप वाली जगह में पालक, मेथी, हरा धनिया, आदि लगा सकते हैं। शोभायमान पौधों में डिफनबाकिया, एग्लोनिमा, पीस लिली, कोलियस, मनीप्लांट, मॉन्स्टेरा, स्नेक प्लांट, केलेडियम लगा सकते हैं।

पौधों की मिट्टी की तैयारी

धूप और छांव वाले सभी पौधों को लगाने के लिए मिट्टी का मिश्रण तैयार करना आवश्यक है। इसके लिए मिट्टी दो भाग, गोबर खाद एक भाग और वर्मी कम्पोस्ट एक भाग और एक-चौथाई भाग रेत लें। अगर रेत उपलब्ध नहीं है तो पौधों की उपज अच्छी नहीं होगी। एक बात ज़रूर ध्यान रखें कि हर 20 दिन बाद वर्मी कम्पोस्ट खाद पौधों को देते रहें जिससे पौधों की बढ़वार अच्छी होती है। अगर पौधे गमलों में लगा रहे हैं तो उनमें नीचे छेद अवश्य रखें। छेद के ऊपर कुछ टूटे हुए गमले के टुकड़े रखें, उसके बाद तैयार की गई मिट्टी के मिश्रण को भरकर पौधे लगा दीजिए।

बैठक भी बन सकती है

गमलों को स्टैंड पर रखकर, कुछ बड़े गमलों को नीचे रखकर, बालकनी में झूला लगाकर छोटे-से बाग को सिटआउट में भी बदल सकते हैं। लो सिटिंग के लिहाज़ से, एक दरी बिछाकर उस पर छोटी टेबल व बीन बैग या बांस के मुड्ढे रखकर भी बैठक बनाई जा सकती है।

छोटे बच्चों के बालों की कोमलता से देखभाल करना जरूरी

छोटे बच्चों के कपड़े, त्वचा और स्वास्थ्य की देखभाल पर बहुत ध्यान दिया जाता है। लेकिन बच्चों के बालों को भी खास देखभाल की जरूरत होती है। कुछ शिशुओं के बाल बहुत कम होते हैं, लेकिन कुछ के बाल घने और घुंघराले होते हैं। शिशुओं की सिर की त्वचा बेहद नाजुक होने के कारण, बालों की देखभाल करना थोड़ा कठिनाई-भरा काम है।

बालों को धोने का रूटीन

छोटे बच्चों के ज्यादा बाल नहीं होते, लेकिन जितने भी बाल हैं उन्हें धोने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए शैम्पू का प्रयोग करें क्योंकि बच्चों के बाल वयस्कों की तुलना में पांच गुना अधिक पतले होते हैं। इसलिए पीएच संतुलित और सौम्य शैम्पू से ही बालों को धोएं। ये शैम्पू बच्चों के बालों और सिर की त्वचा को कोमलता से साफ़ करते हैं।

पानी का तापमान हो सही

बच्चों के बाल धोते समय हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले बालों को गीला करें, उन पर शैम्पू लगाएं, हथेली को धीरे से बालों और पूरे सिर पर घुमाते हुए शैम्पू का झाग आने दें और उसके बाद पानी से धो लें। बच्चे के सिर को अपनी ओर धीरे से पीछे झुकाकर उसकी आंखों में पानी जाने से बचाया जा सकता है।

एक्सेसरीज का इस्तेमाल

आजकल कई माता-पिता बच्चों के बालों की स्टाइलिंग के लिए हेयर एक्सेसरीज जैसे बैंड्स और क्लिप्स का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा करते समय, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि बच्चे के बाल और सिर की त्वचा को चोट ना पहुंचे।

तेल का चुनाव

ऐसा तेल चुनें जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए हल्का हो। यह तेल चिकित्सकीय रूप से सौम्य सिद्ध होना चाहिए, ताकि इससे बच्चे के सिर की नाजुक त्वचा को कोई परेशानी ना हो। हल्के और नॉन-स्टिकी तेल का उपयोग करना सबसे अच्छा है। आजकल ऐसे बेबी हेयर ऑयल भी आते हैं जिनमें एवोकाडो और प्रो-विटामिन बी-5 होते हैं, जो बच्चे के बालों को मुलायम और स्वस्थ रखते हैं।

कब लगाएं तेल

चूंकि बच्चे के बाल और सिर की त्वचा नाजुक होती है, इसलिए उनकी देखभाल धीरे-धीरे व प्रभावी ढंग से की जानी चाहिए। नहाने से पहले बेबी हेयर ऑयल का इस्तेमाल करें, साथ ही जब भी बच्चे के सिर की त्वचा सूख जाए तब हर बार उसमें तेल लगाएं। बच्चे के सिर की सूखी त्वचा पर तेल से धीरे-धीरे मालिश करें ताकि वह मुलायम और स्वस्थ बनी रहे।

कंघी करना भी जरूरी है

अगर बच्चे के बाल घने और घुंघराले हैं तो वह उलझ सकते हैं। गांठों और उलझनों को कम करने के लिए दिन में कम से कम एक बार बड़े और मुलायम दांतों वाली कंघी का उपयोग करके धीरे-धीरे कंघी करें। सिर की त्वचा पर कंघी का इस्तेमाल कोमलतापूर्वक करें क्योंकि यह त्वचा संवेदनशील होती है। हो सके तो केवल बालों को उलझनमुक्त रखने के लिए उन पर ही कंघी चलाएं, सिर की त्वचा से दूर रखें। शैम्पू के बाद बाल जब गीले होते हैं तब बच्चे की कंघी करना सबसे अच्छा होता है।

मालिश कैसे करें

बच्चों के बालों के नीचे की त्वचा यानी स्कैल्प की देखभाल के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए बेबी हेयर ऑयल का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है। बच्चे के माता-पिता को बच्चे के सिर पर पर्याप्त मात्रा में तेल लगाना चाहिए और बिना किसी दबाव के अपनी उंगुलियों को चारों ओर घुमाकर धीरे से मालिश करनी चाहिए। यह विधि और उसके साथ माता-पिता का दुलार और नाजुक स्पर्श बच्चे और माता-पिता के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत करते हैं। तेल मालिश किए जाने के दौरान बच्चा धीरे-धीरे शांत होकर सो भी जाता है।

जब आपका वजन बढ़ने लगे

आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है।

वर्तमान युग में बच्चों से लेकर युवाओं तक सभी मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। मोटे व्यक्ति को जहां दूसरों के समाने शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, वहीं उसके शरीर में अनेक बीमारियां भी अपना घर बना लेती हैं। आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं, जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्व प्रथम आप यह याद रखें कि वजऩ को कम करने में समय लगता है। इसे रातों रात कम नहीं किया जा सकता। खानपान की गलत आदतों के परिणामस्वरूप पेट का आकार और वजन बढ़ जाते हैं। इस प्रकार बढ़े हुए पेट व वजन को कम करने हेतु खानपान के प्रति सतर्कता बरतना बेहद आवश्यक है। आपका भोजन पौष्टिक पर स्वादिष्ट होना भी जरूरी है क्योंकि भोजन स्वादिष्ट नहीं होगा तो आप भूखे तो रहेंगे ही, साथ ही असंतुष्ट भी रहेंगे। अत: भोजन को इस प्रकार पकाएं कि वह आपको संतुष्टि भी दे ओर साथ ही वजऩ कम करने में भी सहायक हो। अक्सर लोग सुबह का नाश्ता करते ही नहीं पर यह उचित नहीं है क्योंकि सुबह नाश्ता न करने से दोपहर को तेज भूख लगेगी, जिससे खाने के प्रति लालसा पैदा होगी व आप न चाहते हुए भी अधिक कैलोरी वाला भोजन खा लेंगे, इसलिए अगर आप वास्तव में ही अपना वजऩ कम करना चाहते हैं तो सही ढंग से नाश्ता करें। जब हम आवश्यकता से अधिक कैलोरीयुक्त भोजन खा लेते हैं तो यह अतिरिक्त कैलोरी हमारे पेट, नितम्बों व कूल्हों में जमा हो जाती है इसलिए वजन घटाने हेतु यह अति आवश्यक है कि आप अपने भोजन में कैलोरी की मात्र को कम से कम रखें। दिन भर में एक या दो बार पेट भर भोजन करने की बजाए 4-5 बार थोड़ा-थोड़ा खाएं। यह निश्चित रूप से आपके वजऩ को कम करने में सहायक होगा। इससे हमारी शरीर की मंद चयापचय क्रि या तीव्र होती है। दिन में 4-5 बार किया भोजन हमारे शरीर में ऊर्जा की पूर्ति भी करता है और हमारी भूख भी शांत रहती है। रेशे भी वजन को कम करने में सहायक हैं। ये आंतों में जमी चरबी को सोखते हैं। ऐसे रेशे हजारों सूक्ष्म धागों से मिलकर बने होते हैं। जब हम रेशेयुक्त भोजन खाते हैं तो ये धागे हमारे वसा कणों में ईर्द गिर्द लिपट जाते हैं और उनका पूरी तरह पाचन नहीं होने देते। इस प्रकार वसा हमारे शरीर में जमा होने से पूर्व ही बाहर निकल जाती है। रेशेयुक्त भोजन देर से हजम होता है व इसे पचाने हेतु शरीर को अधिक श्रम करना पड़ता है जिसमें अधिक ऊर्जा खर्च होती है। व्यायाम शरीर की अतिरिक्त चर्बी को घटाने का कारगर नुस्खा है। इसके लिए आपको जिम या हैल्थ क्लब जाने की जरूरत नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार एक दिन में 30 मिनट का शारीरिक श्रम, जिम में सप्ताह में पांच दिन 20 से 60 मिनट लगातार व्यायाम करने के बराबर होता है। अत: अधिक से अधिक शारीरिक श्रम करने का प्रयास करें। मोटापे के कारण शरीर की चयापचय क्रिया मंद पड़ जाती है जिसमें आप व्यायाम द्वारा वृद्धि कर सकते हैं। अपने खानपान के प्रति सतर्क रहने हेतु आपको चाहिए कि आप एक ऐसा चार्ट तैयार करें जिसमें आपका दिनभर का भोजन शामिल हो। दिन में 4-5 बार जो भी खाए, वह इस चार्ट पर नोट करें। एक सप्ताह के बाद इसे चेक करें कि आपने कब, कितनी मात्रा में किस तरह का भोजन खाया, रेशेयुक्त, कैलोरीयुक्त, फास्ट फूड या फिर अन्य प्रकार का भोजन। एक-एक सप्ताह के बाद चार्ट को चेक करने के साथ ही अपना वजन भी तोलें। इससे आपको पता चल जाएगा कि किस तरह के भोजन से आपका वजऩ कम होता है। इसके लिए आप आहार विशेषज्ञों की सलाह भी ले सकते हैं।

भारतीय महिला टीम की नजरें श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप पर

भारत ने तीन मैचों की श्रृंखला में 2.0 की विजयी बढ़त बना ली है

आज अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में श्रीलंका को हराने के इरादे से उतरेगी टीम

एजेंसी। दाम्बुला

श्रृंखला पहले ही अपने नाम करके आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला क्रिकेट टीम सोमवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराकर सीरीज में क्लीनस्वीप करने के इरादे से उतरेगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने पहले टी20 में घरेलू टीम को 34 रन से हराने के बाद दूसरे मैच में पांच विकेट की जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में 2.0 की विजई बढ़त बना ली है। इन जीतों से अगले महीने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारत का मनोबल बढ़ेगा। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी20 क्रिकेट पदार्पण कर रहा है। भारत ने जीत की लय हासिल कर ली है लेकिन टीम श्रृंखला में अब तक के अपने प्रदर्शन से पूरी तरह खुश नहीं होगी। दोनों मुकाबलों में अब तक गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारतीय बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है।

इसके अलावा भारत का क्षेत्ररक्षण भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। भारतीय गेंदबाजों ने प्रभावित किया है। स्पिनरों ने शानदार प्रदर्शन किया है और धीमी पिचों का पूरा फायदा उठाया है। उन्होंने पहले मैच में 138 रन के स्कोर का आसानी से बचाव किया।

श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू (43) और सलामी बल्लेबाजी विश्मी गुणारत्ने (45) ने दूसरे मैच में 87 रन की साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों का अच्छी तरह सामना किया। मेहमान टीम के गेंदबाजों ने हालांकि वापसी करते हुए अंतिम 3.1 ओवर में सिर्फ 14 रन दिए और श्रीलंका को सिर्फ 125 रन के स्कोर पर रोक दिया। भारतीय बल्लेबाजों को हालांकि इस लक्ष्य को हासिल करने में भी जूझना पड़ा। शेफाली वर्मा (17), साभिनेनी मेघना (17) और यस्तिका भाटिया (13) ने क्रीज पर जमने के बाद विकेट गंवाए। पहले मैच में टीम की शीर्ष स्कोरर रही जेमिमा रोड्रिग्ज (03) दूसरे मैच में सस्ते में पवेलियन लौट गई। पहले मैच में नाकाम रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 34 गेंद में 39 रन बनाकर जोरदार वापसी की। मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 31) ने भी उपयोगी पारी खेलकर भारत को विजई बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

पिछली श्रृंखला में श्रीलंका को पाकिस्तान ने 3.0 से हराया था

श्रीलंका की टीम लगातार दूसरी श्रृंखला में क्लीनस्वीप से बचने की कोशिश करेगी। टीम को पिछली श्रृंखला में पाकिस्तान ने 3.0 से हराया था। मेजबान टीम एकजुट होकर प्रदर्शन करने और सांत्वना भरी जीत दर्ज करनी की कोशिश करेगी, जिससे कि शुक्रवार से शुरू हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले उनका मनोबल बढ़ सके। टीम को इसके लिए अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों से योगदान की जरूरत होगी। इनोका रणवीरा और ओशादी रणसिंघे की स्पिन जोड़ी ने अब तक प्रभावित किया है और टीम को इन दोनों से एक बार फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

दोनों टीम इस प्रकार है

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, सिमरन बहादुर, यस्तिका भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, ऋचा घोष, साभिनेनी मेघना, मेघना सिंह, पूनम यादव, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्रकार और राधा यादव।

श्रीलंका: चामरी अटापट्टू (कप्तान), निलाक्षी डिसिल्वा, कविशा दिलहारी, विश्मी गुणरत्ने, अमा कंचना, हंसिमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, हर्षिता मदवी, हसिनी परेरा, उदेशिका प्रबोधनी, ओशादी रणसिंघे, इनोका रणवीरा, सत्य संदीपनी, अनुष्का संजीवनी, मालशा शेहानी, थारिका सेवंडी।

समय: मैच दोपहर दो बजे शुरू होगा।

चेन्नई ओपन शतरंज : बोरिस सावचेंको बने चैंपियन

एजेंसी। चेन्नई।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर नितिन सेंथिलवेल को हराकर

उपविजेता नितिन को दो लाख का पुरस्कार मिला

रूस के शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर बोरिस सावचेंको ने रविवार को यहां 13वें चेन्नई ओपन अंतराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट 2022 में टाई-ब्रेक के जरिए भारतीय अंतराष्ट्रीय मास्टर नितिन सेंथिलवेल को हराकर चैंपियन बने।

सावचेंको और नितिन दोनों के 10 दौर में साढ़े आठ अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। रूस के खिलाड़ी ने हालांकि बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। नितिन नौवें दौर के बाद बढ़त बनाए हुए थे लेकिन आखिरी दौर में ग्रैंडमास्टर एलेक्सी फेडरोव (बेलारूस) के साथ मुकाबला ड्रॉ होने के बाद उनका अभियान साढ़े आठ अंक के साथ खत्म हुआ। इससे सावचेंको को तालिका में नितिन की बराबरी करने का मौका मिल गया। उन्हें आखिरी दौर के अपने मैच में अंतराष्ट्रीय मास्टर आरण्यक घोष से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह भारतीय खिलाड़ी को शिकस्त देने में सफल रहे। ग्रैंडमास्टर सावचेंको ने चेन्नई ओपन 2022 ट्रॉफी और तीन लाख रुपए का नकद पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि उपविजेता नितिन को दो लाख रुपये मिले।

बेलारूस के एलेक्सी फेडरोव और भारत के एल आर श्रीहरि ने आठ-आठ अंक हासिल किए, लेकिन फेडरेव बेहतर टाई-ब्रेक स्कोर के कारण तीसरे स्थान पर रहे। स्विस प्रारूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में 275-खिलाड़ियों ने भाग लिया। दस दौर के इस टूर्नामेंट में 11 ग्रैंडमास्टर और 14 अंतराष्ट्रीय मास्टर सहित 275 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

फोक्स न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

लीड्स। बेन फोक्स कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं, जिसके कारण इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को मैदान पर उतरेगी तो उनकी जगह सैम बिलिंग्स विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे। फोक्स पीठ में दर्द की शिकायत के बाद तीसरे दिन दोपहर बाद मैदान पर नहीं उतरे थे और फिर बाद में लीड्स में टीम होटल में जांच के बाद कोविड पॉजिटिव पाए गए। न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में इस दौरान जॉनी बेयरस्टो ने विकेटकीपर की भूमिका निभाई लेकिन बाकी मैच में फोक्स की जगह लेने के लिए बिलिंग्स को टीम में शामिल किया गया है। बिलिंग्स मौजूदा श्रृंखला में दूसरे स्थानापन्न खिलाड़ी हैं जो इंग्लैंड की ओर से खेलेंगे। इससे पूर्व लार्ड्स में जैक लीच के क्षेत्ररक्षण करते हुए गिरने पर सिर में चोट लगने के कारण लंका के लेग स्पिनर मैट पार्किंसन को पदार्पण का मौका मिला था।

संक्षिप्त समाचार

मिताली कई लोगों के लिए प्रेरणा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मिताली राज की सराहना करते हुए इस पूर्व दिग्गज भारतीय कप्तान को शुभकामनाएं दीं, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की थी।सोलह साल की उम्र में पदार्पण करने वाली मिताली 23 साल के अपने करियर के दौरान सबसे अधिक मैच खेलने वाली और सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं। वह सबसे सफल महिला कप्तान भी रहीं। मोदी ने रविवार को मन की बात पर मिताली को भारत की सबसे प्रतिभावान क्रिकेटरों में से एक करार दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, क्रिकेट से उनके संन्यास ने कई खेल प्रेमियों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। मिताली ना सिर्फ असाधारण खिलाड़ी रही बल्कि कई खिलाड़ियों की प्रेरणा भी रहीं। मैं भविष्य के लिए मिताली को शुभकामनाएं देता हूं। आयरलैंड के खिलाफ 26 जून 1999 को पदार्पण करने के बाद मिताली ने 12 टेस्ट, 232 वनडे और 89 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच में देश का प्रतिनिधित्व किया। मिताली ने 333 अंतराष्ट्रीय मैच में तीनों प्रारूपों में कुल मिलाकर 10 हजार 868 रन बनाए।

भारत ने प्रिंसेस कप वॉलीबॉल में मलेशिया को 3-0 से हराया

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला वॉलीबॉल टीम ने थाईलैंड के नेखोन पेथोम में 21वें प्रिंसेस कप के शुरुआती दौर के तीसरे लीग मैच में मलेशिया को 2-0 से हराया। भारत ने 25-17 25-16 25-22 से जीत दर्ज की।चौबीस जून को शुरू हुआ यह टूर्नामेंट 30 तक चलेगा। भारत की ओर से अटैकर अनुश्री केपी और ब्लॉकर सूर्या ने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय वॉलीबॉल महासंघ (वीएफआई) के अध्यक्ष अच्युता सामंत ने चैंपियनशिप में लगातार तीसरी जीत के लिए टीम को बधाई दी है।

गेरेथ बेल ने लॉस एंजिलिस एफसी से करार किया

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस एफसी ने वेल्स के स्टार फारवर्ड गेरेथ बेल के साथ करार किया है। बेल इससे पहले रीयाल मैड्रिड के साथ जुड़े थे लेकिन आगामी सत्र में अमेरिका की मेजर लीग सॉकर (एमएलएल) में खेलते हुए नजर आएंगे। इस करार की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने एपी को यह जानकारी दी। व्यक्ति ने शनिवार को नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि लॉस एंजिलिस एफसी और बेल के बीच 12 महीने के करार को अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। लॉस एंजिलिस की टीम ने इसी महीने इटली के डिफेंडर जॉर्जियो चिलेनी से भी करार किया।

न्यूजीलैंड ने लंच तक 223 रन की बढ़त हासिल की

लीड्स। डेरिल मिशेल और टॉम ब्लंडेल की जोड़ी ने रविवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन सुबह के सत्र में कोई विकेट नहीं गिरने दिया जिससे न्यूजीलैंड ने ब्रेक तक अपनी कुल बढ़त 223 रन की कर ली। मिशेल और ब्लंडेल ने पूरी श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड को परेशान किया है। इन दोनों ने लार्ड्स पर 195 और ट्रेंड ब्रिज में 236 रन की भागीदारी निभाई थीं। इन दोनों ने फिर घरेलू आक्रमण का डटकर सामना किया और बिना विकेट गंवाए 86 रन जोड़ लिए थे। तीसरे दिन के शाम के सत्र में चार विकेट गिरने से इंग्लैंड ने मैच पर शिकंजा कस लिया था लेकिन रविवार को दो घंटे तक उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। न्यूजीलैंड ने लंच ब्रेक तक पांच विकेट पर 264 रन बना लिए थे। श्रृंखला में तीन शतक जड़ चुके मिशेल 44 रन बनाकर खेल रहे थे और इस दौरान वह इंग्लैंड में तीन या इससे कम मैचों की श्रृंखला में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए। ब्लंडेल 45 रन बनाकर खेल रहे थे।

ओडिशा एफसी ने फर्नांडिज को मुंबई सिटी से ऋण पर लिया

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी ने रविवार को भारतीय मिडफील्डर रेनियर फर्नांडिज से करार की घोषणा की जो मुंबई सिटी एफसी के साथ 2020-21 सत्र में इंडियन सुपर लीग और शील्ड विजेता रह चुके हैं। मुंबई के 26 साल के खिलाड़ी को ओडिशा एफसी ने एक सत्र के लिए मुंबई सिटी एफसी से ऋण पर लिया है जिसकी ओर से वह तीन सत्र खेल चुके हैं। इसकी जानकारी क्लब ने एक बयान में दी। फर्नांडिज ने अपना अंतराष्ट्रीय पदार्पण थाईलैंड में 2019 किंग्स कप में किया था। भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए टीम में शामिल किया था और उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टीम में भी चुना गया था। एयर इंडिया से अपना फुटबॉल करियर शुरू करने वाले फर्नांडिज ने संतोष ट्राफी में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया था।

महाराष्ट्र के साइकिलिस्ट ने मुश्किल साइकिल रेस में पोडियम पर जगह बनाई

एजेंसी। मुंबई

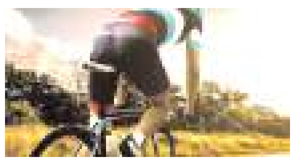

महाराष्ट्र के अल्ट्रा साइकिलिस्ट कबीर राचूर ने रविवार को रेस एक्रॉस अमेरिका (रैम) में अपने वर्ग में पोडियम पर जगह बनाई।

दुनिया की सबसे मुश्किल साइकिल रेस मानी जाने वाली रैम में यह उपलब्धि हासिल करने वाले कबीर पहले भारतीय हैं। बंबई उच्च न्यायालय में वकालत करने वाले मराठवाड़ा के रहने वाले वकील कबीर एकल पुरुष अंडर-50 वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे। आधिकारिक तालिका के अनुसार उन्होंने 3038 मील की दूरी 11 दिन, 11 घंटे और 25 मिनट में पूरी की। इस रेस के दौरान घड़ी लगातार चलती रहती है और प्रतिभागियों को अमेरिका के पश्चिमी तट से पूर्वी तट की दूरी 12 दिन से कम में पूरी करनी होती है और इस दौरान नींद, खाने जैसी अपनी सभी जरूरतों पर भी ध्यान देना होता है जो इससे सबसे मुश्किल एंड्यूरेंस रेस बनाता है।

दीपिका एंड कंपनी ने रजत पदक अपने नाम किया

तीरंदाजी विश्व कप में भारत ने तीन पदक जीते

भारत ने पहले सेट में सात के शॉट लगाए, जो टर्निंग प्वांइट साबित हुए

एजेंसी। पेरिस

दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और सिमरनजीत कौर की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को यहां विश्व कप के तीसरे चरण में एकतरफा फाइनल में चीनी ताइपे की तिकड़ी से हारकर रजत पदक हासिल किया। भारत ने इस तरह प्रतियोगिता में अपना अभियान एक स्वर्ण और दो रजत पदक से समाप्त किया। इनमें से दो पदक कम्पाउंड वर्ग में मिले थे।

महिला रिकर्व टीम को 13वीं वरीयता दी गई थी क्योंकि तीनों तीरंदाज व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष 30 से बाहर रही थीं। भारतीय टीम फाइनल में प्रभावित नहीं कर सकी और चीनी ताइपे से सीधे सेट में 1-5 (53-56 56-56 53-56) से हार गई। चीनी ताइपे के लाइन अप में रियो ओलंपिक टीम कांस्य पदक जीतने वाली टीम की सदस्य लेई चिएन यिंग भी शामिल थीं और इस तीसरी वरीय तीरंदाज ने शुरू में ही दबाव बना दिया, जिसमें उन्होंने दो बार 10 और चार बार नौ पर निशाना लगाया। वहीं भारत ने पहले सेट में सात के शॉट लगाए जो टर्निंग प्वांइट साबित हुए। भारतीय तिकड़ी ने वापसी कर दूसरे सेट में जीत से स्कोर बराबर किया, लेकिन इतना ही काफी नहीं था अगले सेट में चीनी पाइपे की तीरंदाजों ने अपनी निरंतरता कायम रखी और स्वर्ण पदक जीता। तीरंदाज दीपिका की हालांकि यह यादगार वापसी रही जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक की निराशा के बाद टीम से बाहर किए जाने के बाद रजत पदक जीता।

अपने विश्व रिकॉर्ड को बेहतर करने की कोशिश करूंगी: मीराबाई

एजेंसी। पटियाला

चानू ने पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था

भारतीय स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू राष्टमंडल खेलों में प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेंगी और उनका कहना है कि इनमें उनकी प्रतिस्पर्धा किसी और से नहीं बल्कि खुद से होगी।

चानू का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 207 किग्रा (88 किग्रा 119 किग्रा) का है जो नाइजीरिया की स्टेला किंग्सले से बेहतर है जो उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी हैं और वह अब तक 168 किग्रा (72 किग्रा 96 किग्रा) का ही वजन उठा सकी हैं। चानू ने पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने ओलंपिक में रजत पदक, एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य और एक विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उनका कहना है कि बर्मिंघम में उनकी असली प्रतिस्पर्धा अपनी प्रतिद्वंद्वियों से नहीं बल्कि खुद से होगी। राष्टमंडल खेलों के 2014 चरण में रजत और 2018 चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाली इस खिलाड़ी ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल मेरे लिए आसान होंगे। मैं खुद से ही लड़ूंगी। उन्होंने एनआईएस पटियाला में बात करते हुए कहा, राष्ट्रमंडल खेलों में इतनी प्रतिस्पर्धा नहीं होगी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसमें कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होगी। भविष्य के टूर्नामेंट को देखते हुए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। प्रतिस्पर्धा ज्यादा नहीं होगी तो चानू के दिमाग में बड़ा लक्ष्य तय है।

बरमूडा ने नीजर ओडेड्रा को मुख्य कोच बनाया

एजेंसी। नई दिल्ली

बरमूडा क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 टी20 विश्व कप में क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ सौराष्ट्र के नीरज ओडेड्रा को संक्षिप्त करार पर राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है।

नीरज 2015 से सौराष्ट्र के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे और मौजूदा सत्र में टीम के मुख्य कोच थे। भारत ए के पूर्व और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के मौजूदा कोच सितांशु कोटक के साथ नीरज ने पिछले एक दशक में सौराष्ट्र की लाल गेंद की टीम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और इस दौरान 2020 में टीम ने अपना पहला रणजी ट्रॉफी खिताब भी जीता। सौराष्ट्र की टीम 2021-2022 में कम मुकाबलों के रणजी सत्र में नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रही लेकिन टीम ने पहली बार सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के नॉकआउट में जगह बनाई और 50 ओवर के टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी पहुंची। नीरज ने कहा, बरमूडा राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना बड़ी जिम्मेदारी और बड़े सम्मान की बात है। बीसीबी के साथ नीरज का अनुबंध एक जुलाई से 15 सितंबर तक होगा लेकिन संभावना है कि उन्हें भविष्य में लंबा अनुबंध मिल सकता है। नीरज को विश्व कप मंच पर टीम को वापसी कराने की जिम्मेदारी दी गई है और देश का ध्यान 2024 टी20 आईसीसी विश्व कप पर है।

कीज और कोरिच चोट के कारण विंबलडन से हटे

एजेंसी। विंबलडन (इंग्लैंड)

अमेरिकी ओपन 2017 उप विजेता मेडिसन कीज और बोर्ना कोरिच चोट के कारण शनिवार को विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट से हट गए। टूर्नामेंट सोमवार से शुरू हो रहा है।

आल इंग्लैंड क्लब पर 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी कीज पेट की मांसपेशियों में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। कीज की जगह कोको वांदेवेघे लेंगी जो विंबलडन में दो बार क्वार्टर फाइनल और ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में दो बार सेमीफाइनल में जगह बना चुकी हैं। वांदेवाघे को इस हफ्ते क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा था। वह पहले दौर में 17वीं वरीय एलेना रेबाकिना से भिड़ेंगी। क्रोएशिया के कोरिच को प्रोक्टेक्टेड रैंकिंग के कारण विंबलडन में जगह मिली थी क्योंकि वह चोटिल थे। उन्होंने टूर्नामेंट से हटने का कारण केंधे की चोट को बताया है।

सितपिास ने आगुत को हराकर मालोर्का चैंपियनशिप जीती

पाल्मा। स्टीफन सितसिपास ने विंबलडन की अच्छी तैयारी करते हुए शनिवार को यहां फाइनल में रॉबर्टो बतिस्ता आगुत को हराकर मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीता।

सोमवार को आल इंग्लैंड क्लब पर शुरू हो रहे विंबलडन से पहले सितसिपास का एटीपी टूर पर यह पहला ग्रास कोर्ट खिताब है। यूनान के दूसरे वरीय सितसिपास ने निर्णायक सेट के टाईब्रेकर में आगुत को हराकर 6-4 3-6 7-6(2) से जीत दर्ज की। सितसिपास की यह सत्र की 40वीं जीत है। यह सितसिपास के करियर का नौवां और सत्र का दूसरा खिताब है। उन्होंने अप्रैल में मोंटे कार्लो टूर्नामेंट का खिताब भी बरकरार रखा था। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज सितसिपास को विंबलडन के पहले दौर में एलेक्जेंडर रिचार्ड से भिड़ना है।

रोहित शर्मा कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए : बीसीसीआई

एजेंसी। बर्मिंघम

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा रेपिड एंटीजेन परीक्षण (आरएटी) में कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं और इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से पूर्व उन्हें पृथकवास पर रखा गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को यह जानकारी दी।

टेस्ट मैच एक जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगा और रोहित अगर छह दिन पृथकवास में रहते हैं तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम की अगुआई करने को कहा जा सकता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा शनिवार को हुए रेपिड एंटीजेन परीक्षण (आरएटी) में कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, वह अभी टीम होटल में पृथकवास में हैं और बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका ध्यान रख रही है।

सीटी वेल्यु का आकलन करने के लिए रविवार को आरटी-पीसीआर परीक्षण किया जाएगा। रोहित ने लीसेस्टर के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन बल्लेबाजी की थी लेकिन दूसरे दिन मैदान पर नहीं उतरे। उन्होंने भारत की दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी नहीं की।

मध्य प्रदेश की टीम ने पहली बार रणजी का खिताब जीता

फाइनल मैच में 41 बार की चैंपियन मुंबई को छह विकेट से हराया

एजेंसी। बेंगलुरु

घरेलू क्रिकेट का नया बादशाह

मध्य प्रदेश ने रविवार को पांचवें और अंतिम दिन घरेलू क्रिकेट की दिग्गज टीम मुंबई को एकतरफा फाइनल में छह विकेट से हराकर पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतकर इतिहास रचा। कोच चंद्रकांत पंडित ने इसी मैदान पर 23 साल पहले रणजी ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला गंवाया था लेकिन इस बार वह चैंपियन टीम का हिस्सा बनने में सफल रहे।

सत्र में 1000 रन बनाने से सिर्फ 18 रन दूर रहे सरफराज खान (45) और युवा सुवेद पार्कर (51) ने मुंबई को हार से बचाने का प्रयास किया लेकिन कुमार कार्तिकेय (98 रन पर चार विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों ने मध्य प्रदेश की जीत सुनिश्चित की। कोच के रूप में पंडित का यह रिकॉर्ड छठा राष्ट्रीय खिताब है। पिछले कुछ सालों में देश में एक के बाद एक नई शक्तिशाली टीमें उभर कर सामने आ रही हैं। मध्य प्रदेश की खिताबी जीत भी इस फैक्ट की तस्दीक करती है। 2014-15 से अब तक आट सीजन में छह अलग-अलग टीमों ने खिताब जीते हैं। मैच के आखिरी दिन मुंबई की दूसरी पारी 269 रन के स्कोर पर सिमट गई। इस तरह मध्य प्रदेश (एमपी) को जीत के लिए 108 रन का टारगेट मिला, जिसे उसने चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पहली पारी में मुंबई ने 374 रन बनाए थे। जिसके जवाब में एमपी ने 536 रन बनाते हुए 162 रन की बढ़त हासिल की थी।

मुंबई की पहली पारी के 374 रन के स्कोर के जवाब में 536 रन बनाकर अपना एक हाथ ट्रॉफी पर पहले ही रख दिया था। नियमों के मुताबिक अगर फाइनल ड्रॉ होता है तो पहली पारी में बढ़त हासिल करने वाली टीम विजेता बनती है। हालांकि, एमपी ने इतने से संतोष नहीं किया और आखिरी दिन सात विकेट से हासिल कर खुद को इस ट्रॉफी का सच्चा हकदार साबित किया।

तीन बल्लेबाजों के शतक गेंदबाजों ने भी किया कमाल

फाइनल में एमपी की ओर से तीन बल्लेबाजों यश दुबे (133 रन), शुभम शर्मा (116 रन) और रजत पाटीदार (122 रन) ने शतक जमाए। एमपी के गेंदबाजों ने अपना योगदान बखूबी दिया। गौरव यादव ने मैच में छह विकेट लिए। कुमार कार्तिकेय के साथ पांच सफलता लगी। बाकी गेंदबाजों ने भी उनका भरपूर सहयोग किया। इधर मुंबई की पहली पारी के 374 रन के जवाब में मध्यप्रदेश ने 536 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। यश दुबे और शुभम शर्मा और रजत पाटीदार ने शतकीय पारियां खेलीं। दूसरे विकेट के लिए शुभम शर्मा और यश दुबे ने 222 रन की साझेदारी कर मध्यप्रदेश को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया शुभम शर्मा 116 रन बनाकर आउट हुए। यश दुबे ने 133 और रजत पाटीदार ने 122 रन की पारी खेली।